हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 281, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 31 मार्च, 2022 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

भीषण आर्थिक संकट में श्रीलंका की मदद के लिए फिर आगे आया भारत

चीन ने दी दगा, श्रीलंका के मित्र देश चीन व पाकिस्तान इस मामले में सक्रिय क्यों नहीं

नई दिल्ली। भारत का पड़ोसी मुल्क श्रीलंका सबसे खतरनाक आर्थिक गिरावट से जूझ रहा है। श्रीलंका का विदेश भंडार इस वक्त अपने ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। घटते विदेशी मुद्रा भंडार, बेतहाशा बढ़ती कीमतों और भोजन सामग्री की कमी की संभावनाओं के बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे की सरकार कुछ भी करने को तैयार है। श्रीलंका के नेता इन हालात के लिए कोरोना को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं, लेकिन आलोचक इसके लिए सरकार को ही दोषी ठहरा रहे हैं। विपत्ति काल में श्रीलंका सरकार की निगाह भारत की ओर है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर श्रीलंका के मित्र देश चीन और पाकिस्तान इस मामले में सक्रिय क्यों नहीं है इसके पीछे के बड़े कारण क्या है क्या भारत की मदद से कोलम्बो और नई दिल्ली के रिश्तों में मधुरता आएगी दोनों देश अपने मतभेदों को भुलाकर फरि एक-दूसरे के निकट आएंगे

प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि श्रीलंका के आर्थिक संकट का असर उसके विदेश नीति पर भी पड़ रहा है। श्रीलंका की विदेश नीति में बदलाव देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि चीन की ओर जाता श्रीलंका अब भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की जुगत में है। इसके पीछे ड्रैगन की कर्ज नीति और भारत की मोदी सरकार की पड़ोसी मुल्कों के साथ सकारात्मक रुख की नीति जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में नई दिल्ली और कोलम्बो के रिश्ते बहुत मधुर नहीं रहे हैं। खासकर मैत्रीपाला सिरीसेना के कार्यकाल में भारत और श्रीलंका के संबंधों में गिरावट आई है। इसकी वजह यह थी कि सिरीसेना का झुकाव चीन की ओर था। प्रो पंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेबरहुड फर्स्ट पालिसी भारत के पड़ोसी मुल्कों के साथ बेहतर संबंध बनाने की पहल रंग लाई। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा इसी कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिए। श्रीलंका में नई सरकार के

गठन के ठीक बाद भारत ने सभी मतभेदों को भुलाकर एक सकारात्मक पहल की। उन्होंने गोटाभाया राजपक्षे से मुलाकात की और उन्हें भारत आने का पीएम मोदी का निमंत्रण भी दिया, जबकि गोटाभाया का झुकान चीन की ओर था। इसके बाद गोटाभाया ने भारत का दौरा किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत थी। उन्होंने कहा कि जयशंकर का श्रीलंका जाना काफी अहम रहा। इसके बाद मोदी के न्यौते पर गोटाभाया का भारत आना बेहद अहम था। इसके बाद दोनों देशों के बीच बातचीत अच्छी चली। संबंधों में सुधार के संकेत देखे गए।

उन्होंने कहा कि श्रीलंका कर्ज के दलदल में बुरी तरह से फंस चुका है। वर्ष 2010 में श्रीलंका पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनपी) का 39 फीसद कर्ज था। नौ वर्ष बाद यानी वर्ष 2019 में यह कर्ज बढ़कर 69 फीसद हो गया। श्रीलंका में बड़ा सकंट तब उत्पन्न हुआ, जब वर्ष 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 2.8 अरब डालर रह गया। श्रीलंका चीन के बोझ तले दब गया है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 4.06 अरब डालर कर्ज चीन से लिया कुल कर्ज का 60 फीसद है।

श्रीलंका का चीन प्रेम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि निवेश के मामले में भारत चीन से पीछे है। चीन ने श्रीलंका में वर्ष 2010 से 2019 के बीच 23.6 फीसद निवेश किया। इसी दौरान भारत का निवेश 10.4 फीसद रहा। यानी चीन ने भारत की तुलना में दोगुना निवेश किया। श्रीलंका ने भारत जापान का ईस्ट कंटेनर टर्मिनल प्रोजेक्ट रद कर दिया। श्रीलंका का हम्बनटोटा बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। इस बंदरगाह को चीन को पट्टे पर दिए जाने से भारत की भी चिंताएं बढ़ गई थीं। यह बंदरगाह भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर खड़ा हो रहा है। अगर यह बंदरगाह चीन के पास 99 साल के लिए रह गया तो उसकी नौसेना का पूरा ध्यान वहां पर होगा। खास बात यह है कि यह हिंद महासागर क्षेत्र के लिए एक गेटवे है। वहीं, चीन के कर्ज से श्रीलंका की हालत भी काफी खराब हो गई है।

हम मुश्किल स्थिति में हैं यूक्रेन-रूस संकट पर भारत के रुख पर बोले थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेता और लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भारत अपने कूटनीतिक रुख पर बातचीत करने में बहुत 'जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर' से गुजरा है। अन्य देशों के साथ उसके कई हितों के कारण वह 'एक तरह से मुश्किल स्थिति में है, जिसमें छोटी-सी गलती के भी बहुत बुरे परिणाम हो सकते हैं। वह 'यूक्रेन अनकही (झलकियां)' पर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद यहां बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत, यूक्रेन-रूस संकट पर अपने रुख पर बातचीत में बहुत जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरा है। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत अपने पहले ही बयान में ऐसा कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं दिखा था जिससे रूस को परेशानी होती'। थरूर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की इस सप्ताह भारत की संभावित यात्रा पर कहा, 'उनके पास बचाव के लिए कठिन वजह होगी और मुझे भरोसा है कि नई दिल्ली में वह जो बातचीत करने जा रहे हैं, वह काफी दिलचस्प होगी।' संघर्ष पर भारत के रुख के बारे में कांग्रेस सांसद ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र में (यूक्रेन संकट पर) मतदान से अनुपस्थित रहते हुए अपने बयानों में हम अपने सिद्धांतों को दोहराने में अधिक मुखर रहे हैं और हमारी कूटनीति ने उन विविध हितों को ध्यान में रखा है, जिनकी हमें देखभाल करनी है।

बीरभूम हिंसा पर गृहमंत्री अमित शाह से मिलेंगे पश्चिम बंगाल बीजेपी चीफ सुकांता मजूमदार

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते 21 मार्च को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुर हाट में हुई हिंसा में आठ लोगों को जला कर मार दिया गया था। इस घटना पर बंगाल बीजेपी चीफ डॉ सुकांता मजूमदार बुधवार को बंगाल पार्टी इकाई की तरफ से गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी चीफ जेपी नड्डा से मिलकर फैक्ट फाइंडिंग टीम की रिपोर्ट सौंपेंगे। हमारी फैक्ट फाइंडिंग टीम ने बीरभूम हिंसा पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है जो पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट हम गृह मंत्री अमित शाह को भी सौंपने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बीरभूम घटना के तुरंत बाद हमारे पार्टी अध्यक्ष ने पाँच सदस्यों वाली कमेटी बनाई थी जिसमें चार पूर्व आईपीएस अधिकारी और मैं था। आज साढ़े ग्यारह बजे हम यह रिपोर्ट बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा जी को रिपोर्ट सौंपेंगे। प्रधानमंत्री से समय मिलने पर हम पश्चिम बंगाल विधान सभा में हुई घटना पर भी अपनी बात रखेंगे क्योंकि वो तो लोकतंत्र की हत्या

जैसा है। डॉ सुकांता ने कहा कि इस मामले पर हमारी पीएम मोदी के साथ मुलाकात होने वाली थी जो उनके कार्यक्रम में बदलाव के कारण स्थगित कर दी गई है। आने वाले दिनों में जब भी कोई नई तारीख तय होगी हम उनसे मिलेंगे और उसी के अनुसार उनको भी इसका विवरण सौंपेंगे। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते 21 मार्च को कुछ अज्ञात लोगों ने बीरभूमि जिले के रामपुर हाट में दस घरों में आग लगा कर आठ लोगों की हत्या कर दी थी। इस मामले में संज्ञान लेते हुये कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिये थे। अब इसी मामले की जांच में जुटी सीबीआई ने 21 लोगों को आरोपी बनाया है। गौरतलब है कि सीबीआई की 30 सदस्यीय टीम पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट पहुंच गई थी और उसने वहां पर हिंसा की जांच शुरू कर दी थी। पिछले हफ्ते हुई हिंसा में दस घरों को आग लगा दी गई थी। जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत कुल 8 लोगों की मौत हो गई थी।

हेलिकॉप्टर क्रैश में पाकिस्तान के 6 सैनिकों की मौत

नई दिल्ली। हेलिकॉप्टर क्रेश में पाकिस्तान के छह सैनिकों की मौत की खबर आ रही है। ये सभी संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के हिस्सा थे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया मामलों के विंग ने मंगलवार को इस दुर्घटना की जानकारी दी है। इन्होंने कांगो में एक टोही मिशन के दौरान प्यूमा हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से अपनी जान गंवा दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि छह पाकिस्तानी अधिकारियों और सैनिकों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल आसिफ अली अवान, जो पायलट थे, मेजर साद नोमानी, जो सह-पायलट थे, मेजर फैजान अली, नायब सूबेदार समीउल्लक खान, जो फ्लाइट इंजीनियर थे, हवलदार मुहम्मद इस्माइल, जो क्रू चीफ थे और लांस हवलदार मुहम्मद जमील, जो गनर थे के रूप में हुई है। आईएसपीआर ने कहा कि दुर्घटना के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान का एक विमानन मिशन 2011 से संयुक्त राष्ट्र मिशन कांगो में शांति स्थापना कर्तव्यों पर तैनात किया गया था। बयान में कहा गया है, "पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न शांति अभियानों में सक्रिय समर्थन के माध्यम से वैश्विक शांति और सुरक्षा के आदर्शों को साकार करने में मदद करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक जिम्मेदार सदस्य के रूप में हमेशा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" बयान में कहा, "हमारे शांति सैनिकों ने हमेशा भक्ति के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण शांति कार्यों को निष्पादित करने में और यदि आवश्यक हो तो सर्वोच्च बलिदान देने में खुद को प्रतिष्ठित किया है।

केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी को लेकर बहुत बड़ी खुशखबरी, DA में 3 फीसद की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ा दिया है। इसमें 3 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 01 जनवरी 2022 से लागू होगा। सरकार की इस बढ़ोतरी

से अब एक करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए/डीआर बढ़कर 34 फीसदी हो गया है। DA में बढ़ोतरी का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में हुआ। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) की अतिरिक्त किस्त और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत (डीआर) की एक अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दी गई। सरकार की ओर से कहा गया कि महंगाई भत्ते को मूल वेतन के और महंगाई राहत को मूल पेंशन के 31% की मौजूदा दर से 3% बढ़ाकर 34 फीसदी कर दिया है। यह एक जनवरी 2022 से लागू होगा। यह मूल्य वृद्धि की भरपाई के लिए किया गया है। अब सरकारी कर्मचारियों को जनवरी, फरवरी और मार्च का एरियर भी मिलेगा। सरकार ने कहा कि यह वृद्धि स्वीकृत फॉमूर्ले के अनुसार है, जो सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। केंद्रीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ते और पेंशनर्स को महंगाई राहत के कारण सरकारी खजाने पर संयुक्त रूप से 9,544.50 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का बोझ पड़ेगा। इससे केंद्र सरकार के लगभग 47.68 लाख कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। इससे पहले जुलाई 2021 में केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 11 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। कोविड महामारी आने के बाद महंगाई भत्ते को फ्रीज कर दिया गया था। इससे यह 17 फीसदी पर रुका हुआ था। फिर सरकार ने एक साथ 11 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी देकर सरकारी कर्मचारियों को खुश कर दिया था। इसके बाद सितंबर 2021 में 3 फीसदी की और बढ़तरी की गई थी।

दिल्ली नगर निगमों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही दिल्ली सरकार, लोकसभा में बोले केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में एमसीडी बिल पर बयान दिया और कहा कि तीनों नगर निगम को संगठित कर दिल्ली नगर निगम हो। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, 'आज एक बिल मैं लेकर आया हूं। उसके उद्देश्य में रखना चाहता हूं कि तीन नगर निगमों को एक करके फिर से दिल्ली नगर निगम को एक बनाया जाए। संसाधन और सहकारितावादी और सामरिक योजना की दृष्टि से एक ही निगम पूरी दिल्ली की सिविक सेवाओं का ध्यान रखेगा तो उचित होगा।' गृहमंत्री ने कहा, 'दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगमों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। इसके कारण सारे नगर निगम अपने दायित्वों को निर्वहन करने के लिए खुद को पर्याप्त संसाधनों से लैस नहीं पाते हैं।' गृहमंत्री ने कहा, 'पिछले दस साल के अनुभव का बारीक विश्लेषण और तथ्य जो सामने आए हैं उसको लेकर सरकार ने दिल्ली के तीनों निगमों का एकीकरण कर पहले जैसी स्थिति की जाए। यह बंटवारा आनन-फानन में किया गया बंटवारा था।' गृहमंत्री ने कहा, 'नगर निगम की सेवाओं को और दक्षता और पारदर्शिता के साथ

चलाया जाए, ये संशोधन भी इस बिल में हैं। दिल्ली के पार्षदों की संख्या को भी सीमित करने का भी प्रस्ताव इस बिल में है। नागरिक सेवाओं को कहीं भी और कभी भी, के सिद्धांत के आधार पर व्यवस्थित किया जाए।' उल्लेखनीय है कि संसद में केंद्र सरकार ने तीनों नगर निगमों को फिर से एक कर दिल्ली नगर निगम बनाने वाला विधेयक पेश किया है।

यूपी बोर्ड 12वीं का अंग्रेजी का पेपर लीक, बलिया डीआइओएस निलंबित, सरकार के निर्देश पर एसटीएफ ने शुरू की जांच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आया है। बुधवार को दोपहर दो बजे से इंटरमीडिएट की अंग्रेजी विषय की परीक्षा होनी थी। इससे पहले ही पेपर लीक होने की वजह से प्रदेश के 24 जिलों में परीक्षा रद्द कर दी गई है। सचिव आराधना शुक्ला ने अंग्रेजी का प्रश्न पत्र लीक होने की जानकारी दी। हाईस्कूल अंग्रेजी की 24 जिलों में निरस्त हुई परीक्षा अब 13 अप्रैल को होगी। अपर मुख्य सचिव होम अवनीश अवस्थी ने बलिया के डीएम एवं एसपी से पेपर लीक मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। वहीं अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला का कहना है कि केवल बलिया के डीआइओएस को निलंबित कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। दोषियों पर एनएसए की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में

बच्चों की कोई गलती नहीं है। उत्तर प्रदेश के बलिया और देवरिया में बुधवार को दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी का पेपर लीक होने के बाद 24 जिलों में परीक्षा स्थगित कर दी गई है। इन 24 जिलों को छोड़कर अन्य जिलों में अंग्रेजी की परीक्षा होगी। बता दें कि प्रश्न पत्र लीक होने के बाद 316 EH सीरीज का पेपर भी वायरल हो रहा है। बलिया, एटा, देवरिया, बागपत, बदायूं, सीतापुर, कानपुर देहात, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, गोंडा, आजमगढ़, आगरा, वाराणसी, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, शामली, शाहजहांपुर, उन्नाव, जालौन, महोबा, अम्बेडकर नगर, गोरखपुर जिले में परीक्षा स्थगित कर दी गई है। यहां यूपी बोर्ड की ओर से परीक्षा की नई तारीख जारी की जाएगी। सोशल मीडिया पर यूपी बोर्ड इंटमीडिएट की परीक्षा का एक प्रश्न पत्र भी तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि जो पेपर लीक हुआ है वह यही सीरीज है।

अमेरिकी बम किट से लैस हो विमान तेजस बनेगा अधिक मारक

नई दिल्ली। स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए अब भारतीय वायु सेना उन्हें अमेरिकी युद्धक बम किट ज्वाइंट जेडीएएम से लैस करेगी। इससे तेजस दुश्मन के ठिकानों पर सटीक लक्ष्य साध सकेगा। सरकारी सूत्रों ने बताया कि हाल ही में वायुसेना ने जेडीएएम के लिए करार किया था, जिससे हवा से जमीन पर हमले में प्रयोग किए जाने वाले बम 80 किलोमीटर की दूरी तक भी पूरी सटीकता से लक्ष्य भेद सकेंगे। इसी कड़ी में सबसे पहले तेजस के बेड़े को जेडीएएम से लैस किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, आने वाले समय में तेजस को वायुसेना के प्रमुख साधन के तौर पर प्रयोग किया जाना है। इस प्रणाली से लैस होने से स्वदेशी विमान तेजस को प्रतिद्वंद्वी विमानों पर बढ़त मिलेगी जो निकट की दूरी पर ही लक्ष्य भेद सकते हैं। हाल ही में वायुसेना ने तेजस को जमीनी हमले में प्रयोग होने वाली फ्रांस निर्मित मिसाइल हैमर और हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी एस्ट्रा मिसाइल से भी सुसज्जित किया था।

भारतीय वायुसेना ने अपनी दो स्क्वाड्रन को आरंभिक परिचालन मंजूरी और निर्णायक परिचालन मंजूरी के तहत शुरू कर दिया है। जबकि दो वर्ष में 83 मार्कवन ए की आपूर्ति के लिए करार भी हो गया है। वायुसेना रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान द्वारा बनाए जा रहे हल्के लड़ाकू विमान मार्क 2 और एएमसीए पर भी ध्यान केंद्रित किए है। भारतीय सशस्त्र बलों ने सरकार द्वारा विभिन्न चरणों में उन्हें दी गई वित्तीय शक्तियों का व्यापक रूप से उपयोग किया है, ताकि दोनों पक्षों के दुश्मनों द्वारा किसी भी संघर्ष या आक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक हथियारों से खुद को लैस किया जा सके। भारतीय वायु सेना स्वदेशी एलसीए तेजस लड़ाकू विमान को अधिक से अधिक क्षमताओं को जोड़कर उन्हें और सशक्त बना रही है।

कांग्रेस के 25 विधायकों ने दिखाए बागी तेवर सोनिया गांधी से मांगा मिलने का समय

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना गठबंधन की सरकार चल रही है। उद्धव ठाकरे इस सरकार के मुखिया हैं। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों से तीनों दलों के बीच तकरार की खबरें लगातार आती रही हैं। महाराष्ट्र के कम से कम 25 कांग्रेस विधायकों ने महा विकास अघाड़ी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कांग्रेस के मंत्रियों के खिलाफ ही शिकायत करने के लिए पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने का समय मांगा है। उनका आरोप है कि उनकी ही पार्टी के मंत्री उनकी चिंताओं का जवाब नहीं दे रहे हैं। विधायकों ने एक पत्र में सोनिया गांधी से 'चीजों को ठीक करने' के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। कुछ विधायकों ने कहा है कि एमवीए में मंत्री, विशेष रूप से कांग्रेस के मंत्री, उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। उनमें से एक ने कहा, "अगर मंत्री विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में काम को लागू करने के अनुरोधों की अनदेखी करते हैं, तो पार्टी चुनावों में अच्छा प्रदर्शन कैसे करेगी पार्टी में समन्वय की कमी का संकेत देते हुए

विधायकों ने कहा कि उन्हें पिछले सप्ताह ही पता चला कि कांग्रेस के प्रत्येक मंत्री को उनके मुद्दों को उचित रूप से संबोधित करने के लिए पार्टी के तीन विधायकों को सौंपा गया था। एक अन्य कांग्रेस विधायक ने कहा, "हमें तब पता चला जब एचके पाटिल ने हाल ही में एक बैठक की थी कि कांग्रेस मंत्रियों को तीन-तीन विधायक आवंटित किए गए थे। यह स्पष्ट रूप से एमवीए सरकार बनने के कुछ महीने बाद किया गया था, लेकिन हमें इसके बारे में केवल 2.5 साल पहले ही पता चला। अब भी कोई नहीं जानता कि कौन सा मंत्री हमसे जुड़ा हुआ है। कांग्रेस के अन्य विधायकों ने कहा कि पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से पिछड़ गई क्योंकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार नियमित रूप से राकांपा विधायकों से मिलते हैं, धन आवंटित करते हैं और उनकी शिकायतें सुनते हैं। कांग्रेस के एक अन्य विधायक ने कहा, "राकांपा हम पर हमला कर रही है। राकांपा मंत्रालयों को अधिक धन आवंटित किया जाता। अगर चीजें समान रहती हैं तो महाराष्ट्र में कांग्रेस अन्य राज्यों की तरह हाशिए पर चली जाएगी।

भाजपा की नीति और सोच हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की : खट्टर

चंडीगढ़। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यदि आपकी नीति मुफ्त में बांटने की है तो बांटो, लेकिन यह सब अपने दम पर करो। सेंटर से पैसा लेकर मुफ्तखोरी की राजनीति करना बेहद शर्मनाक है। पहले मुफ्त में सब बांटने की घोषणा करो और फिर कटोरा लेकर प्रधानमंत्री के सामने खड़े हो जाओ, यह तो अच्छी बात नहीं है। इससे देश और समाज का भला नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति और सोच गरीब से गरीब व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की है। इस दिशा में हरियाणा के गरीब लोगों को चिन्हित कर उन्हें रोजगार मुहैया कराए जा रहे हैं। हमारी कोशिश है कि हर व्यक्ति के लिए आय के साधन मुहैया हो सकें। वह मुफ्तखोरी पर बिल्कुल भी निर्भर न रहे।

सीएम मनोहर लाल ने आइएएस अधिकारी अशोक खेमका द्वारा रजिस्ट्रियों में गड़बड़ी संबंधी कोई पत्र लिखे जाने से इन्कार किया है। मनोहर लाल ने कहा कि उन्हें ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है, लेकिन जहां तक रजिस्ट्रियों में सात-ए के उल्लंघन की बात है, हम इसकी जांच बैठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में करीब 60 हजार रजिस्ट्रियां संदिग्ध हैं। 350 अधिकारियों व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनमें से कितनों के खिलाफ कार्रवाई होगी और कितने बचेंगे, यह बाद का विषय है। वैसे ही हम 2010 से 2016 तक हुई तमाम रजिस्ट्रियों की जांच बैठा चुके हैं। सीएम ने कहा कि चंडीगढ़ हरियाणा और पंजाब दोनों का है। इसको हरियाणा से कोई नहीं छीन सकता। लेकिन यह बात भी सही है कि वह किसी प्रदेश के अंतर्गत नहीं आता। वह हरियाणा व पंजाब की राजधानी है और अलग केंद्रशासित राज्य है। इसमें जो अधिकारी काम करते हैं, उसमें पंजाब व हरियाणा का रेशो 60:40 का है, जो आगे भी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ में अलग सर्विस रूल के बारे में क्या घोषणा की है, वह इसकी जानकारी हासिल करेंगे।

चिंतन मनन

पुतिन के तेवर

रूस और यूक्रेन के बीच जंग को एक माह से ज्यादा का समय हो गया है। दूसरी तरफ इस संकट का डिप्लोमैटिक समाधान भी तलाशा जा रहा है। इसी के मद्देनजर रूस के अरबपति और चेल्सी फुटबॉल क्लब के मालिक रोमन अब्रामोविच यूक्रेन के राष्ट्रपति का खत लेकर पुतिन के पास पहुंचे थे। इस खत में जेलेंस्की ने उन शर्तों के बारे में बताया था, जिससे युद्ध रोका जा सकता है। इस पर भड़कते हुए पुतिन ने कहा कि मैं यूक्रेन को बर्बाद कर दूंगा। पुतिन के इस बयान से साफ है कि वे जिस रणनीति को लेकर निकले थे, उससे पीछे हटने वाले नहीं हैं। पुतिन इस बात को जानते हैं कि इस समय अगर उन्होंने कदम वापस लिए तो दुनियाभर में उनका विरोध और तेज हो जाएगा। साथ ही अमेरिका और अन्य देशों को दबाव बनाने का मौका मिल जाएगा। हालांकि, यूरोपीय देश ब्रिटेन की तरफ से रूस को एक ऑफर दिया गया है। ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रस ने कहा कि अगर रूस जंग को खत्म करता है और यूक्रेन से अपनी सेना को वापस बुलाता है तो ब्रिटेन रूस और उसकी कंपनियों पर लगे प्रतिबंध हटा देगा। मगर अभी पुतिन किसी की सुनने वाले नहीं हैं। पिछले दिनों यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए रूस ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश की अनदेखी कर अपनी हठधर्मिता दिखाई थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश के बावजूद यूक्रेन के शहरों पर उसकी सेना ताबड़तोड़ हमले कर रही है। रोजाना बेगुनाह नागरिक मारे जा रहे हैं। पूरी दुनिया को ठेंगा दिखाते हुए रूस जिस आक्रामकता से यूक्रेन को रौंदता जा रहा है, उससे साफ है कि उसे अब किसी की भी परवाह नहीं। चीन ने जिस तरह की नीति दिखाई है, जाहिर है वह रूस के समर्थन की ही है। भारत सहित कुछ देश तटस्थ बने हुए हैं और दोनों पक्षों से शांति की अपील कर रहे हैं। खतरा ज्यादा इसलिए भी बढ़ गया है कि परमाणु हमले करने वाली सैन्य कमान को पुतिन पहले ही तैयार रहने को कह चुके हैं। हालांकि यह उतना आसान भी नहीं है। पुतिन इस बात को भली भांति समझते हैं कि ऐसा करना पूरी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध में झोंकने जैसा होगा। यों इस जंग में रूस को पसीना आने लगा है। बड़ी संख्या में रूसी सैनिक मारे गए हैं। अगर रूसी सेना कीव पर कब्जा नहीं कर पाई है तो इससे यूक्रेन की सैन्य ताकत के साथ उसके और नागरिकों के मनोबल का भी पता चलता है। यूक्रेन की सेना भी पूरी ताकत से रूस को जवाब दे रही है। रूस को लग रहा था कि जंग कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगी। पर ऐसा हुआ नहीं। पुतिन इस वक्त युद्धोन्माद में डूबे हैं। ऐसे में रूस के परमाणु हथियार के इस्तेमाल करने की आशंका से कैसे इनकार किया जा सकता है? रूसी मिसाइलों और बमों से यूक्रेन के कई शहर खंडहर हो चुके हैं। जान बचाने के लिए 50 लाख लोग इस देश से पलायन कर चुके हैं। कहने को रूस और यूक्रेन के बीच वाताओं के कई दौर भी हो चुके हैं, लेकिन सब बेनतीजा। रूसी राष्ट्रपति एक ही जिद पर तुले हैं कि यूक्रेन किसी भी सूरत में नाटो का सदस्य नहीं बने और स्वीडन, स्विटजरलैंड जैसे देशों की तरह सीमित सेना रखे। यूक्रेन के सामने अस्तित्व का गंभीर सवाल है। यूक्रेन अगर वह रूस की इस शर्त के आगे झुक गया तो उसकी स्थिति एक गुलाम देश जैसी हो जाएगी। इसलिए यूक्रेन आसानी से हार कैसे मान ले! रूस-यूक्रेन की जंग का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमराने को लेकर चिंता इसलिए भी बढ़ गई है कि ज्यादातर देश महामारी की मार से अभी तक उबरे भी नहीं थे कि दूसरा संकट सिर पर आ गया। युद्ध और महामारी जैसी विपत्तियां मानव जीवन को कैसे तबाह कर देती हैं, यह अब छिपा नहीं रह गया है। महामारी की वजह से महंगाई और बेरोजगारी ने किसको नहीं रुलाया! अब फिर वैसे ही हालात बनते दिख रहे हैं। रोजाना नए रिकार्ड बनाता कच्चा तेल सबसे बड़ा संकट पैदा कर रहा है। कच्चा तेल महंगा होते ही सरकारें पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का कदम उठाती हैं और इसका सीधा हर तरह के कारोबार से लेकर आम जीवन पर पड़ता है। भारत दुनिया के कई देशों को दवाइयों से लेकर कपड़े, मशीनें, कलपुर्जे, इलेक्ट्रानिक सामान, चाय, काफी, वाहन आदि का निर्यात करता है। साथ ही दालें, खाने के तेल, उद्योगों के लिए कच्चा माल आयात करता है। वैश्विक कारोबार में हर देश इसी तरह एक दूसरे के सहारे टिका हुआ है।

उथल-पुथल का शोर!

आज पड़ोसी मुल्क में ।
उथल-पुथल का शोर ।।
अस्थिर सरकार ।
हैं बादल घनघोर ।।
है चर्चा चहुंओर ।
बड़ा होने वाला ।।
असमंजस में आज है ।
मुल्क का रखवाला ।।
मामला अशांत है ।
खबर रही तैर ।।
खुल कर आया सामने ।
किसका किससे बैर ।।
पतन का ये दौर ।
दुनिया रही निहार ।।
हर तरफ से शायद ।
होना तय प्रहार ।।
-कृष्णेन्द्र राय

गैर प्रजातंत्री प्रयास : स्वतंत्र संवैधानिक संगठनों पर सरकारी अतिक्रमण कहाँ तक उचित...?

हमारे देश के संविधान पुस्तिका को सिर्फ शपथ तक सीमित रखने का सरकारी प्रयास किस गैर प्रजातंत्रीय दिशा में देश को लेजा रहा है, इसका एक उदाहरण हमारे संवैधानिक स्वतंत्र संगठन है, जिन पर अवैध अतिक्रमण कर अपनी बपौती मान सरकार कुण्डली मारकर बैठी हुई है और इसी कारण ये स्वतंत्र संवैधानिक संगठन सरकार की हडवादिता व स्वार्थ के चलते गैर संवैधानिक व अप्रजातांत्रिक कार्य करने को मजबूर है।

हमारे देश में चुनाव आयोग सीबीआई, लोकसेवा आयोग आदि ऐसे संवैधानिक संगठन है, जो संवैधानिक रूप से स्वतंत्र व निष्पक्ष भाव से अपना कार्य सम्पन्न कर सकते है और इन्होंने देश की आजादी के बाद उनके गठन के पश्चात कई वर्षों तक निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से संविधान की भावना के अनुरूप कार्य किया भी है, किंतु पिछले पांच दशक से (लगभग आपातकाल के बाद से) देश पर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों पर कुदृष्टि पड़ी और धीरे-धीरे अब इन स्वतंत्र संवैधानिक संगठनों को सरकार पर काबिज राजनीतिक दलों के हाथों की कठपुतली बनने को मजबूर होना पड़ा। जिसके पश्चिम बंगाल के चुनाव, वहां का ताजा नरसंहार तथा देश के अन्य भागों में घटी घटनाएं व चुनाव से जुड़ी विसंगतियां ताजा उदाहरण है। और अब तो इन संवैधानिक संगठनों का सरकार द्वारा इतना अधिक दुरूपयोग किया जा रहा है कि जिसकी विश्व के किसी देश से तुलना नहीं की जा सकती।

हमारे मौजूदा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के दो साल बाद यह याद आया था कि उन्होंने 2014 के चुनावों के समय एक राष्ट्र-एक चुनाव तथा समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था,

उन्होंने उसी समय अपने इन दोनों वादों को शीघ्र मूर्तरूप देने का संकल्प भी लिया था, किंतु इस संकल्प को भी छः साल गुजर गए, मोदी जी 2019 का लोकसभा चुनाव भारी बहुमत से जीतकर पुनः प्रधानमंत्री भी बन गए किंतु ये देशहित के दो वादे आज भी वहीं के वहीं है, क्योंकि इनके लागू करने में सत्तारूढ़ दल को अपना वोट बैंक कम होने की चिंता जो सता रही है, इसी कारण न तो देश का लाखों-करोड़ों रूपया बचाने वाले एक राष्ट्र-एक चुनाव का वादा पूरा हो पा रहा है और न ही पूरे देश के नागरिकों को समानता के एक सूत्र में पिरोने वाले समान नागरिक संहिता का वादा पूरा हो पा रहा है, ये दोनों महत्वपूर्ण वादें सत्ता की राजनीति के कोहरे में खोकर रह गए।

यदि हम एक राष्ट्र-एक चुनाव की बात करें, तो यह कोई भाजपा द्वारा पैदा किय गया चुनावी नारा नही है, देश की आजादी के बाद 1951 में हुए पहले आम चुनाव से लेकर 1967 तक देश में लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते थे, लेकिन 1969 में कुछ राज्य विधानसभाऐं भंग की गई और वहां राष्ट्रपति शासन लागू किए गए, उसके बाद से लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के चुनाव उनकी अवधि पूरी होने के हिसाब से अलग-अलग होने लगे उसका परिणाम आज यह दिखाई दे रहा है कि हर वर्ष किसी न किसी राज्य विधानसभा के चुनाव या उपचुनाव होते है और उस पर देश का अपार धन व समय खर्च हो रहा है, सत्तारूढ़ राजनीतिक दल भी चुनावों में व्यस्त हो जाते है जिससे सरकार द्वारा किए जाने वाले जनहित के कार्य नहीं हो पाते और सत्तारूढ़ दल भी राजनीतिक स्पर्द्धा में व्यस्त हो जाता है। अब आज देश की मौजूदा स्थिति यह है कि अभी-अभी पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव निपटे है, इनके बाद इसी वर्ष के अंत में गुजरात, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव होगें, इसके उपरांत अगले वर्ष फरवरी में नागालैण्ड, त्रिपुरा, मेघालय में चुनाव कराये जायेगें, मई 2023 में कर्नाटक में तथा नवम्बर में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व मिजोरम में विधानसभा चुनाव होंगे, इसके महीनें बाद अर्थात दिसम्बर 2023 में राजस्थान व तेलंगाना की विधानसभाओं के तथा अप्रैल-मई 2024 में लोकसभा के साथ आंध्रप्रदेश, ओडिशा, अरूणाचल तथा सिक्कीम राज्य विधानसभाओं के चुनाव होगें महाराष्ट्र व हरियाणा में अक्टूबर 2024 तथा झारखण्ड में नवम्बर-दिसम्बर तथा इसके बाद फरवरी 2025 में दिल्ली व नवम्बर-दिसम्बर में बिहार के चुनाव होगें। इस तरह पूरे देश के राज्यों के चुनाव कार्यकाल अलग-अलग है तथा इसी कारण राजनीतिक कृत्यों में व्यस्त होने के कारण न तो सत्तारूढ़ दल कोई जनहित के सरकारी कार्य कर पाते है और न ही प्रतिपक्षी दल अपने दायित्वों का निर्वहन कर पाते है और इससे प्रभावित होता है बैचारा आम नागरिक या आम वोटर।

इसीलिए इस मुद्दें को भाजपा ने चुनावी नारा बनाया था, जिसे वह अब तक मूर्तरूप नही दे पाई है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी जी इसके लिए वचनबद्ध है। यही स्थिति समान नागरिक संहिता की है, इसके लागू होने से कहीं कोई सम्प्रदाय विशेष का वोट बैंक कहीं नाराज न हो जाए, इस भय से सत्तारूढ़ दल इसे लागू नहीं कर पा रहा है।

अरे.... जब आप जिन वादों को राजनीतिक मजबूरी में पूरे नहीं कर पाते तो फिर उन्हें राजनीति में लपेट कर मीठा व्यंजन समझ कर परोसते ही क्यों हो? यह एक विचारणीय बिन्दु है।

योगीआदित्यनाथ का भव्य समारोह में राजतिलक

हमारा इतिहास साक्षी है कि भारत राजनीति में उत्तर प्रदेश की भुमिका अंहम होती है। हाल के दिनों सम्पन्न हुए पाँच राज्यों के विधान सभा के चुनाव में सत्तारुढ़ भाजपा की चार राज्यों में ऐतिहासिक विजय हुई है। इन चार राज्यो में से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश है, क्योंकि दिल्ली दरबार के सिंघासन का रास्ता लखनऊ से हो कर जाता है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण शुक्रवार की भव्य शाम अटल विहारी बाजपेई स्टेडियम में योगी के राज तिलक भव्य समारोह में देश के प्रधान मंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री कई राज्यपाल कई राज्यो के मुख्य मंत्री राजनयिक, राजनीतिज्ञ विशेषज्ञ आदि की उपस्थित रही। मौका था, योगी आदित्यनाथ के द्वितीय पारी के सपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बनने का स्वर्णिम अवसर। ऐसे में राज्य के कई नेताओं के समर्थको के खेमो में खुशी था तो वही दुसरी खेमें में गम का माहोल था क्योकि -योगी जी के पार्ट -2 के नये मंत्रिमंडल से कई पुराने मंत्रीयो को जगह नही मिल पाया है। इनमें डॉ. दिनेश शर्मा,आशुतोष टंडन सतीश महाना, श्रीकांत शर्मा सिद्धार्थनाथ सिंह, महेंद्र सिंह रामनरेश अग्निहोत्री,जय प्रताप सिंह, नीलकंठ तिवारी नीलिमा कटियार, अशोक कटरिया श्रीराम चौहान,मोहसिन रजा मनोहर लाल, मुन्नू कोरी, सुरेश कुमार पासी, अनिल शर्मा महेशचंद्र गुप्ता, डा. जीएस धर्मेश लाखन सिंह राजपूत,चौधरी उदय भान सिंह,रमाशंकर सिंह पटेल जय कुमार सिंह जैकी व अतुल गर्ग

योगीराज पार्ट-2 : के नए मंत्रिमंडल की टीम में जिन्हे सामिल किये गये है उनमें जाति समीकरण का विशेष ध्यान रखा गया है। जिसकी तस्वीर इस प्रकार है। 21 सवर्ण,20 ओबीसी, 9 दलित,एक मुस्लिम,एक सिख। सर्व विदित रहे कि आदित्यनाथ ने देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए जैसे ही मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर प्रदेश की राजनीति में इतिहास रच दिया।वे लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने।पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुनाव की अग्निपरीक्षा में खरा उतरने के बाद प्रदेश की सत्ता के सिंघासन संभालने वाले वे इकलौते मुख्यमंत्री बन गए है,योगीराज 2.0 में भी दो उप मुख्यमंत्रियों ने शपथ ली है। सबसे चोकाने वाली बात यह है कि हार के बावजूद केशव प्रसाद मौर्य के कद को बरकरार रखा गया है।वहीं पूर्व में कानून मंत्री रहे ब्रजेश पाठक का कद बढ़ाते हुए नया उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। डॉ. दिनेश शर्मा को इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने योगी के साथ 52 मंत्रियों को शपथ दिलाई।इनमें 18 कैबिनेट मंत्री,14 स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री और 20 राज्यमंत्री हैं।खास बात यह है कि इनमें 31 नए चेहरे हैं। नए मंत्रिमंडल के सामने नए संकल्प और लक्ष्य हैं।दो साल बाद ही लोकसभा का चुनाव 2024 में होना है।योगी की नई टीम के सामने सुशासन को सुदृढ़ करने के साथ वर्ष 2024 की बड़ी चुनौती रहेगी। नये मंत्रि मण्डल में जाति समीकरण का विशेष ध्यान में रख कर बनाया गया है।नये मंत्रीमंडल में ओबीसी वर्ग के 20,एससी - 8,मुस्लिम-1,सिख -1,एसटी-1,ब्राह्मण- 7,ठाकुर-7,वैश्य - 3भूमिहार - 2,खत्री-1,कायस्थ - 1आजाद अंसारी बनाए गए जो इकलौते मुस्लिम मंत्री।दो डिप्टी सीएम समेत 52 मंत्री भी शपथ ली।दो उप मुख्य मंत्री के रूप में लखनऊ कैंट से विधायक ब्रजेश पाठक उपमुख्यमंत्री बना ये गये केशव प्रसाद मौर्य चुनाव हारने के बाद भी उपमुख्यमंत्री बनें है। जिसे राजनीतिज्ञ के पंडित यो में चर्चा व चिन्तन का विषय बना हुआा है।योगी आदित्यनाथ ने शपथ से पहले शुक्रवार सुबह अपने सभी भावी मंत्रियों को चाय पर बुलाया।इसके बाद विधायकों की आमद के साथ ही मंत्रियों के नाम से भी धीरे-धीरे पर्दा उठने लगा। कुछ विधायकों ने बाहर आकर इसका खुलासा भी किया कि फोन के बाद उन्हें शाम को मंत्री पद की शपथ की सूचना दी गई है।योगी आदित्यनाथ की सरकार में इकलौते मुस्लिम मंत्री मोहसिन रजा के स्थान पर अब दानिश आजाद अंसारी होंगे।उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया है।दानिश छह साल तक भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता रहे है।योगी आदित्यनाथ के दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने कहा कि शपथ सिर्फ सरकार बनाने की नहीं,जनता की सच्ची सेवा की भी लेनी चाहिए।उन्होंने ट्वीट किया कि नई सरकार को बधाई कि वो सपा के बनाए स्टेडियम में शपथ ले रही है।शपथ सिर्फ सरकार बनाने की नहीं, जनता की सच्ची सेवा की भी लेनी चाहिए।

विधान सभा जीत का इनामः40 में से 33 सीटें देने वाले ब्रज क्षेत्र को मिला जीत दिलाने का इनाम, चार कैबिनेट समेत सात मंत्री बनाये गये है।यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के ब्रज में अच्छे प्रदर्शन का परिणाम आज योगी सरकार 2.0 में भी नजर आया। ब्रज से चार कैबिनेट समेत सात मंत्री बनाए गए हैं, जबकि पिछली बार सरकार गठन के समय चार विधायकों को मंत्रिमंडल में स्थान मिला था।वही दिलचस्प बात यह है कि उत्तराखंड के राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर आईं बेबीरानी मौर्य (आगरा ग्रामीण),योगेंद्र उपाध्याय (आगरा दक्षिण), चौधरी लक्ष्मीनारायण (छाता, मथुरा) और जयवीर सिंह (मैनपुरी सदर) को इस बार कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।वहीं अतरौली से विधायक और कल्याण सिंह के पौत्र संदीप सिंह के साथ ही आगरा निवासी एमएमसी धर्मवीर प्रजापति को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा अलीगढ़ की खैर सुरक्षित सीट से निर्वाचित अनूप वाल्मीकि को राज्यमंत्री बनाया गया है।

एक नजर इधर भी, देखा है मेरे जीजा जी फिल्मी हैं

बात पर्दे के पीछे की

जखनियां। गाजीपुर।सच कहा है कि प्यार दीवाना होता है मस्ताना होता है। बात जब फूटेगी तो दूर तलक जाएगी।और ऐसा हो भी क्यों ना, जब किसी के सीधी साधी दीदी का साजन किसी फिल्मी हीरो और साली किसी फिल्मी हीरोइन से कम नहीं ?होंगे ,और नहीं तो कोचिंग के बहाने इजहारे मोहब्बत की हाजिरी तथा कीमती शानदार मोबाइल के मार्फत शायराना चैटिंग जब सुलगती चिंगारी को हवा देगी तो चोरी छिपे पुआ पकना लाजिमी है। पिछले साल का कोरोना काल और सरकारी प्रतिबंधो ने एक दूजे के संबंधों को बेशक मजबूती दिया है। टूटते रिश्ते और बिखरते परिवार को एक स्थान पर इकट्ठा करके संबंध को प्रगाढ़ बना दिया। वहीं कुछ आशिक मिजाजी रिस्तेदार समय की सहुलियत का फायदा उठाकर टाईमपास के बहाने अपनी गोटी फिट कर बाजी मारने में लग गए। प्यार इस कदर परवान चढ़ा की सोलहवें बसंत की दहलीज पर पहुंची एक साली ने अपने नए जीजा के मीठी मीठी बातों के झांसे में आ गई और जीजा संग यूपी बोर्ड परीक्षा इण्टर मीडिएट की मंगलवार सुबह प्रथम पाली में चित्रकला प्रश्न पत्र की परीक्षा देने जाने की जिद्द कर बैठी। वैसे बात तो जीजा जी के मन की थी ही लेकिन साली के घर वालों को जिद्द रास नहीं आरही थी।फिर भी भेजने की लाचारी थी। इसलिए की जीजा जी के अलावा कोई सेंटर तक छोड़ने वाला नहीं था। सेंटर घर से तकरीबन छः किमी से कम नहीं रहा था। चित्रकला पेपर दिलाने साली संग घर से बिफोर निकले बनारसी जीजा जी अन्यत्र जाकर कहीं और खोगए। अचानक घड़ी की सुई पर नजर पड़ते ही दोनो का माथा ठनका। बहरहाल आनन फानन में साली को सेंटर पर छोड़ सपनों की हसीन दुनियां में चक्कर लगाते हुए सवा तीन घंटे बिताने के बाद परीक्षा खत्म होते ही रास्ते में आकर अंग्रेजी जाम से गला तर करते हुए रोमांटिक अंदाज में साली से अपना दर्द बयां करते समय प्यार में इस कदर खो गए की सबकुछ अंधा नजर आने लगा। मौके की नजाकत भांप चालाक साली ने जीजा की हरकत से अपने को अलग करती हुई अपनी बहन को यह कहते हुए कोड भाषा में अवगत करायी कि-

दीदी तेरा क्या होगा रब जाने, देखा है मेरे जीजा जी फिल्मी हैं।

-गौरीशंकर पाण्डेय सरस

पुस्तक समीक्षा! सद्यः लोकार्पित पुस्तक 'कॉन्फ्लिक्ट रिजॉल्यूशनःद आरएसएस वे ' महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सत्य के प्रकटीकरण का साहसिक प्रयास

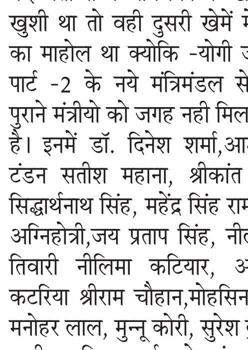

'संघर्ष समाधानः आरएसएस का रास्ता ' पुस्तक स्वयंसेवकों के कटु अनुभवों एवं संघर्षों पर आधारित है। आरएसएस को सम्पूर्ण विश्व में एक सांस्कृतिक संगठन के रूप में देखा जाता है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में अपनी 100वीं वर्षगांठ मनाएगा।आज आरएसएस के स्वयंसेवक साहित्य निर्माण और प्रसार पर काम कर रहे हैं। डॉ. रतन शारदा कई वर्षों से इसी तरह के विचार का अनुसरण कर रहे हैं। रतन शारदा की कई पुस्तकें हैं जो लोगों को जागरूक करती हैं। डॉ रतन शारदा और डॉ यशवंत पाठक ने इस श्रृंखला में एक पुस्तक, कॉन्फ्लिक्ट रिजॉल्यूशनः द आरएसएस वे (गरुड़ प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड) लिखी है जिसका विमोचन गत 25मार्च2022को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री अरुण कुमार के करकमलों द्वारा कांस्टीच्युशन क्लब नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ।पुस्तक विमोचन के उपरांत अपने उदबोधन में श्री अरुण कुमार ने कहा कि 'हमारा कोई विरोध कर सकता है लेकिन हमारा कोई विरोधी नहीं है।हमने समाज में दो ही तरह के लोगों को माना है एक वे जो संघ में आ गए एक वे जो संघ में आना बाकी हैं,इसके अलावा कोई नहीं है।ये हमारा कन्विक्शन है और हम इसी कन्विक्शन के आधार पर काम कर रहे हैं।'

डॉ. रतन शारदा और डॉ. यशवंत पाठक की पुस्तक 'कॉन्फ्लिक्ट रिजॉल्यूशनः द आरएसएस वे' उन संघर्षों पर विशिष्ट अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जिन्होंने भारत को पीड़ित किया है, जिसमें तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिन्होंने दशकों से भारत को लहूलुहान किया हैः जम्मू और कश्मीर, पंजाब और उत्तर पूर्व क्षेत्र। इसके अलावा, यह पुस्तक इस बात पर ध्यान केंद्रित करती है कि कैसे आरएसएस ने कश्मीर, पंजाब और उत्तर पूर्व में कार्य किया, सोचा,और अपने आप को बनाए रखा।

सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक और सामाजिक मुद्दों सहित देश में कई चिंताओं के संबंध में, आरएसएस की आधिकारिक राय क्या थी और आरएसएस ने इन क्षेत्रों में अब तक क्या किया, इस पर व्यापक अध्ययन कम ही किया गया था। रतन शारदा और यशवंत पाठक का 'कॉफ्लिक्ट रिजॉल्यूशनः द आरएसएस वे' इसी दृष्टिकोण का एक प्रयास प्रतीत होता है।

यह पुस्तक तीन खंडों में विभाजित है। पहले खंड में जम्मू और कश्मीर का विस्तृत विवरण है। जम्मू और कश्मीर में आरएसएस की भूमिका को कई विशिष्ट संदर्भों के साथ उजागर किया गया है। इस खंड में, पाठक कश्मीर के कट्टरपंथीकरण और हिंदू पलायन के बारे में विस्तार से जानेंगे। इस पुस्तक में खालिस्तानियों और कश्मीरी अलगाववादियों के बीच गठजोड़ के रहस्योदघाटन से पाठक अचंभित रह जाएंगे. कश्मीर में वहाबीकरण की भूमिका से पाठक स्तब्ध रह जाएंगे और 1986 से 1992 तक हिंदुओं पर हुए सभी मुस्लिम हमलों का विस्तृत विवरण भी पुस्तक में दिया गया है। इस विस्तृत विवरण को पढ़ने के बाद, पाठकों को एहसास होगा कि इंसानियत, जम्हूरियत, कश्मीरियत और गंगा जमुनी तहजीब जैसे नारे एक षणयंत्र या छलावा से ज्यादा कुछ नहीं हैं। इस पुस्तक के लेखकों के अनुसार, आरएसएस ने पाकिस्तान के साथ बातचीत के खिलाफ आक्रामक रवैया बनाए रखा है, यह दावा करते हुए कि कोई भी वार्ता तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक कि पाकिस्तान भारत पर हमला करना बंद नहीं कर देता और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से पीछे नहीं हट जाता।

पुस्तक के दूसरे भाग में पंजाब में आरएसएस की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। भारत के विभाजन के दौरान पंजाब में हुए नरसंहार का दस्तावेजीकरण किया गया है, साथ ही यह भी बताया गया है कि कैसे आरएसएस और अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की परवाह किये बिना लाखों लोगों को बचाया। उस समय के आरएसएस के प्रस्तावों के विस्तृत विवरण के अलावा, मुख्यधारा के मीडिया, नेताओं और राजनीतिक दलों ने उस समय क्या कहा, इसका भी पूरा विवरण है। किताब के एक हिस्से में उस समस्या का भी विवरण दिया गया है जो खालिस्तानियों को आरएसएस के साथ है।

पुस्तक के तीसरे खंड में पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवाद को शामिल किया गया है। पाठक इस खंड में इन विद्रोहों में चर्च की भागीदारी के बारे में जानेंगे। उत्तर पूर्व में चर्च की प्रबल पहुंच और अधिकार में विदेशी धन की भूमिका का विस्तृत विश्लेषण भी पाठक को चकित कर देगा। पूर्वोत्तर से संबंधित प्रत्येक प्रश्न और उसे हल करने में आरएसएस की भूमिका पर इस खंड में विस्तार से चर्चा की गई है। पाठक अवैध अप्रवासियों और उत्पीड़ित शरणार्थियों के बीच अंतर करने के आरएसएस के प्रयासों के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे। संक्षेप में, डॉ रतन शारदा और डॉ यशवंत पाठक की 'संघर्ष समाधानः आरएसएस का रास्ता'कश्मीर के संदर्भ में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सत्य को उजागर करने का एक साहसी और व्यापक प्रयास है। आरएसएस के बारे में जिज्ञ-ासु समीक्षक इस पुस्तक में अपने प्रश्नों के उत्तर पाएंगे एवं आरएसएस के स्वयंसेवक अपने स्वयं के संगठन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी अर्जित करेंगे जो व्यापक रूप से प्रचारित नहीं है। ऐसी साहित्यिक कृति देखकर प्रेरणा मिलती है।

डॉ. सन्तोष कुमार मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर,अंग्रेजी
पी जी कॉलेज, भुड़कुड़ा,गाजीपुर

हाना

बरसा पानी बहे न पावे
तब खेती के मजा देखावे

यानेः इस हाना से पता चलता है कि कितने ज्ञानी है हमारे छत्तीसगढ़ के किसान, आजकल औयाटर हारभेस्टिगं कि बात चारों ओर हो रही है - और ये हाना न जाने कितने पहले से प्रचलित है।

हमर खानपान के महत्ता

छत्तीसगढ़ म खानपान के विशिष्ट परंपरा हावे, आदिवासी समाज म प्रचलित वनोपज से लेकर जनपदीय संस्कृति तक कलेवा रूप म बदलाव हे, पारंपरिक व्यंजन हर सिर्फ उत्सव तिहार म स्वाद बदले के जरिया मात्र नई आवे, एहर हमर छत्तीसगढ़ के विरासत अऊ हमर संस्कृति से भी हमला परिचित कराथे। हमर राज्य के मूल व्यवसाय कृषि ए, हमर राज्य, 'धान के कटोरा' के नाम से जाने जाथे। धान के अलावा राहर, तिवरा, तिल-गुड़ आदि के भी बोवाई होथे। धान के सबले ज्यादा उत्पादन होए के कारण भात-बासी इंहा के लोकप्रिय भोजन हावे। बासी म अइसे पोषक तत्व पाए जाथे जेनहर दिन भर काम करे के ऊर्जा प्रदान करथे। छत्तीसगढ़ म स्वाद के नाम अब्बड़ व्यंजन हे। शादी बियाह ,छट्ठी, तिहार म एक से एक व्यंजन के चलन हे। नमकीन, मीठा, तले भुने, भाप आदि ऐ सब हर रोजमर्रा खाद्य पदार्थ, आटा चावल, चना, दाल, तिल, गुड़ ले बनाये जाथे। पौष्टिकता के मामले म एकर कोई जवाब नही हैं। हमर छत्तीसगढ़ के पकवान धुंस्का-अंगाकर, चीला-चौसेला, फरा-अईरसा, देहरौरी ,खुरमी पपची..।

खानपान के गुण

सादा चीला, नूनहा चीला, गुड़हा चिला बनाय बर चाउर ल रात में भी भिगोय जाथे। चौसेला ल विशेष रूप ले हरेली, पोरा, छेरछेरा तिहार में बनाए जाथे। फरा ल देवारी तिहार म बनाए जाथे। अईरसा एक लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी व्यंजन आय। येला बर-बिहाव म जादा करके बनाय जात रिहिस हे। देहरोरी ह नायाब छत्तीसगढ़ पकवान हरे। गुड के देहरोरी अधिक स्वादिष्ट होथे। ठेठरी ल होली तिहार म जादा करके बनाए जाथे। खुरमी ह गहूं अउ चउर के आटे के व्यंजन आय। पपची लशादी ,ब्याह,गवन, पठोनी में बनाय जाथे। खीर ल छत्तीसगढ़ी में तसमई कहिथें। बेरा बेरा म येला बनाय जाथे। बबरा ल मातृ नवमी के दिन अवश्य करके बनाय जाथे।
छत्तीसगढ़ के ये व्यंजन ल रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ जइसे गेंहू, चावल, गुड़, तिल, दूध-दही, नारियल ले बनाय जाथे जेमा खनिज लवण अउ पोषक तत्व के मात्रा भरपूर होथे। चावल में कार्बोहाइड्रेट, गेंहू में खनिज लवण जिंक, आयोडीन, मैंगनीज, सल्फर, आयरन, मोलिबिडंम तत्व होथे। येकरे संग येहा हृदय रोग, अंडकोष, गठिया, चर्म रोग, डायबिटीज, पथरी म उपयोगी होथे। बेसन शरीर के थकान संग वजन घटाथे। येहा आयरन की कमी जइसे समस्या के इलाज करथे येमा कैंसर रोधी गुण शामिल होथे।

पुस्तक समीक्षा

कृति-कुण्डलिया किल्लोल
कृतिकार-चोवाराम वर्मा ₹बादल'
समीक्षक- अजय ₹अमृतांशु₹
मूल्य-सौ रूपए

साहित्य साधना मजाक का विषय नहीं है, चिंतनशील व्यक्ति ही साहित्य की साधना कर सकता है। भाषा शिल्प और शैली की अभिव्यंजना काव्य को जन्म देती है। छंदबद्ध पंक्तियों को सुनकर कोई भी व्यक्ति प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। यदि काव्य में संवेदना ना हो तो लेखन व्यर्थ ही है। पारखी रचनाकार जीवन में आने वाली हर बाधाओं को आत्मसात कर समाज के लिए नये रास्ते गढ़ता है। छत्तीसगढ़ के परिदृश्य में वर्तमान दौर में कुण्डलियां लिखने वाले छंदकारों में बादल जी पहली पंक्ति के रचनाकार हैं। विधान सम्मत कुण्डलिया रचकर इस छन्द को पुनर्स्थापित करने का पूरा प्रयास बादल जी ने अपने संग्रह में किया है-

निष्ठा बिकती हाट में, अब मिट्टी के मोल।
सत्य धर्म ईमान सब, हरदम डांवा डोल।।
हरदम डांवाडोल, लोभ पैसे का दिखता।
कोई नेक विचार, नहीं अंतस में लिखता।

देश की वर्तमान हालत किसी से छुपी नहीं है। कानून व्यवस्था चरमरा गई है, ऐसे में एक समर्थ रचनाकार का दायित्व बनता है कि बिना किसी भय के सृजन करे और बादल जी ने ऐसा ही किया है -

अंदर पोला ढोल है, कोरा है मजमून ।
कातिल बाहर घूमते, अंधा है कानून ।।
अंधा है कानून, जेब में रख दो पैसा।
मिलते बहुत गवाह, कोर्ट में चाहो जैसा।

विविध विषयों से परिपूर्ण यह संग्रह निश्चय ही पाठकों को पसंद आएगा। नव सृजनकार इसे जरूर पढ़ें, उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

परसा पेड़ के बात ल मान के ढेला अउ पाना मितान बदगिन अउ दूनो मितान परसा पेड़ के छंईहा म रोज हांसत खेलत कूदत रहे लागीन। फेर दिन बदलत बेरा नई लागय। दिन बीतत जेठ बैसाख के महीना आगे। हवा गरेर चले के अउ बादर बरसे के दिन आगे। अइसन बेरा म एक दिन पाना हां मुंहू ला लटकाए बैठे रहिस। ओला देख के ढेला ह पूछीस-कैसे संगवारी आज तोर मन ह उदास उदास दिखत हे। का बात के संसो तोला भीतरे भीतर खावत हे।

मितानी धरम

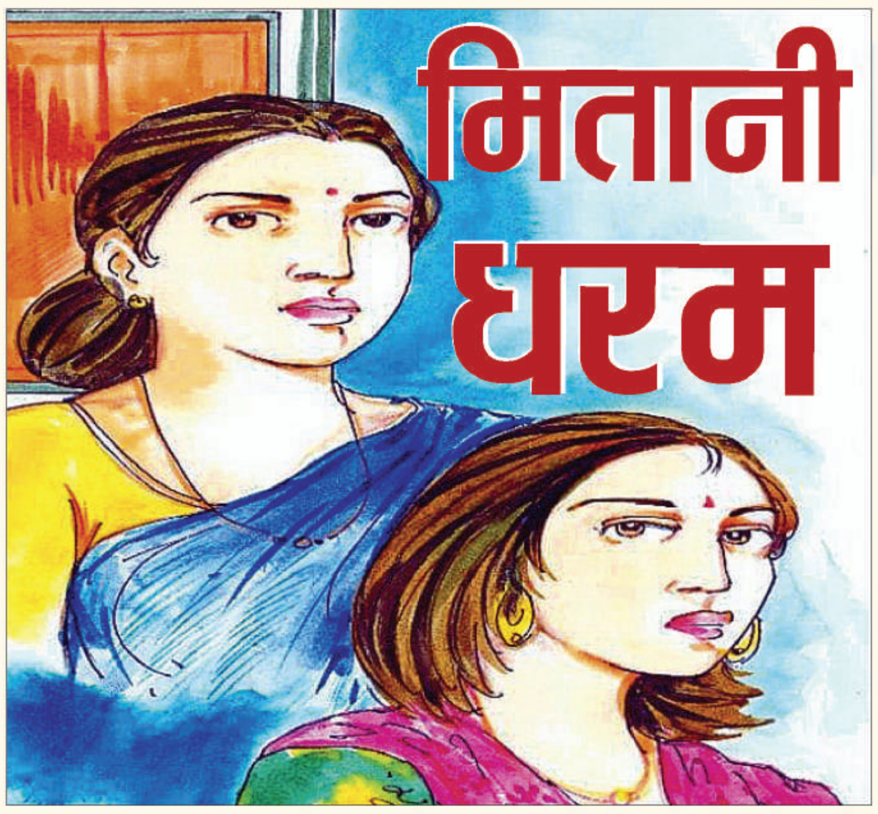

बहुत पहिली के बात आए। एक ठिन गांव के खार म बड़े जनिक परसा पेंड़ हर जामे रहीस। होरी तिहार के बेरा मां ओमा चटक लाल लाल रंग के बिकट फूल फुलय। तेला गांव के लइका मन हा ढेला म फेंक फेंक के मारय अउ होरी तिहार के रंग बनाए बर फूल ल टोरके लेग जाएं। काबर की वो जमाना मां आजकल कस बाजार में बनावटी रंग गुलाल नई बेंचावत रहीस। अइसनेहे एक घंव होली तिहार के बेरा म परसा के पेड़ म लाल लाल फूल फूले रहिस। परसा के पेड़ म फूले फूल ल टोरे बर लइका मन ह माटी के ढेला म फेंक फेंक के ओला मारत रहिन। तभे एक ठिन परसा के बड़े जनिक पाना ह ढेला के मार म टूट के भुइयां म गिरगे। हांथ भर के हरियर परसा पाना ढेला के मार खाके पीरा मा फड़फड़ावत रहिस। तेला देख देख के ओखर तीर म परे एक दिन ढेला ह बोलिस-पाना भाई मोर मार खाके तें ह अपन महतारी माने परसा के रुख ले टूट के अलग होगे हस। तोर कलपना अउ पीरा ल देख देख के मोरो हिरदे ह कलपत हे। फेर एमा मोर का दोस, लईका मन ह मोला तोर कोति कसके फेकिन हे अउ तोला टूट के गिरना परगे मोला क्षिमा करबे पाना भाई। ढेला के अइसन मया दुलार पाके पाना ह पीरा ल भुलागे अउ बोलिस-तोर बात सोला आना सही हे ढेला भाई। ढेला ह पाना के गोठ सुनके ठठाके हांसिस अउ बोलिस-तोर सुंदर बोली ल सुन सुन के मोर मन तोर संग मितान बदे बर होवत हे। तें मोला अपन मितान बना लेबे का पाना भाई। ढेला के गोठ ल सुन के गुन के जवाब देवत पाना ह बोलिस ते अऊ में अलग अलग जात, मिजाज के आन।भला तोर मोर मितानी कइसे होही। ढेला ह बोलिस-पाना भाई, मितान बदे म जात-पात, ऊंच-नीच नई देखे जाए। तभे ढेला अउ पाना के गोठ बात सुनत परसा पेड़ हर बोलिस-पाना बेटा ,ढेला ह बने कहत हे। मितान बदइ म जात-धरम ह अड़ंगा नहीं बनय। बल्कि अलग अलग मिजाज धरम करम करोईया एक हो जाथे त एक दुसर के दुख -पीरा ल हर ले थे। तुमन ह मितान बदलेव।

परसा पेड़ के बात ल मान के ढेला अउ पाना मितान बदगिन अउ दूनो मितान परसा पेड़ के छंईहा म रोज हांसत खेलत कूदत रहे लागीन। फेर दिन बदलत बेरा नई लागय। दिन बीतत जेठ बैसाख के महीना आगे। हवा गरेर चले के अउ बादर बरसे के दिन आगे। अइसन बेरा म एक दिन पाना हां मुंहू ला लटकाए बैठे रहिस। ओला देख के ढेला ह पूछीस-कैसे संगवारी आज तोर मन ह उदास उदास दिखत हे। का बात के संसो तोला भीतरे भीतर खावत हे। ढेला के सवाल के जवाब देहे बर पाना ह ओखर तीर म आइस अउ ढेला के खांद म अपन हांथ ल डारत बोलीस- संगवारी ...जेठ बैसाख के महीना आवत हे। अब हवा, गरेर चलही,अउ पानी बरसही। हमला अलग अलग होना पर जाही तैइसे लागत हे। इही बात के डर मोर मन म समा गेहे। जेहर मोला लकरी के घुन कस खावत हे। पाना के गोठ ल सुन के ढेला अपन आंखी ल रमजत बोलिस- पाना मितान मोला तोर बात थोरको समझ म नइ आवत हे। बने फोर के बात ल बता न। तब पाना ह अपन मन के डर ल उजागर करत बोलिस -पाना मितान अब जेठ बैसाख के महीना म हवा गरेर चलही तेमा मे ह उड़िया जाऊं, अउ बादर बरसही,पानी गिरही त ते ह माटी के ढेला अस पानी के मार म घूर जाबे तब हमला बिलगना परही। ढेला ह पाना के गोठ ल सुनके लम्बा सांस छोड़त कहिस-चिंता फिकर ल छोंड मितान। काबर कि हमर सियान मन के कहना हे चिंता ह चीता कस होथे। जीते जी परान ल ले लेथे। पाना भाई कोन ल कय दिन जीना हे तेला कोनो नई जानय। इही पाय के तो कहिथें दू दिन के जिनगी हे दू दिन के मेला छिन भर म झर जाही सब्बो झमेला। कालि के फिकर म आज के दिन ल काबर गंवाबो जी। ढेला के बात ल सुन के परसा पेड़ हर बोलिस-बने कहिथस ढेला बेटा। तूमन ह बीपत के बेरा म एक-दूसर के संग देहू त तूंहर अवरदा खच्चित बाढ़ जाही। तब पाना ह अपन दाई परसा के बात ल सुन के पूछीस - बीपत म हम कैसे एक दूसर ल सांथ देबो दाइ। तब परसा ह ओमन ल समझावत बोलिस-देखव जब जब हवा गरेर चलही तब तब ढेला ह तोर ऊपर बइठ जाही तहां तोला गरेर ह उड़ा न सकही। अइसनेहे जब जब बादर बरसही, पानी गिरही त तें ह ढेला उपर बइढ जाबे त ओहर पानी के मार खा ले घूरे बर बांच जाही। परसा के बात ल सुनके ढेला पाना के संसो हर कपूर कस हवा म उड़ागे। दूनो झन बीपत के बेरा म साथ देहे बर किरिया खाइन अउ कीरिया खाके फेर हांसत खेलत दिन बिताय लागीन अउ बैसाख के महीना म जब जब गरेर चलय तब तब ढेला ह पाना के उपर बैठ जाय,त पाना ह गरेर म उड़ाए ले बांच जाए अउ जब जब पानी गिरय तब तब ढेला उपर पाना हर छाता कस तन के बइठ जाए। त ढेला ह पानी के मार ले घूरे ले बांच जाए। एक दिन संझा के बेरा म हवा गरेर चलना अउ पानी बरसना एके संगरह होगे। अइसन बीपत के बेरा म पाना ह गरेर म उड़ियागेअउ ढेला ह बरसत पानी म घूरगे। दूनो मितान के आंखी ले धार धार आंसू बोहावन लागीस। ओमन के आंखी ले ढरकत आंसू ल देख के परसा हर त कोरो डारिस। फेर अपन मन लबांध ओमन ल बोलिस- ढेला पाना, तुमन रोवव झन। हांसत हांसत एक दूसरे ले बिदा लेवव। काबर कि जियत मरत ले तूमन मितानी के धरम ल ईमानदारी से निभाए हव अउ आखरी म लोगन मन ल संदेसा तको देहे हव कि जब तक सांस हे तब तक आस हे। एक हाथ मितानी के बढ़ा के तो देखव,कखरो गोड़ म गढ़े कांटा ल निकाल के तो देखव, मिलही अब्बड़ खुसी कोनो गरीब मितान ल रोटी खवा के तो देखव।

राम जनम सुख मूल

निरबल के बल राम- राम के करुना शोषित अउ समाज के पिछड़ा कमजोर लोगन मन बर परवाहित होय हे। ओहा केंवट शबरी जटायु कोल-भील अउ बानर भालू मन ल भी गला लगाइस। ओहा ऋषि मुनि के आश्रम मं गयिस त शबरी के कुटिया मं घलो पहुंचिस अउ किहिस के मैं तो बस परेम चाहत हंव। सब के आदर्श राम- राम चरित मानस सिरफ उपदेश भर नइ देवय, पग पग मं जीवन जिये के कला अउ मरजाद बताथे।

छत्तीसगढ़ राम के माता कौशल्या के मयिके आय। राम ह छत्तीसगढ़ के दुलरुवा भांचा ये। भांचा के रिश्ता बड़ मयारुक अउ आत्मीय होथे। तेखर सेती ओखर जनम दिन बड़ उमंग उल्लास से मनाय जाथे। चैत महीना के अंजोरी पाख के नवमी के दिन ओखर जनम होय रहिसे। राम नवमी भगवान राम के जनम दिन आय। ये संसार ल अत्याचारी राक्षस मन ले मुक्त करे, पापी मन ल नाश करे खातिर त्रेताजुग मं अयोध्या के राजा दशरथ-रानी कौशल्या के पुत्र रूप मं आजे के दिन आय रहिसे। ओखर पूरा जीवन समाज सेवा मं बीतिस। ओहा जीवन भर मर्यादा के पालन करिस। लाखों करोड़ों हिंदू मन आज के दिन बरत उपवास, पूजा पाठ, भजन कीर्तन करके ओला याद करथें। गोस्वामी तुलसीदास ह अवधी- हिदी मं रामचरित मानस महाकाव्य के रचना कर राम के संदेश ल जन जन तक पहुंचाय हे। येमा हमर गौरवशाली अतीत, धरम समाज अउ संस्कृति के सुंदर चित्रण हे। येमा मानव जीवन, परिवार, राजधरम अउ परजा के कर्तव्य के मर्यादा के बरनन हे। बाल्मीकि ह राम के समकालीन रहिसे। ओहा संस्कृत मं इतिहास पुरुष राम के कथा रामायण लिख के राम के जीवन दर्शन कराय हे। दुख देवइया मन के नाश- ताड़िका बध, बाली, कुंभकरन, मेघनाथ समेत अत्याचारी रावन कुल के नाश करके सुग्रीव, विभीषन ल राज देके सुशासन के बेवस्था बनायिस अउ अपन जब राजा बनिस त सुख शांति के रामराज लायिस जिहां दुख अशांति के नाम नइ रिहिस।

जीवन जिये के कला अउ मारजादा बताथेः निरबल के बल राम- राम के करुना शोषित अउ समाज के पिछड़ा कमजोर लोगन मन बर परवाहित होय हे। ओहा केंवट शबरी जटायु कोल-भील अउ बानर भालू मन ल भी गला लगाइस। ओहा ऋषि मुनि के आश्रम मं गयिस त शबरी के कुटिया मं घलो पहुंचिस अउ किहिस के मैं तो बस परेम चाहत हंव। सब के आदर्श राम- राम चरित मानस सिरफ उपदेश भर नइ देवय, पग पग मं जीवन जिये के कला अउ मारजादा बताथे। राम तो आदर्श हें पुत्र, भाई, पति, शासक, मित्र हर रूप मं आदर्श हें। आज हिंदूच मन के नहीं, सबो मानव समाज के आदर्श हें। येखर ले आज के राजनीति, समाज अउ संयुक्त परिवार बहुत कुछ सीख सकथें। सबो परिस्थिति अनुकूल-राम जनम के समय सबो परिस्थिति अनुकूल होगे रहिसे। तुलसीदास लिखथें-जोग लग्न ग्रह बार तिथि, सकल भये अनुकूल, चर और अचर हर्ष जुत, राम जनम सुख मूल। राम पूज्य हें, प्रनम्य हें, अनुकरनीय हें। आज के दौर मं तो ओखर अउ जादा जरूरत हे। राम जनम के उत्सव मं हम अपन भीतर के राम ल जगावन अउ ओखर ले एकाकार हो जावन, ओखर गुन ल धारन करन। सुख के अनुभूति करन सुख पावन अउ सुख देवन। श्रेष्ठ अउ सुखमय जीवन जिये के उद्देश्य ल प्रापत करन। हमर छत्तीसगढ़ मं ओखर मया पियार बरसत रहय सबके जिनगी सुखे सुख मं बीतय।

कविता

धनेश्वरी सोनी 'गुल'

किसान

करय किसानी जी भर, पावय मान।
धान उगावय कतको, हावय ज्ञान।
बिनहा उठके नांगर, धरके जाय।
बइला फांदय सरपट, अउ दौड़ाय।
मुही बांध जल रोकय, धान उगाय।
खातू माटी डारय, फसल पाय।
धरे अंगाकर रोटी, खाय अथान।
बासी चटनी बढ़िया, मिलके खान।
रापा गैती धरके, चलै किसान।
नागर बइला हंसिया, सब पहिचान।
पागा खुमरी खापय, घाम बचाय।
करय किसानी बढ़िया, रंग जमाय।
अन्न दान बड़ करथे, सब उपजाय।
कोठी भर भर राखय, बड़ धन पाय।
जांगर टोर कमावय, सोन उगाय।
मिहनत के बल मा वो,नाम कमाय।
चिखला माटी रेंगय, सदा सनाय।
माथ लगावय धूर्रा, मया बताय।

देशी गदहा

गदहा मन परबुधिया होथे कि परबुधिया मन गदहा। सोध के बिषय हे। फेर बात सत्य हे कि दूनो मन एके हथे। कोनो मन चतुराई करत हन कहिके बड़े चतुरानंद मन के आगे पीछू होत रथे। फेर जेमन खाटी हे मुखौटा पहिरन नइ देवय। आदमी के स्वभाव मा अब पशुता के सबो गुन समावत हे। बड़ शान अउ साहस ले कोनो ला भी कहि देथन कि वो तो निच्चट गदहा हे कहिके। फेर आप मनके जानकारी बर बता देथों कि गदहा समाज मा जब कोनो गदहा के आदत आचरण चाल चलन नीयत मा प्रदुसन आ जाथे। तब गारी के संबोधन देवत कथे ये नलायक हर बिलकुल आदमी हो गेहे। तभे समझ मा आ जाथे कि गदहा के नजर मा आदमी बर कतका सम्मान हे तेहा।

एक जमाना मा कोनो ला गदहा उपर बइठार के गली मा घुमावय तब वोला राष्ट्रीय स्तर के अपमान माने जाय। अब चतुर सियार मन गदहा मा चढ़के सम्मान के जगा मा पहुंचगे। भइया जी मय बात चौपाया गदहा के निही दुपाया गदहा के बात करत हव। जे मन सावन भादो के हरियर चारा मा तको अघा नइ पावत हे। न पेट भर खावत हे। बस मिहनत अउ इमानदारी ला लादे बिकास के रद्दा मा बिन पनही के रेंगत हे। ये गदहा मन मूक बधिर बनके बेवस्था के मार अउ भार दुनो ला सहत हे। अउ आगू सहत रहीं। बेइमानी चोरी छल कपट दंड भेद के दांव खेलिन ओमन चतुर सियार असन दरबार के हकदार होगे। काग भुसुंडी अउ सियार जइसे चलाकी करिन अउ सिखिन ओमन प्रजातंत्र के जंगल मा राजगद्दी पागे। सही मायने मा देश भगत अउ राष्ट्रवादी सोच वाले देशी गदहा हे ओमन भीड़ बढ़ाय अउ वोट डारे भर के काम आवत हे। इही राष्ट्र वादी गदहा मन आज ले उंकरे मन बर खुरसी खटिया जठावत हे। अति तो तब होथे जब राजधानी के कुकुर कोलिहा मन आथे तब इही देशी गदहा मन चिलचिलात घाम मा सुवागत बर माला धरके खड़े रथे।

गदहा मन परबुधिया होथे कि परबुधिया मन गदहा। सोध के बिषय हे। फेर बात सत्य हे कि दूनो मन एके हथे। कोनो मन चतुराई करत हन कहिके बड़े चतुरानंद मन के आगे पीछू होत रथे। फेर जेमन खाटी हे मुखौटा पहिरन नइ देवय। आदमी के स्वभाव मा अब पशुता के सबो गुन समावत हे। बड़ शान अउ साहस ले कोनो ला भी कहि देथन कि वो तो निच्चट गदहा हे कहिके। फेर आप मनके जानकारी बर बता देथों कि गदहा समाज मा जब कोनो गदहा के आदत आचरण चाल चलन नीयत मा प्रदुसन आ जाथे। तब गारी के संबोधन देवत कथे ये नलायक हर बिलकुल आदमी हो गेहे। तभे समझ मा आ जाथे कि गदहा के नजर मा आदमी बर कतका सम्मान हे तेहा। पशु मन ला बिन मुंहूं के जानवर कथे। ये मन ला नांगर फांद चाहे बोजहा लाद अपन करतब ले पीछू नइ हटे। ये मन काम के बेरा काम के बाकी बेरा बेकाम अउ बेकार रथे। वो देशी गदहा ला अतको मालूम नइये कि रैली जूलुस दंगा के दलदल मा ढकेल के अपन फायदा बर ही उपयोग करथे। इंकर मनके फसाद मा चपका के मरगेस त काठी कफन के लाईक मुआवजा नइ मिले। उप्पर ले चतुरानंद मन मरे परे लाश मा राजनीतिक लाभ के चक्रब्यूह रचही। जब स्वभिमान गिरवी धरागे सतबुद्धि सिरागे चलाक कऊवा अउ चतुर सियार मन पूरा तंत्र ला अपन हाथ मा तो लेबेच करही।

मनखे ला गदहा कहना जादा अपमान जनक तो नइये काबर कि वोला राष्ट्रवादी कहिके सम्मान तो देवत हवं। आखिर राष्ट्र निर्माण बर इंकरे पीठ हर तो काम आवत हे। जेमन इंकरे पीठ मा चढके परधान बनगे जनता ले जनार्दन आम ले खास होगे। आज हमर देशी गदहा मन अखंड भारत बर गीत लिखके उही मन ला सुनात हे जे मन कान मा ठेठी गोंजे हे। समय संग देशभक्ति अउ राष्ट्रवादी के परिभाषा बदल गेहे। चाल चलन नियत मा चूना रंग चघा बइमानी झूठ धोखा के कंठी पहिर सिरिफ अउ सिरिफ दौलत बटोरे के जुगत मड़ा बेवस्था के डोंगा बोर विकास मे अड़ंगा डार बिपत्ती देश के रहय चाहे दुनिया के दिखावा के चार आंसू बोहा तब कहि जा के तोर उपर तिरंगा के कफन चढ़ पाही। गदहा मन कब खीर खाइन होही भगवाने जाने। देश के अजादी के पहिली खाइन होही तेला नइ बता सकव। सत्तर अस्सी साल ले तो दूबी चाटत देखत हन। आज हमर देश विकसित अउ विकास शील देश के बाजू मा खड़े हे। तब देशी गदहा मन के धरम अउ फरज होथे कि मही बासी खावत हन कहिके झन बतावय। तंगहाली मा जीयत हन भूख गरीबी पसरे हे कहिके रेंके ले देश के मान सम्मान उपर आंच आथे। कोनो कोनो बिरोधी किसम के गदहा मन माईक धर के रेंक रेंक के जग जाहिर करत रथे। अजादी के लड़ाई मा गांधी बबा संग रेंगइया एक झन संग्रामी के मुंहू मा माईक टेका के एक झन अखबार वाले पूछ पारिस-कस बबा अब हमर आजाद भारत हर कइसे लागत हे? ओ अतके किहिस-बबा अउ ओकर पहरो म वन्दे मातरम कहिके फांसी चढ़िन उप्पर ले देख के इही सोचत होही कि भारत ला अजाद करके जिंकर बर छोड़ेन वो मन सब गदहा निकलगे। एक तो गदहा पना ले गुलामी झेलेन अउ अब हुंआ हुंआ करइया मन हाव हाव करत हे तिंकर मन के गुलामी करत हन। दूसर के सोच ला अपन सोच बनाके गदहा होय के परमाण देवत हन। सार बात ये हे कि हाथ पॉव हर अजाद हे मन हर आज ले गुलाम ही हे। लोकतंत्र के फरिहर पानी ला जात धरम सम्प्रदाय अउ खसवाहा राजनीति के गोड़ मा मतलावत हे तेला देश भगत देशी गदहा मन सोसन भर पीयत हे। आज के दसा दुर्दसा ला देख के घलो पूछत हस तब तोर ले बड़े गदहा कोन हो सकथे। अउ अपन गदहा पन के साटीपिकट माईक धर के घुमत हस। आने वाला पांच साल ले एको झन मत मरे एकर सेती जियाके पोस के राखथे। सोजहा गोठ मा हम पोसवा अउ पेट पोसवा गदहा आवन। न मर सकत हन न मोंटा सकत हन। अउ कहूं अपन दुखड़ा रोय त ओहू मा विरोध के साजिस दिखथे। अइसन हाल मा मुद्दा जस के तस। सदा सुखी उपाय इही हे कि एको झन मोटहा ठोसहा के झंडा ला धर उंकर बिचार धारा ला पीठ मा लाद अउ नरी खोल के जयकारा लगा। तोर पीठ देश के निमार्ता मन बर काम आगे माने तैं राष्ट्रीय अउ देशी हरस। फेर आवस तो गदहा तभे देशी गदहा हावस।

गर्भनिरोधकों के प्रति लापरवाह पुरुष

खरी खरी

युनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा ने पुरुषों के लिए गर्भनिरोधक गोलियां बनाई। जिन्हें नर चूहों पर प्रयोग किया और 99 फीसदी गर्भ रोकने में कारगर पाया। यह शरीर के प्रोटीन को अपना निशाना बनाता है, जो विटामिन ए का रूप लेता है। यही वीर्य बनने और उर्वरता में विशेष भूमिका निभाता है। अध्ययनकर्ताओं ने यह कंपाउंड नर चूहों को चार हफ्तों तक दिया। जिससे शुक्राणुओं की संख्या में जबरदस्त गिरावट देखी गयी। ज्यों ही चार से छह हफ्तों बाद गर्भनिरोधक देना बन्द कर दिया गया, वे चुहियों को गर्भवती करने लायक हो गये। 1970 से वैज्ञानिक लगातार पुरुषों के लिए गर्भनिरोधक गोली तैयार करने के अध्ययनों में जुटे हुए हैं। मेल इंफरटिलिटी और पुरुषों के सेहत कार्यक्रमों के जोन्स होपकिन्स में ब्रैडी यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के डॉयरेक्टर डॉक्टर अमीन हेराटी, इस अध्ययन पर कहते हैं, जब यह मानव पर होगा तो मुझे बहुत संदेह होगा। उनके अनुसार, आदमी और चूहे के जीन्स में बहुत अंतर है, उनके उत्पादकता सिस्टम में भी। गर्भनिरोधकों के विशेषज्ञ डॉक्टर क्रिस्टीनिया वैंग ने इस रिसर्च पर कहा, वास्तव में आप नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं, जब तक टॉक्सीकोलोजी स्टडीज (विषविज्ञान जांच) ना हो जाएं। वे मानव पर इसके परीक्षण के पक्ष में हैं। इन अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि जिन चूहों पर रिसर्च हुई, वे खाते हैं, पीते हैं। उनमें शुक्राणु नहीं हैं पर यौन रूप से सक्रिय हैं। वे इसी वर्ष इस गोली का क्लीनिकल ट्रायल करना चाहते हैं। पुरुषों के लिए आसान गर्भनिरोधकों लेकर विशेषज्ञ और वैज्ञानिक बेताब हैं। यही वे जिम्मेदाराना लोग कहे जा सकते हैं, जिन्हें औरतों की थोड़ी सी फिक्र है शायद। सिर्फ भारत में ही नहीं, दुनिया भर में अनचाहे गर्भ से बचने के लिए औरतों को ही सतर्क रहना पड़ता है। वे गोलियां गटकें या अपनी नसों में रुकावटें लगवाएं।

पुरुष आमतौर पर नसबन्दी कराते हैं। जिसमें दस हजार में 15 ही असफल रहती हैं। नसबन्दी के बावजूद सेक्सोलॉजिस्ट उन्हें नसीहत देते हैं, कंडोम प्रयोग करने की। ताकि वे यौन संक्रमणों से सुरक्षित रह सकें। पुरुषों के लिए अमूमन यही दो तरीके हैं, गर्भ ठहरने से बचाव के। नसबन्दी को लेकर अभी तक उनके भीतर हिचक है। उन्हें भ्रम है कि वे इस ऑप्रेशन के बाद यौन संबंध बनाने में अक्षम हो जाएंगे। यह भी कि उन्हें पौरुषपन का अहसास कम होता जाएगा। विज्ञान और विशेषज्ञों के लाख समझाने पर भी ये पुरुषवादी सोच टस से मस होने को राजी नहीं है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने पाया 1970 में 74.2 से पुरुषों में नसबन्दी 1992 में 4.2 फीसद में आ गया। 70 के दरम्यान देश में इमरजेन्सी लगाई गयी थी। जिसमें पुरुषों की जबरन नसबन्दी की जाती थी। बताते हैं कि तकरीबन 62 लाख पुरुषों की तब नसबन्दी की गयी थी। जिसमें अधेड़ों से लेकर कुंवारे और कम उम्र वाले युवा भी शामिल थे। हालांकि तब से अब तक पुरुषों की सोच में कोई फर्क नहीं आया है। नेशनल हेल्थ मिशन, भारत सरकार का फैमिली प्लानिंग का उपक्रम है। इसके अनुसार, 2017 और 2018 के दौरान देश में 93.1 फीसद औरतों ने नसबन्दी प्रक्रिया अपनाई। केवल 6.8 पुरुषों की बनिस्पद। जाहिर है, ऐसे में जरूरत है, पुरुषों के लिए आसान गर्भनिरोधक इजाद किये जाएं। मगर सामाजिक और पारिवारिक तौर पर सोच बदलने की जरूरत ज्यादा है।

मैं कई ऐसी औरतों का करीब से जानती हूं, जिन्होंने अनचाहे गर्भ से छुटकारा पाने के लिए कई-कई गर्भपात कराये। इनकी दिक्कत रही कि इनके पति किसी तरह का व्यवधान नहीं चाहते रहे। इस तरह की मांग वाले पतियों की सुविधा के लिए गोलियों ने औरतों को बहुत सहारा दिया। जबकि उनमें से कइयों को सिर चकराने, मितली और सुस्ती की शिकायतें बनी रहीं। कुछ विवाहिताएं पति से छिप कर, उसे बिना बताए, कॉपर-टी (आईयूडी) भी लगवाया करती हैं। जिसके कारण उन्हें रक्त स्राव अधिक होता है। कभी कभी माहवारी के दरम्यान ही रिसाव हो जाता है। दर्द बढ़ जाता है। हैरत की बात तो यह है कि वे मियाद पूरी होने के बाद अकसर इसे निकलवाने की जेहमत नहीं करती। जिसके कारण उन्हें जनाना समस्याएं आम हो जाती है। तथा संक्रमण होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। यही कारण है कि यह देश में बहुत प्रचलित नहीं है। केवल आर्थिक रूप से कमजोर दो फीसदी औरतें ही कॉपर टी लगवाती हैं। यह सस्ता व टिकाऊ होने के बावजूद औरतों को बहुत पसन्द नहीं आया। अभी भी कंडोम प्रचलित होने के बावजूद केवल 5.6 फीसद लोगों द्वारा प्रयोग किये जाते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे4 के अनुसार, 20 से 24 साल वाले युवकों में से 80 फीसद ने अपने अंतिम सेक्स पार्टनर के साथ कंडोम का प्रयोग नहीं किया। देश की आधी जनसंख्या 24 साल से कम उम्र वालों की है, उनकी समझ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। इस अध्ययन की मानें तो केवल 3 फीसदी औरतें और 13 फीसद आदमी हमेशा कंडोम प्रयोग करते हैं। यही कारण हैं कि एचआईवी संक्रमण के मामले में भारत तीसरे नंबर है, दुनिया में।

विशेषज्ञ बताते हैं, पुरुषों के ये ऑप्रेशन औरतों की अपेक्षा बेहद आसान हैं। फिर भी वे हमेशा अपनी बीवी पर गर्भ रोकने के दबाव बनाते हैं। भावनात्मक दबाव, पारिवारिक तनाव और देखा-देखी यह स्त्री पर ही डाला जाता है। जो औरतें गर्भ निरोधक गोलियां खाती हैं, उन्हें इनके साइड इफेक्ट भी झेलने पड़ते हैं। मेरे परिचितों और परिवार की लगभग सभी औरतों को दो बच्चे जनने के बाद नसबन्दी वाले ऑप्रेशन कराये। सब खुशी-खुशी इसके लिए राजी हो गयीं। कईयों के तो दूसरे प्रसव के तुरत बाद दो, चार दिनों में ही बच्चे पैदा करने से रोकने वाले ऑप्रेशन के लिए ओटी ले गये। इन औरतों से इसकी सहमति तक नहीं ली जाती। पति या परिवार ही, यह निर्णय ले लेते हैं। कहीं ना कहीं, पुरुषों को दूसरी शादी के लिए सुरक्षित रखने की मंशा भी काम करती रहती है। ताकि बीवी मर जाए या किसी कारण मर्द को दूसरी शादी करनी हो तो वह उर्वरक बना रहे। ■

बच्चों की आंखों में स्ट्रेन की समस्या

■ डॉ स्मिता कपूर

कनवरजेंस

कनवरजेंस (अभिसरण) कमी आंख में होने वाली बीमारी है। इसमें दोनों आंखें किसी नजदीक की वस्तु को देखते समय उन्हें पहचान नहीं पाती और ये आंखे काम नहीं कर पाती है। इसमें एक आंख बाहर की ओर निकल सकती है, जिससे धुंधला दिख सकता है और दो दो चीजें दिखने लग सकती है। इससे पढ़ना और ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है और बार-बार सिरदर्द भी होता है। यह स्थिति बचपन में शुरू होती है लेकिन इससे वयस्क भी प्रभावित हो सकते हैं। इन कारणों में कंस्यूशन, न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियां जैसे कि अल्जाइमर, पार्किंसंस या ग्रेव्स बीमारी आदि शामिल है।

स्क्रीन टाइम

अधिकांश स्क्रीन का उपयोग नजदीक से किया जाता है, इसलिए कनवरजेंस (अभिसरण) कमी की समस्या होती है। बच्चे विशेष रूप से वयस्कों की तुलना में कम सावधानी बरतते है, इसलिए वे आजकल वयस्कों की तुलना में कनवरजेंस (अभिसरण) अक्षमता का ज्यादा अनुभव करते हैं।

कनवरजेंस के लक्षण

कुछ लक्षण कनवरजेंस अक्षमता का संकेत दे सकते हैं जैसे सिरदर्द, तनाव, आंखों की थकान, पढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, दो-दो चीजें दिखना और आंखों को बार-बार मीचने या रगड़ने की जरूरत महसूस करना आदि। चीजों को पकड़ने में परेशानी महसूस करना, पैर में चलते हुए चोट लगना, वस्तु की दूरी का अंदाजा न लगा पाने के कारण फर्नीचर या अन्य चीजों से टकराना आदि कनवरजेंस अक्षमता के मुख्य संकेत होते हैं।

शिथिल आंखों की समस्या

कनवरजेंस कमी तब होती है, जब बायनोकुलर फंक्शन सही से काम नहीं करता है, जबकि दूर दृष्टि दोष रिफ्रैक्टिव (अपवर्तक) समस्या है, इसमें व्यक्ति ध्यान केंद्रित नहीं कर सकता आस-पास की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देख सकता है उसमें आईबाल (नेत्रगोलक) की लंबाई कम होती है या कार्निया सपाट होती है। कनवरजेंस (अभिसरण) अपर्याप्तता एंबीलिया या शिथिल आंख की समस्या से भी अलग होती है। शिथिल आंख की समस्या में एक आंख में खराब दिखता है और इसका अगर ज्यादा समय तक इलाज न किया जाए तो दिखना बंद हो सकता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बच्चों पर बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए ताकि उनके स्क्रीन टाइम और नान-स्क्रीन टाइम के बीच पर्याप्त संतुलन बनाया जा सके।

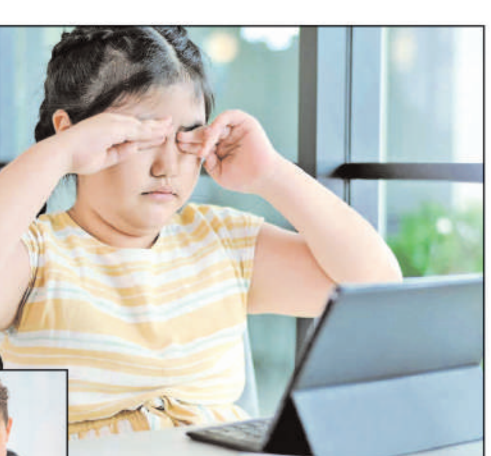

आंखों और स्क्रीन के बीच दूरी

सबसे महत्वपूर्ण बात बच्चों को प्रशिक्षित नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा निर्धारित कई ओकुलर एक्सरसाइज करनी चाहिए। ध्यान केंद्रित करने वाली एक्सरसाइज पेंसिल पुश-अप है जिसमें बच्चे को पेंसिल की नोक पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जाता है, जबकि पेंसिल को नोक के ब्रिज के करीब लाया जाता है और जब वस्तु दो दिखने लगती है तो रुका जाता है। साफ्टवेयर आधारित एक्सरसाइज होती है जिसे घर पर कंप्यूटर पर किया जा सकता है। एक्सरसाइज से मदद नहीं मिलती है, तो बच्चे को प्रिज्म का चश्मा दिया जाना चाहिए। नहीं तो उनमें आंखों की मांसपेशियों की सर्जरी की भी जरूरत हो सकती है। ■

(डाक्टर विजन आई सेंटर, नई दिल्ली के स्ट्रबिस्मुस और पीडियाट्रिक आप्थेल्मोलाजी कंसलटेंट है)

अपनी शर्तों पर जीना

यही है जिंदगी

इन दिनों अकसर फिल्मों में, विज्ञापनों में यहां तक कि साहित्य और तमाम विधाओं में युवाओं के मुंह से सुनाई पड़ता है कि वे अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। दरअसल तो अपने-अपने उत्पादों को बेचने और युवाओं की जेब से पैसा निकालने का यह एक जादुई तरीका भी है। पिछले दिनों लगातार इस बात पर सोचती रही हूं। मान लीजिए कि किसी लड़के या लड़की को लगता है कि उसे अपनी शर्तों पर बाहर जाकर खाना है, घूमना है, कपड़े, जूते, मोबाइल, कम्प्यूटर खरीदने है। अब जिस होटल में जाएंगे, उसकी बिल्डिंग वहां के मालिकों की इच्छा के अनुसार बनी होगी। वहां के कर्मचारी कम्पनी के अनुसार होंगे। खाना भी वहां किसी एक की नहीं, बहुसंख्यक रुचि का बना होगा। जिस अन्न, सब्जी, दूध, दही, पनीर आइसक्रीम आदि को हम वहां खाएंगे, उन्हें भी किसी और ने उगाया है। किसी और के पाले पशुओं और तमाम डेयरीज की मदद से दुग्ध उत्पादन की चीजें होटल तक पहुंची होंगी। यहां तक कि खाने के बिल का भुगतान भी होटल की रेट लिस्ट के अनुसार ही होगा। इसी तरह अगर हम घूमने जाते हैं तो रेल, बस, एयरलाइन के शेड्यूल के अनुसार चलते हैं। टिकट उनके तय किए दामों पर खरीदते हैं। यहां तक कि अगर ये वाहन अपने समय से न चल रहे हों, तब भी हमें प्रतीक्षा ही करनी पड़ती है। इनके अंदर की सुविधाएं किसी और ने तय की होती हैं। खाने का मेन्यू भी किसी और की रुचि से ही बनता है।

इसी तरह अगर हम कपड़े खरीदते हैं, चाहे किसी दुकान से या आनलाइन या मोबाइल, कम्प्यूटर जूते या तमाम उपभोक्ता वस्तुएं, वहां भी यही नियम लागू होते हैं। इन दिनों कार चलाना और व्हील पर बैठना शक्तिशाली स्त्री का प्रतीक माना जाता है, जो किसी हद तक है भी। मगर यहां भी बिना लाइसेंस के आप कार नहीं चला सकते। सड़क पर भी सड़क के नियमों के अनुसार चलना होता है। दाएं, बाएं ही नहीं पीछे आने वाले यात्रियों का ख्याल रखते हुए पीछे के शीशे में भी देखना पड़ता है। पेट्रोल भरवाना होता है, जिसके दाम कोई और ही तय करता है। कही भी जाएं, अस्पताल या माल में वहां के कायदे-कानून का पालन करना पड़ता है। डाक्टर भी दवाएं आपकी मर्जी से नहीं, रोग की पहचान के आधार पर लिखते हैं। ये दवाएं भी कहीं और बनती हैं। मान लीजिए आपके मोबाइल में पैसे खत्म हो गए हों, तो जब तक आप उसे पैसे देकर रिचार्ज नहीं करा लेंगे, वह नहीं चलेगा। इसी तरह कुछ देर के लिए अगर इंटरनेट डाउन हो जाए, तो कैसी त्राहि-त्राहि मचती है। काश, कि ये सब उपकरण हमारी मर्जी और हमारी शर्तों के अनुसार चल सकते। सोचिए कि जो आक्सीजन हमें चाहिए, जीवन के लिए जरूरी है, जिसे देने वाले पेड़-पौधे, हमारे अनुसार नहीं प्रकृति की नियमावली से चलते हैं। ऐसे में ये सोचना कि यह धरती मेरे ही अनुसार घूम रही हैं, जबकि धरती अपनी गति और प्रकृति के अनुसार ही चलती है। हमें भी हरदम इन नियमों का पालन करते हुए सामंजस्य बिठना पड़ता हैं। तभी जीवन चल सकता है।

यह मिथ ही मालूम पड़ता है कि इस दुनिया में कोई सौ फीसदी अपनी शर्तों पर, अपने अनुसार जी सकता है। यह भ्रम है, जिसे बहुत कुशलतापूर्वक बुना गया है। इसे युवक और युवतियां पल-पल दोहराते हैं। अगर उन्हें ये सारी बातें बताने लगें तो शायद उन्हें लगे कि ये सब ओल्ड स्कूल और पुरानी पीढ़ी की बातें हैं। इनका जमाना गुजर चुका है। अब नया जमाना है और हमें इसी जमाने के अनुसार ही चलना है। जबकि सच यह है कि हम हमेशा परस्पर निर्भर होते हैं। किसी पर अपनी शर्त और मर्जी नहीं लाद सकते। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(30 मार्च-5 अप्रैल)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- कुछ भी कहने से पहले सोचें, फिर कहें। एक साथ कई मुद्दों से जूझ रहे हैं लेकिन धैर्य रखेंगे तो चीजें धीरे धीरे आपके पक्ष में होती जाएंगी। पुराने मित्रों से मिलने और उनके साथ फिर से जुड़ने की सम्भावना है। जल्दबाजी में निर्णय ना लें, रुकें और देखें कि इस समय विकास के लिए क्या सही है और क्या गलत। विवादों से दूर रहें। परिवार के साथ समय बिताएं।

वृषभ (21अप्रैल -21मई)- खुद कि देखभाल करें, हो सकता है थका हुआ महसूस कर रहे हों, कुछ समय अपने लिए भी निकालें। निराश और तनावग्रस्त होने के बजाय जीवन को बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने कि कोशिश करें। खर्चों को सिमित करके पैसे को संभाल कर रखें। वैवाहिक जीवन में असंतोष का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर यह समय थोड़ा सचेत रहने का है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सबको साथ लेकर चलना जरूरी है।

मिथुन (22मई -21जून)- यह समय नए मौके और नए प्रस्ताव लेकर आएगा। जिस चीज के बारे में बहुत दिनों से सोच रहे थे, उसके लिए प्रयासों को सही दिशा देने में भी सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के प्रयास सफल रहेंगे। कुछ नया करना बेहतरीन रहेगा। खुद का काम करना चाहते हैं तो आगे बढ़ें। सफलता आपके कदम चूमेगी। कार्य को लेकर विदेश यात्रा के भी योग हैं।

कर्क (22जून -22जुलाई)- संतुलन बनाना आवश्यक रहेगा। किसी भी प्रकार से कोई ऐसा निर्णय ना लें, जिससे कि नौकरी पर प्रभाव पड़े। नौकरी छोड़ना परेशानी का कारण बन सकता है। चीजें पर प्रभाव बना रहे। कोई फैसला जल्दबाजी में ना लें। खर्च पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। मन को शांत रखें। ध्यान एवं योग अपनाएं। घर में छोटी छोटी परेशानियों को सावधानी से निपटाने का प्रयास करें।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यवसाय आगे बढ़ाएंगे, इस पर ध्यान रखना जरूरी है। यह भी ध्यान रखना है कि भविष्य में किसी प्रकार का षड्यंत्र न हो। आर्थिक निवेश के पूर्व उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर लें अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय व्यतीत करें।

कन्या (22अगस्त -23सितम्बर)- मेहनत भरपूर लगानी पड़ेगी, तब जाके नतीजे मन के अनुसार होंगे। नई दिशा निर्धारित करने के लिए गहन अध्ययन करना पड़ेगा। बिना सोचे समझे कोई भी निर्णय जल्दबाजी में ना लें। लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बजट कि योजना बनाना और अनुत्पादक व्यय से बचना वित्तीय रूप से स्थिर बना। परिजन के साथ गुणवत्ता का समय बिताएंगे और छोटी यात्राओं पर भी जाएंगे।

तुला (24सितम्बर -23अक्टूबर)- कार्यो को पूरा करने में चुनौतियों और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। सहयोगियों और वरिष्ठों से परेशानी हो सकती है। आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखना मुश्किल होगा। बजट बनाएं और ठीक से पालन करें। रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखने के लिए कुछ बेहतर समय निकालें एवं पार्टनर के साथ छोटी यात्राओं की योजना बनाएं।

वृश्चिक (24अक्टूबर -22नवम्बर)- कुछ संघर्ष चुनौतियों ला सकते हैं। साथियों के साथ टकराव का सामना करेंगे, जो मन कि शांति को भंग करेगा। आफिस की राजनीति के कारण भी चिंतित महसूस कर सकते हैं। सभी बाधाओं के बावजूद सकारात्मक रवैया रखने की सलाह है, इससे प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी।

धनु (23नवम्बर -22दिसम्बर)- पेशेवर जीवन धीमा रहेगा। कार्यस्थल पर प्रेरणा और सराहना कि कमी होगी। करियर में असंतोष मन को अशांत करेगा। मौजूदा कार्यो पर ध्यान दें। अभी बदलाव के लिए समय अनुकूल नहीं है। किसी भी निवेश करने से बचें। जीवनसाथी के छोटी छोटी बातों पर तकरार और झगड़े का सामना करेंगे। इस कठिन समय में भरोसा करना ही मजबूत बंधन बनाने की कुंजी है।

मकर (23दिसम्बर -20जनवरी)- करियर का मोर्चा मध्यम होगा। किसी भी चीज के नकारत्मक मापदंडों के साथ साथ सकारात्मक भी देखें। कार्यस्थल पर कर्मचारियों के बीच कुछ समूहवाद और संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। यदि कुछ नया शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो पेशेवरों से सलाह अवश्य लेनी चाहिए। वित्तीय परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दिनचर्या में व्यायाम और ध्यान को शामिल करना चाहिए।

कुम्भ (21जनवरी -19फरवरी)- जीवन सुचारु रूप से नहीं चलेगा। वर्तमान कार्य में थका हुआ और अटका हुआ महसूस करेंगे। करियर के विकास में रुकावट महसूस करें, उच्च अधिकारियों से बात करनी चाहिए। निर्णय लेने और कार्यक्षेत्र के वातावरण में बदलाव लाने के लिए सक्रिय रहने की आवश्यकता है, अन्यथा तनावग्रस्त रहेंगे।

मीन (20फरवरी -20मार्च)- व्यापार अथवा नौकरी के लिए समय अनुकूल रहेगा और लक्ष्य हासिल करने में कामयाब होंगे। साझेदारी में काम करने वाले लोगों के लिए आशा के अनुरूप रहेगा। कड़े परिश्रम से ही सफलता हाथ लगेगी। विवाह की बात चल सकती है। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक दृष्टि से समय अनुकूल है। साझेदार अथवा जीवनसाथी भी धन में वृद्धि करने में मददगार साबित होगा। ■

खजूर संदेश

■ अनिता घोष

सामग्री-

छेना 500 ग्राम, खजूर 200 ग्राम, दही आधा कप, चीनी दो कप, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, बादाम 10-15 कटे हुए।

विधि-

पहले खजूर को धो लें। फिर उनके बीज निकालकर मिक्सी में पेस्ट बना लें। एक पैन में घी डाल कर खजूर पेस्ट को धीमी आंच पर भूनें। जब पेस्ट सुखने लगे तब इसे एक प्लेट में निकाल कर रख लें। अब छेने को प्लेट में रख कर मूलायम गूंथ लें। इसके बाद छेने में दही, चीनी और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर गैस पर नान स्टिक पैन रखें। अब धीमें आंच पर छेने का मिश्रण और खजूर पेस्ट डालकर धीमी आंच पर ही लगातार चलाते रहें। जब मिश्रण पैन के किनारे छोड़ने लगे तो गैस बंद कर दें। अब छेने को ठंडा होने के लिए छोड़ दे। ठंडा हो जाने के बाद मिश्रण को एक बार फिर 4-5 मिनट तक गूथें। फिर मिश्रण का थोड़ा हिस्सा हाथ में रखकर गोल गोल बना लें फिर हल्के हाथ से बीचो-बीच चिपटा करके उसमें बादाम का टुकड़ा डालकर हल्का सा दबाएं। इसी तरह पूरे मिश्रण से गोल गोल बना कर संदेश बना लें। इन्हें कुछ देर के लिए फ्रिज में रखें और फिर ठंडा-ठंडा सर्व करें खजूर संदेश।

मिक्स फ्रूट शेक

सामग्री-

4 पके हुए केले, दो कप बादाम, एक कप फ्रेश क्रीम, 8-10 अंगूर, 4 कप दूध, गुलाबजल एक चम्मच, कटे हुए मेवे, चीनी स्वादानुसार, आइस क्यूब।

विधि-

सबसे पहले केले को छिलकर अंगूर चीनी और दूध मिलाकर मिक्सर में अच्छे से पीस लें। अब कांच के गिलास में आइस क्यूब डालें। फिर केले का मिश्रण डालें। ऊपर से एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। चम्मच की सहायता से मिश्रण को अच्छे से मिलाएं। फिर सभी गिलास में एक-एक चम्मच फ्रेश क्रीम डालें। मेवे के कतरन को सभी फ्रूट शेक के ऊपर सजाएं। तैयार हो गया मिक्स फ्रूट मलाई शेक। मेहमानों को ठंडा -ठंडा सर्व करें।

विश्व में सबसे ऊंचाई पर देश की पहली स्नो मैराथन

लड़कियों ने गाड़े झंडे

अटल टनल रोहतांग के नार्थ पोर्टल में 10,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर लाहुल-स्पीति जिले के सिस्सू में देश की पहली स्नो मैराथन करवाई गई। यह विश्व में सबसे ऊंचाई पर आयोजित स्नोल मैराथन थी। इस मैराथन के विजेता रहे कर्नाटक के शाश्वत जिन्होंने 42 किलोमीटर लंबी दौड़ को चार घंटे 41 मिनट में पूरा किया। पलचान (मनाली) की डोलमा ने पांच घंटे पांच मिनट में दौड़ पूरी महिला वर्ग में बाजी मारी है।

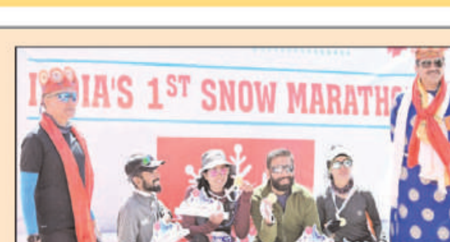

रीच इंडिया और लाहुल-स्पीति प्रशासन के सहयोग से स्नो मैराथन को पांच कैटेगिरी में करवाया गया। 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में पुरुष वर्ग में दिल्ली के रोहन ने दो घंटे 53 मिनट के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में यह खिताब मनाली की दीक्षा के नाम रहा। उन्होंने दो घंटे 59 मिनट में दौड़ पूरी की। दस किलोमीटर की दौड़ लाहुल के दौलत राम के नाम रही। उन्होंने एक घंटे चार मिनट में दौड़ पूरी की। महिला वर्ग में यह खिताब हेमलता के नाम रहा। एक घंटा बीस मिनट में दौड़ पूरी की। पांच किलोमीटर के पुरुष वर्ग में नवनीत, महिला वर्ग में सृष्टि ने बाजी मारी। स्थानीय लोगों इसके प्रति उत्साह जगाने के लिए एक किलोमीटर की दौड़ भी करवाई गई। इसमें काफी संख्या में बच्चों और महिलाओं ने भाग लिया। ■

मायावती ने अखिलेश यादव को घेरा बताया विकास के लिए क्या जरूरी

कानपुर। यूपी विधानसभा अध्यक्ष के पद पर सदन के वरिष्ठ सदस्य सतीश महाना के चयन के बाद नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने अपने भाषण में चुटीले अंदाज के साथ इशारों ही इशारों में सरकार पर कई तंज कसे थे। इसके साथ ही चुनाव के दौरान अपनी विदेश यात्राओं को लेकर भाजपा के सवालों का जवाब देने की कोशिश भी की थी। अखिलेश ने कहा था- 'यदि मैं विदेश नहीं गया होता तो शायद देश का सबसे अच्छा एक्सप्रेस नहीं बना पाता। आपके शहर कानपुर को मेट्रो नहीं मिल पाती।' अखिलेश के अंदाज पर कल सदन में खूब ठहाके लगे थे लेकिन आज बसपा मुखिया मायावती ने उनकी बातों पर सवाल उठा दिया। मायावती ने एक ट्वीट में लिखा- 'नवनिर्वाचित यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के अनेकों बार विदेश भ्रमण की आड़ में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव का अपने विदेश दौरों को विकास के बहाने उचित ठहराने का प्रयास उनकी उस कमियों पर पर्दा डालने की कोशिश है जिसका

शिकार भाजपा उनको अक्सर बनाती रही है, क्या ये सही है समग्र विकास के लिए सही सोच व विजन जरूरी है जो बिना विदेशी दौरे के भी संभव है। ऐसा बीएसपी सरकार ने ताज एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे आदि के जरिए साबित करके दिखाया है। जिस प्रकार दंगा, हिंसा और अपराध-मुक्ति के लिए आयरन विल पावर जरूरी है, उसी तरह विकास हेतु भी संकीर्ण नहीं, सही सोच जरूरी है। यूपी चुनाव 2022 में सिर्फ एक सीट पर सिमट गई बसपा की हार की समीक्षा के बाद मायावती लगातार समाजवादी पार्टी और भाजपा पर हमले कर रही हैं। उन्होंने एक ट्वीट में मुस्लिम समाज को आगाह करते हुए बीजेपी की जीत के लिए समाजवादी पार्टी के पक्ष में की गई मुस्लिम समाज की एकतरफा वोटिंग को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और भाजपा के बीच अंदरुनी मिलीभगत है।एक ट्वीट में मायावती ने लिखा- 'यूपी में सपा और भाजपा की अन्दरूनी मिलीभगत जग-जाहिर रही है। इन्होंने विधान सभा आमचुनाव में भी हिन्दू-मुस्लिम कराकर यहां भय और आतंक का माहौल बनाया, जिससे खासकर मुस्लिम समाज गुमराह हुआ और सपा को एकतरफा वोट देने की भारी भूल की। जिसको सुधार कर ही भाजपा को यहां हराना संभव है।' दरअसल, बसपा सुप्रीमो को लगता है कि यूपी विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की हार हिन्दू-मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के चलते हुए है। इसके पहले पार्टी की हार पर बोलते हुए उन्होंने कहा था कि मुस्लिम समाज का पूरा वोट बीजेपी को हराने के लिए समाजवादी पार्टी की तरफ शिफ्ट कर गया। बसपा को इसी की सजा मिली।

अयोध्या में रामलला के दर्शन का समय तीन घंटे बढ़ा

लखनऊ। रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के मंदिर निर्माण के साथ दर्शनार्थियों की संख्या में भारी इजाफा तब हो गया जबकि कोरोना की वैश्विक महामारी से देश-विदेश त्राहि-त्राहि कर रहा था। अब जब कोरोना का भय पूरी तरह से निकल गया है तो जाहिर है रामनवमी पर भीड़ का रेला उमड़ना तय है। जिला प्रशासन और रामजन्मभूमि ट्रस्ट को इसका पूरा अंदेशा है। यही कारण है कि तात्कालिक तौर पर रामलला के दर्शन की अवधि तीन घंटे बढ़ाने का फैसला किया गया है। यह व्यवस्था नवसंवत्सर यानि दो अप्रैल से लागू हो जाएगी। यह जानकारी रामजन्मभूमि ट्रस्ट के न्यासी डा. अनिल मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि दर्शनार्थियों की संभावित भीड़ को ध्यान में रखकर सुबह व शाम की दोनों पालियों में डेढ़-डेढ़ घंटे का समय बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुबह की पाली में दर्शन की अवधि जो अभी सात बजे से 11 बजे है, उसे बढ़ाकर सुबह छह बजे से साढ़े 11 बजे और शाम की पाली जिसमे दर्शन की अवधि अपराह्न दो बजे से छह बजे है, वह दो बजे से साढ़े सात बजे तक रहेगी।

मालूम हो कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं को रामलला का दर्शन सुनिश्चित कराने के लिए रामजन्मभूमि की स्थाई सुरक्षा समिति की बैठक में दर्शन अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। बावजूद इसका क्रियान्वयन संभव नहीं हो सका लेकिन अब मजबूरन निर्णय लेना पड़ा।रामलला के दर्शनार्थियों के लिए दर्शन की अवधि बढ़ाना खासकर शाम की पाली में, सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौती पूर्ण है। यही कारण है कि दर्शन अवधि बढ़ाने का निर्णय लेने में छह माह से अधिक का समय गुजर गया। फिलहाल अब जब निर्णय हो गया है तो सबसे पहले सुरक्षा के मानकों के लिहाज से सभी इंतजाम प्राथमिकता पर कराए जा रहे है। इस विषय पर अंतिम निर्णय 25 मार्च को उस दिन लिया गया जिस दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लिया था। ट्रस्ट महासचिव चंपत राय को शपथ ग्रहण का न्योता मिला था लेकिन उनका इरादा लखनऊ जाने का नहीं था। एक दिन पहले सायं अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी का फोन आया और इमरजेंसी में वह कारसेवकपुरम से लखनऊ के लिए उसी दिन निकल गये। वहीं से वह दिल्ली की बैठक में हिस्सा लेने चले गये।

योगी का अखिलेश पर निशाना विधानसभा में जनता नकारात्मकता स्वीकार नहीं करती

लखनऊ। विधानसभा के नए अध्यक्ष सतीश महाना के सर्वसम्मति से चयन के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इशारो ही इशारों में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता नकारात्मकता को कभी स्वीकार नहीं करती। चुनाव में जनता ने यह साबित कर दिया। विधानसभा में मंगलवार को सतीश महाना को नए विधानसभा अध्यक्ष की बधाई देते हुए सीएम ने कहा कि आज आपका चयन भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को और अधिक मजबूत और पुष्ट करता है। यूपी की 25 करोड़ जनता के बेहतर भविष्य के लिए पक्ष और विपक्ष मिलकर काम करेंगे। स्वस्थ लोकतंत्र में दलीय सीमाएं कभी बाधक नहीं बनेंगी। हम सबको यूपी के विकास के लिए काम करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर सदन की गरिमा को बढ़ाएंगे। अब हमें जनता के हितों के संवर्धन के लिए सोचना है। हमें यूपी के मजदूरों, किसानों और महिलाओं के बारे में सोचना है। सभी दबे-कुचले लोगों के बारे में सोचना है। विधानसभा में मंगलवार को सतीश महाना को नए विधानसभा अध्यक्ष की बधाई देते हुए सीएम ने कहा कि आज आपका चयन भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को और अधिक मजबूत और पुष्ट करता है। यूपी की 25 करोड़ जनता के बेहतर भविष्य के लिए पक्ष और विपक्ष मिलकर काम करेंगे। स्वस्थ लोकतंत्र में दलीय सीमाएं कभी बाधक नहीं बनेंगी। हम सबको यूपी के विकास के लिए काम करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर सदन की गरिमा को बढ़ाएंगे। अब हमें जनता के हितों के संवर्धन के लिए सोचना है।

श्मशान बनाने को लेकर हंगामा, सड़क पर उतरे लोग

लखनऊ। लखनऊ में हंसखेड़ा के गणपति विहार में श्मशान घाट बनाए जाने के विरोध में बुधवार को लोगों ने यहां प्रदर्शन किया। श्मशान घाट के लिए नींव खोद रहे मजदूरों को लोगों ने भगा दिया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कालोनी के बीच में श्मशान घाट बनाने का कोई औचित्य नहीं है। पार्षद, नगर निगम के कुछ लोगों के साथ मिलकर जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। जिसके चलते इसे बनवाया जा रहा है। पारा क्षेत्र के हंसखेड़ा में गनपति विहार कॉलोनी है। इस कॉलोनी के बीच में काफी जमीन खाली है। अब इसी जमीन पर कुछ लोग बाउंड्री वाल कराकर इसे श्मशान घाट बनवाने में लगे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पार्षद नगर निगम के साथ मिलकर इसका निर्माण करवा रहे हैं। जबकि इसके चारों तरफ आबादी रहती है। लोगों के घर बने हुए हैं। ऐसे में यहां शव का दाह संस्कार होने पर बहुत दिक्कतें होंगी। लोग अपने घरों में रह नहीं पाएंगे। बुधवार की सुबह यहां बाउंड्री बनाने के लिए नींव की खोदाई शुरू हो गई। इसको देखते ही स्थानीय निवासी एकजुट हो गए। लोगों ने प्रदर्शन और हंगामा शुरू कर दिया। काम कर रहे मजदूरों को भगा दिया। स्थानीय निवासियों ने कहा कि कुछ लोग जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। एक साजिश के तहत श्मशान घाट बनाया जा रहा है। क्योंकि बाउंड्री के बाद जो जमीन बचेगी उस पर लोग कब्जा कर लेंगे। पूरी जमीन पर बाउंड्री वाल नहीं बनाई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने कहा कि वह श्मशान घाट नहीं बनने देंगे। लोगों ने शासन-प्रशासन के अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है। स्थानीय निवासी यहां करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन करते रहे। लेकिन नगर निगम व प्रशासन का कोई अधिकारी उनकी बात सुनने नहीं पहुंचा। स्थानीय निवासियों ने कहा कि अगर काम नहीं बंद किया गया तो वह लोग नगर निगम मुख्यालय का घेराव करेंगे।

मैनपुरी : शीतला माता मंदिर व महाराजा तेजसिंह के किले के बहुरेंगे दिन

मैनपुरी। योगी मंत्रिमंडल में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री का पद संभालते ही मंत्री जयवीर सिंह ने अपनी कर्मभूमि के लिए काम शुरू कर दिया है। मंगलवार को लखनऊ में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने मैनपुरी के शीतला माता मंदिर और महाराजा तेजसिंह के किले को संरक्षित कर उसे विकसित करने के निर्देश दिए हैं। मैनपुरी विधानसभा क्षेत्र से चुनकर जयवीर सिंह इसबार विधानसभा पहुंचे हैं। मैनपुरी ही उनकी कर्मभूमि रही है। इस बार उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यटन एवं सस्कृति मंत्री बनाया है। उन्होंने जिले के लिए काम शुरू कर दिया है। मंगलवार को लखनऊ में उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। निर्देश दिए कि मैनपुरी स्थित शीतला माता मंदिर और महाराजा तेजसिंह के किले को संरक्षित कर उसे विकसित करने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीतला माता मंदिर लोगों की आस्था का विषय है तो वहीं महाराजा तेजसिंह का किला इतिहास की अहम धरोहर है। इनका संरक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से जल्द इसके लिए कार्रवाई कर अवगत कराने के लिए कहा। मंत्री जयवीर सिंह की कर्मभूमि मैनपुरी है तो वहीं उनकी जन्मभूमि गांव करहरा जिला फिरोजाबाद का हिस्सा है। ऐसे में वे फिरोजाबाद को कैसे भूल सकते थे। उन्होंने बैठक में फिरोजाबाद स्थित जैन मंदिर के सौंदर्यीकरण की बात भी कही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मस्थली बटेश्वर स्थित मंदिरों को भी संरक्षित करने की बात कही है।

स्वतंत्रता सेनानियों और देश की आजादी पर पुस्तकें पढ़ें छात्रः राज्यपाल

आगरा। यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छात्रों से कहा कि वे स्वतंत्रता सेनानियों और देश की आजादी के लिए उन पर हुए अत्याचारों से जुड़ी किताबें पढ़ें। उन्होंने यह बात यहां डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 87वें दीक्षांत समारोह के दौरान कही। राज्यपाल ने कहा कि छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन और अंडमान निकोबार में सेलुलर जेल में उनकी पीड़ा के अलावा जलियांवाला बाग नरसंहार के बारे में किताबें पढ़नी चाहिए। फिल्म द कश्मीर फाइल्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, कश्मीर में जरूर कुछ ऐसी बर्बर गतिविधि हुई थी, जिसके कारण हिंदू वहां से पलायन कर गए। पटेल ने कहा, आतंकवादियों ने भारत के नेताओं को श्रीनगर के लाल चौक पर झंडा फहराने की चुनौती दी थी। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने चुनौती स्वीकार की और एकता यात्रा निकाली तथा लाल चौक पर झंडा फहराया। मैं भी एकता यात्रा का हिस्सा रही थी।

बाराबंकी नहीं दिख रहा है 'बाबा के बुल्डोजर का भय' कई सरकारी जमीनों पर कुण्डली मारे बैठे हैं अवैध कब्जेदार

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से चंद किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाराबंकी शहर में कई बेशकीमती सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से दबंगों ने कब्जा कर रखा है, जिसकी जानकारी प्रशासन के साथ-साथ आला अधिकारियों तक को है लेकिन यहां के कब्जेदारों के हौसले इतने बुलंद है कि बाबा के बुल्डोजर का भय इन अवैध कब्जेदोरों में रत्तीभर का नहीं दिख रहा है। शहर की कई सरकारी जमीनों, ग्रीन बेल्ट, जमुरिया नाला, परती जमीन, नजूल भूमि, तालाब, कब्रिस्तान, वक्फ आदि की भूमियों पर कब्जा कर रखा है और उस भूमि पर आलीशान इमारत बनवा रखी हैं। अवैध कब्जेदारों का इतना प्रभाव है कि सरकार कोई भी आये यह हर जगह जुगाड़ लगा लेते हैं। अब जनता में यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या शहर की सरकारी भूमियों के अवैध कब्जेदारों में बाबा के बुल्डोजर का भय दिखेगा या अवैध कब्जेदार इसी तरह काबिज रहेंगे?

स्थानीय निवासियों ने दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र संख्या-40017622007989 में आरोप लगाया है कि बाराबंकी शुगर मिल की जमीन जो लगभग दस हजार स्क्वायर फिट है। जिसकी कीमत करोड़ों रुपए में है। जो कि प्रर्वतन निदेशालय ई0डी0 के अन्तर्गत है उसी भूमि पर मोहल्ला शिवपुरी पोस्ट शुगरमिल, निकट जेल चौकी, तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी के चन्द्रिका प्रसाद सिंह ने उपरोक्त सरकारी बेशकीमती जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है और अब दबंगई की बिना पर मकान का निर्माण करवा रहा हैं। जिसकी कई बार शिकायत जनपद के साथ-साथ प्रदेश स्तर के अधिकारियों को की गई लेकिन कार्यवाही न होने से सरकारी जमीन पर कब्जा लगातार हो रहा है। इन कब्जेदारों को देखकर अन्य व्यक्ति भी कब्जा कर रहे हैं।

इस सम्बंध में शहर की जनता का कहना है कि अवैध कब्जेदारों के निर्माण पर बाबा का बुल्डोजर चलाया जाये और उस सरकारी जमीन पर सरकारी भवन का निर्माण या गौशाला का निर्माण कराया जाये जिससे शहर में छुट्टा घूम रहे जानवरों से शहर वासियों को निजात मिल सके और जनता चोटहिल होने से बच सके।

शहर में कई जगह सरकारी सम्पत्ति पर अवैध कब्जेदार कुण्डली मारे बैठे हैं लेकिन इन कब्जेदारों के आगे जिला प्रशासन नतमस्तक नजर आता है। कब्जा हटाना तो दूर है कानूनी कार्यवाही में इतनी लेट लतीफी की जाती है कि तब तक कार्यवाही करने वाले अधिकारी का तबादला हो जाता है और जांच फिर ठण्डे बस्ते में पहुंच जाती है। कभी कभी कोई ईमानदार अधिकारी जब कार्यवाही करना चाहता है तो उसके उच्च अधिकारी जांच अधिकारी को अन्य मामलों में उलझाकर उसको निलंबित करवा देते हैं, जिससे अवैध कब्जेदारों की चांदी हो जाती है और इस कारण शहर में बाबा के बुल्डोजर का भय नहीं दिख पाता है।

पूर्व आबकारी मंत्री के पुत्र सहित दो का हुआ नार्को टेस्ट

मैनपुरी। नवोदय छात्रा की कथित हत्या और दुष्कर्म के मामले में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भोगांव विधायक रामनरेश अग्निहोत्री के पुत्र सहित दो लोगों का नार्को टेस्ट सोमवार को एसआईटी ने अहमदाबाद में कराया। रिपोर्ट के आधार पर एसआईटी अपनी जांच आगे बढ़ाएगी। बुधवार को एसआईटी के मैनपुरी वापस लौटने की उम्मीद है।16 सितंबर 2019 को भोगांव के जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11 की छात्रा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। मामले में एडीजी भानु भास्कर के निर्देशन में एसआईटी (द्वितीय) जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार सोमवार को इस मामले में एसआईटी ने पूर्व आबकारी मंत्री एवं भोगांव से विधायक रामनरेश अग्निहोत्री के पुत्र अंकुर अग्निहोत्री व एक अन्य व्यक्ति का अहमदाबाद में नार्को टेस्ट कराया। नार्को टेस्ट के लिए चार लोगों को ले जाया गया था, लेकिन दो लोगों के टेस्ट किसी कारण से नहीं हो सके हैं।

प्रधान के घर पर लिखी जा रही थीं परीक्षा की कॉपियां, 9 गिरफ्तार

देवरिया। यूपी के देवरिया में नकल माफिया गिरोह का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पुलिस ने उस समय की जब हाईस्कूल और इंटर की बोर्ड की उत्तर पुस्तिकायें ग्राम प्रधान के घर पर लिखी जा रही थी। एसडीएम बरहज, सीओ बरहज के नेतृत्व में छापा मारकर बड़ी कार्रवाई की गई है। यूपी में बोर्ड की हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं चल रही है और सरकार की कोशिश नकल विहीन परीक्षा कराने की है, जिसको लेकर पूरे प्रदेश में सख्ती बरती जा रही है, लेकिन देवरिया में नकल कराने वाला गिरोह सक्रिय है। अब स्कूलों में नकल न कराने के बजाय घरों में सामूहिक नकल कराकर कॉपियां लिखी जा रही है। पुलिस ने बरहज थाना के बड़कागांव के ग्राम प्रधान नब्बेलाल के घर पर छापेमारी की, जहां पर नौ आरोपियों को हाईस्कूल की संस्कृत और इंटर की चित्रकला की कॉपियां लिखते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। इन उत्तर पुस्तिकाओं पर विंध्याचल इंटर कालेज पैना के केंद्र व्यस्थापक की मुहर लगी हुई थी।

मौके से ए और बी श्रेणी की कापियां, प्रश्न पत्र, नकल सामग्री पुलिस ने बरामद की है। ग्राम प्रधान नब्बेलाल गुप्ता का बेटा विंध्याचल इंटर कालेज पैना में कार्यरत है। प्रिंसिपल तारकेश्वर गुप्ता की मिलीभगत से ग्राम प्रधान नब्बेलाल गुप्ता के घर पर यह कॉपियां लिखी जा रही थी। बरहज थाने में सभी अभियुक्तो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मोनू पाठक, उपेंद्र यादव, हेमंत यादव, विधायक गुप्ता, शैलेष गुप्ता, राज गुप्ता, धीरेंद्र गुप्ता, नब्बेलाल गुप्ता और एक नाबालिग को पकड़ा है, जबकि प्रिंसिपल तारकेश्वर गुप्ता अभी फरार है। पुलिस उसे पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रही है। इस मामले में एसपी श्रीपति मिश्रा ने कहा कि हम आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं।

अधिवक्ता ने जमा की न्यायालय की फर्जी जुर्माना रसीद

मैनपुरी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय की फर्जी जुमार्ना रसीद को यातायात कार्यालय में जमा करा दिया गया। रसीद पर मजिस्ट्रेट के फर्जी हस्ताक्षर के साथ ही मोहर भी लगी है। खुलासा होने के बाद सीजेएम कोर्ट के बाबू ने अधिवक्ता के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल धर्मवीर सिंह की ओर से न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को बताया कि न्यायालय द्वारा निर्गत की गई दो चालान रसीद अर्थदंड के लिए भेजी गई हैं। उन पर पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर फर्जी प्रतीत हो रहे हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद कोर्ट के लिपिक राजेंद्र सिंह की ओर से जुमार्ना रसीद रजिस्टर देखा तो दोनों रसीदें फर्जी पाई गईं, जबकि रसीदों पर मोहर न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की लगी है। हस्ताक्षर मिलते-जुलते लेकिन फर्जी किए गए थे, जबकि इस न्यायालय को यातायात पुलिस की चालानी सुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं है।

सचिव ने वृद्धाश्रम एवं बाल शिशु गृह का किया निरीक्षण

मऊ। मंगलवार को मोहम्मदाबाद गोहना स्थित वृद्धाश्रम एवं बाल शिशु गृह का संयुक्त आकस्मिक निरीक्षण विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुंवर मित्रेश सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया। निरीक्षण के समय वृद्धाश्रम में कुल पंजीकृत 92 बृद्धजन में 66 पुरुष तथा 26 बृद्ध महिलाओं के सापेक्ष मौके पर 75 उपस्थित मिले, जिसमें पुरुष 51 एवं महिलाएं 24 उपस्थित मिली। वृद्धाश्रम में आवासित आश्रितों हेतु रसोईघर की व्यवस्था उचित पायी गयी। इस सम्बंध में प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि समस्त आश्रितों का भोजन एक साथ बनाया जाए। प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि इस बिंदु पर सर्वे किया जाय कि वृद्धाश्रम, में रहने वाले आश्रितों की वास्तविक आवश्यकता क्या है और उनकी आवश्यकता के अनुरूप वस्त्र और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है या नहीं। बुजुगो को मुख्य रूप से आंख दात की एवं जोड रोग की समस्या होती है। अतः इस संबंध में समुचित इलाज सुनिश्चित किया जाय। निरीक्षण के समय मौके

पर उपस्थित डा0 अमित रंजन, वरिष्ठ परामर्शदाता, जिला चिकित्सालय, मऊ द्वारा वृद्धजनों का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया तथा उनके स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा द्वारा उपस्थित बृद्धजनों को वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गयी। इसमें विधिक सेवा प्राधिकरण मऊ के सचिव द्वारा बताया गया कि कोई भी बृद्धजन अपने पौत्र, दत्तक पुत्र, पौत्री सौतेली संतान से अपनी जीविका चलाने के लिए अपने जीवन चर्या के अनुरुप भरण पोषण की मांग कर सकता हैं। इस अधिनियम के अन्तर्गत किये गये अपराध संज्ञेय जमानती होता हैं। निरीक्षण के समय बृद्धाश्रम में रह रहे छोटे लाल मद्देशिया द्वारा अपने लड़की की शादी की चिन्ता व्यक्त की गयी, जिसके सम्बंध में सामुहिक विवाह योजना के सम्बंध में सचिव द्वारा बताया गया कि लड़की के शादी की चिन्ता न की जाय। उपरोक्त के अतिरिक्त विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव द्वारा मोहम्मदाबाद गोहना स्थित बाल शिशु गृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय बाल शिशु गृह में 30 बच्चे पाए गए, जिसमें 15 बच्चे 04 माह से कम आयु के नवजात शिशु पाये गये, जिसके संबंध में प्रबंधक द्वारा यह बताया गया कि सरकारी धन उपलब्ध न होने के अभाव में लोगों के द्वारा दिये गये धन के मायम से यह संस्था चलायी जा रही है। इसके संबंध में सचिव द्वारा प्रबंधक को आवश्यक पचाचार हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय वृद्धाश्रम के प्रबंधक लक्षिराम प्रसाद, संस्था के सचिव त्रिरत्नशेखर, पवन कुमार सिंह, कार्यालय सहायक, तहसील जितेन्द्र मिश्रा, रेनू चैहान अधीक्षिका, शेखर तिवारी, बाल कल्याण अधिकारी तथा हुमैरा खातुन, पीटी अनुदेशक उपस्थित मिली।

फिर 501 जोड़ों के विवाह का साक्षी बनेगा उर्दिहा गांव

रौनापार (आजमगढ़)। सगड़ी तहसील के उर्दिहां गांव का पटेल इंटर कालेज एक बार फिर 501 जोड़ों की शादी का साक्षी बनेगा। यहां शहनाई और मंत्रोच्चार के बीच हर साल की तरह इस बार भी सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों में आयोजक जुट गए हैं। पटेल इंटर कालेज परिसर में बैठक कर दहेज रहित सामूहिक विवाह की तैयारियों पर मंथन किया गया। सभी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपने स्तर की जिम्मेदारियों को पूरा करने का वचन दिया।सामूहिक विवाह का आयोजन 24 अप्रैल को किया जाएगा, जिसमें शहनाई की धुन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 501 जोड़ों के दहेज रहित विवाह का लख्य रखा गया है।

ट्रक के पहिए के नीचे आने से बुजुर्ग घायल

रतनपुरा, मऊ। ट्रक के पहिए के नीचे आने से बुजुर्ग घायल हो गया उसे उपचार के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया परंतु प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया। रतनपुरा विकास खंड मुख्यालय से 6 किलोमीटर दक्षिण पीपरसाथ चट्टी पर मंगलवार को सायंकाल 3:15 बजे बालू लदा ट्रक पहुंचा और ट्रक पर लदा बालू गिराने के लिए ट्रक को आगे पीछे कर रहा था तभी अलगू यादव 73 बरस पुत्र स्वर्गीय सुंदर यादव ट्रक के पहिए की चपेट में आ गए और ट्रक का पहिया उनके दाहिने पैर पर चढ गया। ट्रक का पहिया चढ़ने से उनका पैर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई उन्हें उपचार के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। इधर घटना के पश्चात ट्रक चालक मौके की नजाकत को देखते हुए ट्रक छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों की बड़ी मात्रा में भीड़ जुट गई और कुछ लोगों ने ट्रक को मामूली रूप से क्षतिग्रस्त किया सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया।

राजस्थान की जीत के साथ धमाकेदार शुरुआत

आईपीएलः सैमसन और हेटमायर के तूफान से हैदराबाद को 61 रन से रौंदा, मैन ऑफ द मैच बने संजू सैमसन

पुणे। राजस्थान रॉयल्लस के लिए अपना 100वां मैच खेल रहे कप्तान संजू सैमसन (55) के विस्फोटक अर्धशतक और शिमरन हेटमायर (32) की तूफानी पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने यहां सनराइजर्स हैदराबाद को 2022 आईपीएल के अपने पहले मैच में मंगलवार को 61 रन के बड़े अंतर से रौंद दिया।

राजस्थान ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 210 रन का विशाल स्कोर बनाया और हैदराबाद को सात विकेट पर 149 रन पर रोक दिया। हैदराबाद की टीम पॉवरप्ले में मात्र 14 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद कभी मुकाबले में खड़ी नहीं हो पायी। आईपीएल इतिहास में पॉवरप्ले में किसी भी टीम का यह सबसे कम स्कोर था। हैदराबाद ने 78 रन तक अपने छह विकेट गंवा दिए थे लेकिन एडन मारक्रम और वाशिंगटन सुंदर के बीच सातवें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी ने हैदराबाद की हार को थोड़ा सम्मान दिया। राजस्थान की तरफ से लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 22 रन देकर तीन विकेट हासिल किये जबकि तेज गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट और प्रसिद्ध कृष्णा को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले राजस्थान ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए थोड़ी धीमी, लेकिन अच्छी शुरुआत की। टीम ने पहले पावरप्ले में कोई विकेट नहीं खोते हुए 58 रन बनाए। सलामी बल्लेबाजों जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल के बीच पहले विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी हुई, जिसने विशाल स्कोर सुनिश्चित किया। बटलर ने तीन चौकों और तीन छक्कों के दम पर 28 गेंदों पर 35 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद सैमसन ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली और ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए रनों को गति को और तेज कर दिया।

आईपीएल में सबसे तेज 2 हजार रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी बने बटलर

राजस्थान के जोस बटलर आईपीएल इतिहास में सबसे तेज 2 हजार रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए। बटलर को इस मुकाम तक पहुंचने में 63 पारियां लगी। इतिहास में सबसे तेज 2 हजार आईपीएल रन पूरे करने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने महज 48 पारियों में ये कमाल किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर शॉन मार्श का नाम है, जिन्होंने 52 पारियों में ये कमाल किया है, जबकि तीसरे नंबर पर भारतीय ओपनर केएल राहुल हैं, जिन्होंने 60 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे। सचिन तेंदुलकर इस लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं, जिन्होंने 63 पारियों में ये कारनामा आईपीएल में किया था।

राजस्थान के लिए सबसे अधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बने संजू सैमसन

रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने 25 गेंदों में 3 चौके और 5 छक्कों की मदद से अर्धशतक जड़ा। संजू सैमसन के आईपीएल करियर का ये 16वां अर्धशतक था। संजू सैमसन आईपीएल के इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ चैथा छक्का जड़ते ही वह आईपीएल में राजस्थान के लिए 115 छक्के जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने शेन वॉटसन को पीछे छोड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने आईपीएल में राजस्थान के लिए 114 छक्के जड़े थे।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
बटलर कै. पूरन बो. उमरान मलिक	35	28	3/3
यशस्वी बो. मारक्रम कै. शेफर्ड	20	16	2/1
संजू कै. समद बो. भुवनेश्वर	55	27	3/5
देवदत्त पड़िक्कल बो. उमरान	41	29	4/2
शिमरन हेटमायर बो. नटराजन	32	13	2/3
पराग कै. पूरन बो. नटराजन	12	09	2/0
नाथन कुल्टर-नाइल नाबाद	01	02	0/0

अतिरिक्तः 14, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 210 रन **विकेट पतनः** 1-58, 2-75, 3-148, 4-163, 5-207, 6-210, **गेंदबाजीः** भुवनेश्वर कुमार 4-0-29-1, रोमारियो शेफर्ड 4-0-33-1, उमरान मलिक 4-0-39-2, वॉशिंगटन सुंदर 3-0-47-0, टी नटराजन 4-0-43-2, अभिषेक शर्मा 1-0-15-0,

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
विलियमसन कै. पडिक्कल बो. कृष्णा	02	07	0/0
अभिषेक कै. हेटमायर बो. चहल	09	19	1/0
राहुल त्रिपाठी कै. संजू बो. कृष्णा	00	03	0/0
निकोलस पूरन पगबाधा बोल्ट	00	09	0/0
एडन मारक्रम नाबाद	57	41	5/2
अब्दुल समद कै. रियान बो. चहल	04	06	0/0
रोमारियो शेफर्ड बो. चहल	24	18	0/2
सुंदर कै. हेटमायर बो. बोल्ट	40	14	5/2
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	03	04	0/0

अतिरिक्तः 10 कुलः 20 ओवर में सात विकेट पर 149 रन **विकेट पतनः** 1-3, 2-7, 3-9, 4-29, 5-37, 6-78, 7-133, **गेंदबाजीः** ट्रेंट बोल्ट 4-1-23-2, प्रसिद्ध कृष्णा 4-1-16-2, नाथन कुल्टर नाइल 3-0-48-0, रविचंद्रन अश्विन 4-0-21-0, युजवेंद्र चहल 4-0-22-3, रियान पराग 1-0-14-0,

भोपाल के अरबाज व साऊद प्रथम स्थान पर

भोपाल। राज्य स्तरीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में भोपाल के अरबाज उद्दीन व साऊद खान क्रमशः 65 किलो वर्ग तथा 75 किलो वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं 110 किलो वर्ग में भोपाल के मो. शामीर ने प्रथम स्थान अर्जित किया। मो. तारिक सचिव, मप्र एवं भोपाल पंजा कुश्ती संघ ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल में किया गया था, जिसमें 20 जिलों की टीमों ने तथा 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन मप्र पंजा कुश्ती संघ एवं भोपाल पंजा कुश्ती संघ द्वारा किया गया था। विजयी खिलाड़ी राष्ट्रीय नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता हैदराबाद में 31 मई से आयोजित होगी। प्रतियोगिता में 55 किलो वर्ग में ग्वालियर के सुजीत कुमार प्रथम स्थान पर रहे, जबकि भोपाल के अरबाज खान तीसरे स्थान पर रहे। 60 किलो वर्ग में ग्वालियर के अरविंद रजक प्रथम रहे। वहीं 70 किलो वर्ग में देवास के शेख मुजीब प्रथम आए, जबकि 80 किलो वर्ग में ग्वालियर के सचिन गोयल प्रथम रहे। 85 किलो वर्ग में ग्वालियर के मनीष कुमार प्रथम रहे, जबकि 90 किलो वर्ग में देवास के शाहबेज खान प्रथम आए। वहीं 50 किलो महिला वर्ग में साक्षी बंग इंदौर प्रथम, 55 किलो वर्ग में श्वेता सिंह ग्वालियर प्रथम, 60 किलो वर्ग में प्रिया वर्मा इंदौर प्रथम रहीं। भोपाल जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष डा. पीसी कोठारी, भोपाल पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष ओम शंकर श्रीवास्तव, मप्र पंजा कुश्ती संघध के अध्यक्ष मनोहर सिंह शेखावत, फैसल, नईम एवं मेहबूब अंसारी ने विजयी खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की।

शेन वॉर्न को याद करते रहेंगे : सचिन तेंदुलकर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने मंगलवार को दिवंगत शेन वार्न के साथ अपनी यादों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए एक वीडियो में कहा, 1991 में मैं उनके खिलाफ खेला था। हम प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेल रहे थे और यहां लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाला मजबूत और गोरा आदमी आया। उस समय मुझे कुछ साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव था, इसलिए गेंदबाज पर आक्रमण करने पर ध्यान केंद्रित किया, पर शेन ने आकर कुछ अविश्वसनीय गेंदें फेंकी।

उल्लेखनीय है कि 52 वर्षीय वार्न का चार मार्च को थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। तेंदुलकर ने भारत में 1998 की श्रृंखला को याद करते हुए कहा, शेन वार्न के खिलाफ मेरी पहली पूरी श्रृंखला 1998 में भारत में थी और सभी ने उस श्रृंखला को तेंदुलकर बनाम शेन वार्न संघर्ष के रूप में टैग किया। लोगों को याद दिलाया गया कि यह तेंदुलकर बनाम शेन नहीं है, बल्कि भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया है, लेकिन सभी ने इसे तेंदुलकर बनाम शेन के रूप में याद रखा। सचिन ने कहा, इस तरह की लहर दबाव में लाने वाली है।

नंबर वन महिला खिलाड़ी बनी वॉल्वार्ट

वनडे रैंकिंग: ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। महिला विश्व कप 2022 के लीग मुकाबले समाप्त होने के बाद आईसीसी द्वारा जारी की गई रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को पीछे छोड़ते हुए दक्षिण अफ्रीका की एल. वॉल्वार्ट शीर्ष पर पहुंच गई हैं। भारत के खिलाफ अंतिम लीग मुकाबले में 80 रन बनाने वाली वाली 22 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज वॉल्वार्ट ने लीग स्टेज में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 400 से अधिक रन बनाए। उन्हें रैंकिंग में इसका जबरदस्त फायदा हुआ और वह दो स्थान के फायदे के साथ शीर्ष पर काबिज हो गईं। उन्होंने यहां ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलिसा हीली को पीछे छोड़ा, जो अब पांचवें नंबर पर लुढ़क गई हैं। दूसरे नंबर पर बेथ मूनी अपने स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग को यहां एक स्थान का फायदा हुआ और वह तीसरे पायदान पर पहुंच गईं। जबकि इंग्लैंड की नताली सिवर को दो स्थान का फायदा हुआ है और वह अब चौथे नंबर पर काबिज हो गई हैं।

छठे पायदान पर पहुंची भारतीय कप्तान मिताली

भारतीय कप्तान मिताली राज को भी रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है और वह अब दो स्थान के फायदे के साथ छठे पायदान पर पहुंच गई हैं। जबकि स्मृति मंधाना 10वें नंबर पर बरकरार हैं। भारतीय दिग्गज तेज गेंदबाज झुलन गोस्वामी को दो स्थानों का जबरदस्त फायदा हुआ है और वह एक बार फिर से शीर्स पांच में पहुंच गई हैं। झूलन 663 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हो गई हैं। वह शीर्ष 10 में इकलौती भारतीय गेंदबाज हैं। यहां इंग्लैंड की सोफी एकलेस्टन नंबर एक गेंदबाज बनी हुई हैं। शीर्ष 10 ऑलराउंडर्स की सूची में दीप्ति शर्मा सातवें और झूलन गोस्वामी 10वें नंबर पर हैं। जबकि इस सूची में एलिस पेरी शीर्ष पर बनी हुई हैं।

बिजनेस

बैंक धोखाधड़ी से हर दिन 100 करोड़ का नुकसान

आरबीआई की रिपोर्ट में खुलासा, पिछले सात सालों से देश झेल रहा घाटा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि बैंक घोटाले या धोखाधड़ी से हर दिन देश को 100 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान देश को पिछले सात सालों से हो रहा हैं। हालांकि नुकसान की कुल राशि में साल दर साल गिरावट आती जा रही है।

सबसे अधिक बैंक घोटाले या धोखाखड़ी महाराष्ट्र में हुए हैं, जहां देश की आर्थिक राजधानी मुंबई भी स्थित है। बैंक घोटाले या धोखाखड़ी की कुल राशि का करीब 50 फीसदी अकेले महराष्ट्र में हुआ है। इसके बाद दिल्ली तेलंगाना, गुजरात और तमिलनाडु का स्थान है। इन पांच राज्यों में पिछले सात सालों में करीब 2 लाख करोड़ के वित्तीय फ्रॉड सामने आ चुके हैं, जो कुल राशि का करीब 83 फीसदी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अप्रैल 2015 से 31 दिसंबर 2022 तक देश भर में करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए के बैंकिंग फ्रॉड का पता चला है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्रालय ने बताया कि फ्रॉड के मामलों को तुरंत रिपोर्ट किए जाने और रोकथाम के लिए किए गए उपायों से साल दर साल धोखाधड़ी की घटनाओं में कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2015-16 में 67760 करोड़ रुपए के बैंकिंग फ्रॉड के मामले सामने आए। वित्त वर्ष 2016-17 में यह आंकड़ा घटकर 59966.4 करोड़ रुपए पर आ गया। इसके अगले दो वित्त वर्ष में 45000 से कम के बैंक फ्रॉड के मामले दर्ज किए गए। वित्त वर्ष 2019-20 में यह आंकड़ा और घटकर 27698.4 करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं 2020-21 में 10699.9 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड के मामले दर्ज किए गए। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में यह आंकड़ा सिर्फ 647.9 करोड़ रुपए रहा है।

नोट छापने में आत्मनिर्भर हो रहा देश

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि देश ने बैंक नोट छापने के मामले में काफी हद तक आत्मनिर्भरता हासिल कर ली उन्होंने बैंक नोट के सिक्योरिटी फीचर्स को बेहतर बनाने के मकसद से बनाई जा रही स्याही के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट की अहमियत पर काफी जोर दिया। वह बोले कि यह मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने वाली पहल है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बैंक नोट प्रिंट करने के लिए इस्तेमाल होने वाली सभी चीजें देश में ही मुहैया हो जाएं। बैंक नोट छापने के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्णिका यूनिट 1500 मीट्रिक टन स्पेशल इंक की मैन्युफैक्चरिंग कर सकती है। यह यूनिट कलर शिफ्ट इंटैग्लियो इंक यानी सीएसआईआई की मैन्युफैक्चरिंग भी करेगी। इस तरह बैंक नोट छापने के लिए हर जरूरी चीज अब देश में मिल सकेगी। इस तरह लागत तो घटेगी ही, साथ ही बैंक नोट इंक के प्रोडक्शन में भारत आत्मनिर्भर भी बनेगा। इसके साथ ही गवर्नर ने मैसूर में ही लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर की आधारशिला भी रखी।

हीरो मोटोकार्प पर 1000 करोड़ रुपए हेरफेर का आरोप

कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

नई दिल्ली। ऑटो कंपनी हीरो मोटोकॉर्प पर 1000 करोड़ रुपए के हेरफेर का आरोप लगा है। आरोप के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। आयकर विभाग लगभग 1000 करोड़ रुपये के खर्च का एनालिसिस कर रहा है, जो हीरो मोटोकॉर्प की जांच में फर्जी होने का संदेह है। एजेंसी अपनी जांच के तहत डिजिटल डेटा और कई अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। इससे पहले पिछले सप्ताह खबर आई थी कि आयकर विभाग दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के कई परिसरों पर टैक्स चोरी की जांच के तहत छापेमारी कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पवन मुंजाल और अन्य प्रमोटरों के ऑफिस व आवासीय परिसरों पर छापे मारे गए थे। इसके बाद से शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी है। इस खबर के आते ही हीरो मोटोकॉर्प के शेयर धड़ाम हो गए। एनएसई पर कंपनी के शेयर सात फीसदी तक टूट कर 2219 रुपए बंद हुए। वहीं, बीएसई पर कंपनी के शेयर 7.08 फीसदी गिरकर 2208.35 रुपए पर बंद हुए हैं। पिछले पांच ट्रेटिंग सेशंस में कंपनी के शेयर 8.31 फीसदी टूट चुके हैं। पिछले एक महीने में हीरो मोटोकॉर्प का शेयर 2426.30 रुपए से टूटकर 2219 रुपए पर आ गए, इस दौरान इसमें करीबन 9 फीसदी की गिरावट देखी गई है।

सेंसेक्स 350 अंक उछला

सकारात्मक संकेतों से चढ़ा बाजार

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हेल्थकेयर, बेसिक मटेरियल्स और रियल्टी जैसे समूहों में हुई लिवाली के बल पर शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 350.16 अंक बढ़कर 57943.65 अंक पर और स्मॉलकैप 103.30 अंक उठकर 17325.30 अंक पर रहा। बीएसई में स्मॉलकैप और मिडकैप में भी तेजी रही। मिडकैप 0.66 प्रतिशत बढ़कर 23852.86 अंक पर और स्मॉलकैप 0.63 फीसद बढ़कर 27827.35 अंक पर रहा। वैश्विक स्तर पर जर्मनी का डैक्स 3.14 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.12 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.10 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 1.08 प्रतिशत की तेजी रही जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.33 प्रतिशत की गिरावट में रहा। बीएसई का सेंसेक्स 221 अंकों की बढ़त के साथ 57814.76 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 57639.35 अंक के निचले स्तर तक उतरा लेकिन लिवाली के बल पर यह 58001.53 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। एनएसई का निफ्टी 75 अंकों की बढ़त के साथ 17297.20 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17343.65 अंक के उच्चतम और 17235.70 अंक के निचले स्तर तक उतरा।

वेकोलि की धुपताला खुली खदान का शुभारंभ

केन्द्रीय मंत्रियों ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नागपुर। केंद्रीय मंत्री संसदीय मामले, कोयला और खान प्रल्हाद जोशी, केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं राज्य मंत्री कोयला, रेल और खान रावसाहेब पाटिल दानवे ने वेकोलि के बल्लारपुर क्षेत्र के धुपताला खुली खदान का वर्चुअल उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में वेकोलि के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि धुपताला खुली खदान के शुरू होने से कोयला उत्पादन बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया की इस प्रोजेक्ट से सीधे तौर पर 795 भू-आश्रितों को रोजगार प्राप्त होगा। साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से परिवहन एवं अन्य व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों परिवारों को व्यवसाय बढ़ने से आर्थिक लाभ मिलेगा। धुपताला खुली खदान से जुड़ी संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट करीब 26 साल चलेगा। इस परियोजना से 2.5 मिलियन टन प्रति वर्ष कोयला प्राप्त होगा और इस प्रोजेक्ट पर 720.87 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया की इस कोस्ट प्लस प्रोजेक्ट से जुड़ने से महाजेनको को 0.68 मिलियन टन प्रति वर्ष एमपीपीजीसीएल को 1.04 मिलियन टन प्रति वर्ष और एनटीपीसी को 0.43 मिलियन टन प्रति वर्ष कोयले की आपूर्ति संभव होगी। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, नितिन गडकरी तथा राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने वणी क्षेत्र के मुंगोली खुली खदान में फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी की आधारशिला रखी। इस फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी के माध्यम से कोयला प्रेषण के लिएए रेलवे साइडिंग एवं कोल हेंडलिंग प्लांट को सीधा जोड़ा जाएगा। इससे सड़क मार्ग से कोयला ढुलाई में औसतन 12 किलोमीटर की कमी आएगी, जिससे कोयले का परिवहन सरल, सुगम, सुरक्षित और इको फ्रेंडली होगा। इस परियोजना पर 470.92 करोड़ रुपए का निवेश किया जायेगा। प्रल्हाद जोशी ने कहा कि देश की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए यह आवश्यक है कि कोल इंडिया लिमिटेड की सभी अनुषंगी कंपनियां अपना वार्षिक लक्ष्य पूर्ण करें। नितिन गडकरी ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से कोयला खनन के नए प्रोजेक्ट शुरू होना आवश्यक है। उन्होंने इस कार्य में तेजी लाने को कहा। इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, डॉ. अनिल कुमार जैन एवं कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल विशेष तौर पर जुड़े। कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि वेकोलि से देश में सभी जगह कोयला परिवहन सहज और सरल है।

लग्जरी कार खरीदना होगा महंगा

नई दिल्ली। लेग्जरी कार खरीदना अब और महंगा होने जा रहा है। बीएमडब्ल्यू, टोयोटा, मर्सिडीज और ऑडी की कारें एक अप्रैल 2022 से महंगी होंगी। इन सभी कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से उनके ऊपर बोझ बढ़ रहा है।

इसी वजह से उन्हें कारों की कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं। कई ऑटोमोबाइल कंपनियां ने इसी साल जनवरी में इनपुट कॉस्ट की वजह से कीमतें बढ़ाई थीं। बीएमडब्ल्यू ने बताया कि वो अपनी कारों की एक्स शोरूम की कीमत पर 3.5 फीसदी का इजाफा करेगी। कीमत बढ़ाने के पीछे मटेरियल और लॉजिस्टिक कॉस्ट, मौजूदा जियो पॉलिटिकल सिचुएशन और एक्सचेंज रेट्स का महंगा होना है। भारत में अभी बीएमडब्ल्यू इंडिया की 2 सीरीज ग्रैन कूपे, 3 सीरीज ग्रैन लिमोसिन सीरीज, 5 सीरीज और अन्य शामिल हैं। वहीं टोयोटा कंपनी अपनी कारों की एक्स-शोरूम कीमत में चार फीसदी तक की बढ़ोतरी करने वाली है। जनवरी के बाद ये दूसरा मौका होगा जब कंपनी अपनी कारों की कीमतों में इजाफा करेगी। लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज बेंज की एक अप्रैल से अपनी कारों को तीन फीसदी महंगा करने वाली है। जनवरी 2022 में कंपनी ने अपनी कुछ सिलेक्टेड मॉडल को 2 फीसदी तक महंगा किया था। महंगे इनपुट कॉस्ट का असर ऑडी की कारों पर भी होने वाला है। कंपनी अपनी कारों को तीन फीसदी महंगा करेगी। जनवरी 2022 में भी कंपनी ने कारों की कीमतें तीन फीसदी तक बढ़ाई थीं।

ट्विटर एंड्रॉयड पर इंडिया ओनली क्रिकेट टैब का कर रही है परीक्षण

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर एंड्रॉयड पर इंडिया ओनली क्रिकेट नाम से एक नये टैब का परीक्षण कर रही है। कंपनी की तरफ जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस टैब का उद्देश्य केवल क्रिकेट से संबंधित प्रासंगिक, विशेष और ट्विटर पर सबसे पहले सामग्री उपलब्ध कराना है। ट्विटर ने बताया कि यह टैब क्रिकेट के बारे में सबसे अच्छी जानकारी को एक मंच पर लाएगा। इसके जरिये प्रशंसक विशेष वीडियो सामग्री, स्कोरकार्ड और अन्य सुविधाओं का आनंद ले सकेंगे। कंपनी ने कहा, हर रोज लोग अपनी पसंद के क्षेत्र में क्या चल रहा है, जानने के लिए ट्विटर पर आते है। लोगों की कई रुचियों में से एक क्रिकेट के बारे में भी जानकारी रखना है। भारत में मंच पर 75 प्रतिशत लोग क्रिकेट प्रशंसकों के रूप में पहचान रखते हैं। कंपनी के अनुसार, जनवरी 2021 और जनवरी, 2022 के बीच ट्विटर पर 44 लाख भारतीयों ने क्रिकेट के बारे में 9.62 करोड़ ट्वीट साझा किए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा छितौना में बने खेल मैदान का निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा ग्राम पंचायत छितौना में बने खेल मैदान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया कि वालीबॉल कोर्ट एवं अखाड़ा बनकर तैयार है । उन्होंने कहा कि ग्रामीण इसका अधिक से अधिक फायदा उठाये। उन्होंने उप जिलाधिकारी केराकत को निर्देशित किया कि एक और जगह चिन्हित कर बड़ा खेल का मैदान बनाया जाए, जहां पर क्रिकेट, वालीबाल, बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के लिए कोर्ट तैयार किए जाएं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा आयुष्मान केंद्र के निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह को निर्देशित किया कि जर्जर भवन को ठीक करने का कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान केंद्र पर एक चिकित्सक एवं एएनएम को बैठाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी छोटेलाल तिवारी उपायुक्त मनरेगा भूपेंद्र सिंह ग्राम प्रधान पति फौजी सुभाष यादव, संजय सरोज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीआरवी कांस्टेबल की पिटाई से भड़के समाचार विक्रेता संघ

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। इलाके के रानीमऊ गांव में मंगलवार को ठेकेदार से हॉकर से विवाद के बाद पीआरवी सिपाही द्वारा लाठी से पिटाई से समाचार विक्रेता संघ आक्रोशित हो गया है। बुधवार को प्रस्ताव पारित कर चेताया कि यदि पुलिस करवाई नही करेगी, तो हम आंदोलन के राह पर होंगे। उधर मामले का एडीजी जोन कार्यालय ने भी संज्ञान लिया है। कस्बे के विधापीठ मुहल्ला निवासी परविन्द यादव पेशे से समाचार विक्रेता है। मंगलवार को अखबार बाटने के दौरान रानीमऊ गांव में एक दबंग से कहा सुनी हो गई,मामला हाथापाई तक पहुँच गया। पीड़ित ने सुरक्षा के गुहार के लिए डायल 112 को फोन किया तो मौके पर पहुँची टीम ने पीड़ित को ही निशाने पर ले लिया।आरोप है कि पिआरवी सिपाही ने लाठी से जमकर पिटाई कर दी। हॉकर ने एक पत्रकार के सहयोग से थाने जाकर एसओ से व्यथा सुनाई। पुलिस ने कानूनी कार्यवाही का भरोसा दिलाया था। समाचार विक्रेता संघ अपने साथी की पिटाई से आक्रोशित हो उठे। बुधवार को नगर में बैठक कर प्रस्ताव पारित कर के घटना की कड़ी निंदा की।एक स्वर में चेताया कि इस मामले में ठोस कार्रवाई नही की गई तो हम आंदोलन करेंगे।जिसकी जिम्मेदारी खेतासराय पुलिस की होगी। बैठक में मोहन लाल रावत, अजय कुमार, सुशील कुमार, अरविंद कुमार, उदय प्रताप,महेंद्र पाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे। उधर हॉकर की पिटाई के प्रकरण पर एडीजी जोन वाराणसी और आईजी कार्यालय ने एसपी दफ्तर से रिपोर्ट मांगा है, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि खेतासराय थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश रॉय से प्रभावी विधिक कार्यवाही करने को कहा गया है।

फाइल फोटो

आलाधिकारियों ने किया मेला क्षेत्र का भ्रमण
बृहस्पतिवार तक समस्त मेलाकार्य पूर्ण करने के निर्देश

प्रखर विन्ध्याचल , मीरजापुर । बासंतिक नवरात्र की अंतिम तैयारियों की समीक्षा के दृष्टिगत मण्डलायुक्त योगेश्वरराम मिश्र , पुलिस उपमहानिरीक्षक रामकृष्ण भारद्वाज ने जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार , पुलिसअधीक्षक अजय कुमार सिंह , अपर पुलिसअधीक्षक संजय वर्मा , नगरमजिस्ट्रेट विनयकुमार सिंह , पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर प्रभात राय व अन्य विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ मेलाक्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान पुरानी व्हीआईपी , पक्काघाट , जयपुरिया गली , न्यू व्हीआईपी , कोतवाली मार्ग इत्यादि स्थानों पर पैदल चक्रमण करते हुए विभागियों को कमियों के दृष्टिगत कई आवश्यक निर्देश भी दिए । खासकर गंगाघाटों व गंगा में नाव संचालन को लेकर काफी गम्भीर नजर आये । डीआईजी ने नाविकों के संदर्भ में स्पष्ट रूप से कहा कि पिछली घटना जिसमे पांच लोग डूब गए थे , उसको लेकर पूरे देश मे मीडिया के माध्यम से काफी किरकिरी हुई थी । उक्त घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए प्रत्येक नावों पर सुरक्षा किट मौजूद होने चाहिए । मण्डलायुक्त ने नगरपालिका को साफ सफाई व प्रकाश व्यवस्था को लेकर खरी खोटी सुनाई । जिलाधिकारी ने नदी के निकट करारी क्षेत्रों पर बैरिकेटिंग कर आम लोगों को प्रतिबंधित करने के लिए ईओ नगरपालिका को चेताया । भ्रमण के पश्चात पुलिसअधीक्षक ने स्थानीय कोतवाली में अपने मातहतों के साथ एक बैठक भी की । बैठक के दौरान उन्होंने यातयात , बैरिकेटिंग तथा सुरक्षा सम्बंधित तमाम टिप्स मौजूद पुलिस अधिकारियों को दिए ।

भरी पंचायत में किए वादे से मुकरा टोल प्लाजा

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। विगत 28 मार्च को टोल प्लाजा के समीप बनस्थली महाविद्यालय ग्राउंड पर बनाए गए नए टोल प्लाजा पर किसानों समेत क्षेत्रीय नागरिकों से हो रही वसूली के विरोध में किसानों समेत सर्वदलीय महापंचायत में घंटों चली बातचीत में यह तय हुआ था कि 20 किलोमीटर की परिधि में किसी भी नागरिक समेत किसान से नहीं वसूला जाएगा टोल प्लाजा शुल्क विपरीत इसके टोल प्लाजा प्रशासन किए गए वादे से मुकरते हुए आने जाने वाले नागरिकों से टोल प्लाजा शुल्क वसूल रहा है जिन नागरिकों को रोल में छूट देनी थी उनके कागजात तो जमा करा लिए गए पर अभी तक उन्हें किसी तरह का कोई पास नहीं दिया गया।

केराकत पुलिस की अनूठी पहल, कई वर्षो से लावारिश पड़े वाहनों को वाहन स्वामी को किया गया सुपुर्द

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक अजय साहनी तथा शासन द्वारा जारी आदेश के क्रम में थाना परिसरों में खड़े लावारिस व मुकदमाती वाहनों के निस्तारण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहद क्षेत्राधिकारी शुभम तोदी के मार्ग दर्शन व दिशा निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक लक्षण पर्वत के द्वारा थाना केराकत परिसर में विगत कई वर्षों से लावारिश व मुकदमाती वाहनों का सत्यापन करा कर उनके वाहन स्वामी को उनके पते पर रजिस्ट्री व अन्य मध्यम से सूचित कर सत्यापन करा नियमानुसार उनका निस्तारण कर वाहन स्वामी को सुपुर्द करा दिया गया।

मंगलसूत्र छीन कर भाग रहे चोरों को महिला ने धर दबोचा

प्रखर संत कबीर नगर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत संत कबीर नगर की पुलिस ने किया सराहनीय कार्य चेन छीनकर भाग रहे अभियुक्त को पुलिस ने धर दबोचा आपको बता दें कि अनुराधा यादव पत्नी रामअशीष यादव निवासिनी ग्राम घटरम्हा थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संत कबीर नगर द्वारा सूचना दी गयी कि पति राम अशीष यादव के साथ अपने मोटर साइकिल संख्या वढ58फ8060 हीरो एचएफ डीलक्स से अपने मायके ग्राम मझगावा से वापस अपने घर आ रही थी कि समय करीब 07 बजे शाम को जैसे ही दुल्हीपार नदी के पुल पर पहुँची तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों ने पीछे से आकर उनके गले का मंगल सूत्र तथा पर्स खींचकर भागने लगे । जल्दबाजी में भागते समय दोनो मोटरसाइकिल सवार अपनी मोटर साइकिल से कुछ दूरी पर गिर गये लेकिन एक व्यक्ति भागने में सफल रहा. तथा एक व्यक्ति अखिलेश सिंह पुत्र रामदत्त सिंह निवासी बड़गो थाना कोतवाली खलीलाबाद को पकड़ लिया गया जिसके पास से वादिनी के पर्स से 850 रु0 नकद बरामद किया गया । वादिनी द्वारा बताया गया कि इन लोगो के साथ एक अन्य मोटर साइकिल पर दो लोग और भी थे जो इन लोगो से कुछ दूरी बनाकर इन लोगो के साथ चल रहे थे वो भी भाग गए है । पीड़ित महिला की तहरीरी सूचना के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 मु0अ0सं0 191/2022 धारा 392/411 भा0द0वि0 पंजीकृत किया गया।

अध्यापक गायब कैसे होगा पढ़ाई, प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक अनुपस्थिति

प्रखर संत कबीरनगर।परिषदीय विद्यालयों पर पठन-पाठन का बुरा हाल है। विद्यालय पर आए दिन प्रधानाध्यापक के अनुपस्थिति से यहां तैनात सहायक अध्यापक भी बेलगाम हैं, वही बच्चे भी पढ़ने के बजाय भोजन करने व खेलने में ही समय काट रहे हैं। इसके चलते अभिभावकों का परिषदीय स्कूलों से मोह भंग हो रहा है। और स्कूलों पर बच्चों की संख्या भी लगातार घटती जा रही है। जांच में देखने को मिला कि प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक अनुपस्थिति रहे । मामले की जानकारी खंड शिक्षा अधिकारी को दिया गया जांच की बात कही। बेलहर विकास खण्ड क्षेत्र ग्राम पंचायत पजराभीरी के परसोहियां सिघियहवां में कम्पोजिट, प्राथमिक विद्यालय और जूनियर विद्यालयों में तीन अध्यापक अनुपस्थिति रहे । उपस्थित अध्यापक से संख्या पूछें जाने पर पता चला कि प्राथमिक विद्यालय में 368 बच्चे ,और जूनियर कक्षा में 106 बच्चे नामांकित है। यहां देखने को मिला कि प्रधानाध्यापक अजय कुमार समेत दो सहायक अध्यापक अनुपस्थिति रहे। सवाल खड़ा होता है अध्यापक अनुपस्थिति कैसे होगा पढ़ाई । सूत्रों की मानें तो अनुपस्थिति रहने वाले अध्यापकों का कारनामा एक दिन का नहीं है। यह पुराना ढ़र्रा है उपस्थित रजिस्टर देखने पर मिला कि सप्ताह सप्ताह तक गायब रहने वाले लोग हैं। इस बारे में पूछे जाने पर खंड शिक्षा अधिकारी जनार्दन यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है जांच कर दोषी मिलने पर आवश्यक कार्यवाही किया जायेगा।

पुलिस के सामने ही दबंगो ने पड़ोसी को पीटा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के कथौली गांव में नाली के विवाद को लेकर बाबतपुर चौकी पर पहुचे दबंग लोगों ने पुलिस के सामने ही पिट दिया। पुलिसकर्मियों के बीच बचाव करने पर किस तरह दबंग शांत हुए। घटना मंगलवार की सायंकाल की है। बताया जाता है कि कथौली निवासी विनीत कुमार तिवारी की गांव के पड़ोसी से नाली के निमार्ण को लेकर विवाद था। जिसपर चौकी इंचार्ज बाबतपुर द्वारा दोनों पक्षो को बुलाया गया था। पुलिस के सामने ही विपक्षी गण एडवोकेट विनीत कुमार तिवारी व अनिल कुमार तिवारी को दौड़ा कर मारने पीटने लगे। जिसपर पुलिसकर्मियों ने किसी तरह दबंगो के चुंगल से उन्हें बचाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 7 लोगों के खिलाफ एनसीआर दर्ज किया। वही इस बाबत चौंकी इंचार्ज अरविंद यादव ने बताया कि चौकी पर इस तरह की कोई मारपीट नही हुई थी। दोनों पक्षों को बुलाकर कर समझा बुझाकर कर हल करा दिया है।

लाभार्थी के मजदूरी का भुगतान पहुंचा किसी अन्य खाते में

प्रखर संत कबीरनगर। पीएम आवास योजना के मजदूरी का पैसा लाभार्थी के खाते में ना जाकर किसी अन्य के खाते में जाने का मामला प्रकाश में आया , प्रार्थी ने खंड विकास अधिकारी से पैसे दिलाने की मांग की।बेलहर का यह पहला मामला नहीं है कई मामले को दबाने में जुट जाते हैं संलिप्त लोग। बेलहर विकास खण्ड क्षेत्र ग्राम पंचायत अमरडोभा, निवासी राकेश कुमार पुत्र पूर्ण मासी ने अपने प्रार्थना पत्र में लिखा है कि मेरा आवास का पैसा आया है। परन्तु मजदूरी का पैसा किसी अन्य के खाते में भेज दिया गया है। ब्लांक पर आने पर यहां के लोगों द्वारा भेजे जाने की बात कहते थे। लेकिन अब अन्य के खाते में चले जाने की बात करते हैं। पीएम आवास बनने के बाद लाभार्थियों को उनके हिस्से की मनरेगा मजदूरी नहीं मिली । मगर इस खेल में फंसने का भय कहें या कुछ और कि एक साल पूरा होने को है बने आवासों की मनरेगा मजदूरी अब लाभार्थियों के खातों के वावजूद किसी अन्य के खाते में भेज दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थी को तीन चरण में भुगतान किया जाता है। पहली किश्त में 40 हजार रुपये, दूसरी में 70 व तीसरी में 10 हजार रुपये लाभार्थी को मिलता है। आवास का पैसा मिल गया लेकिन मजदूरी के पैसे में खेल किया गया। ऐसे में ब्लाक में बैठे प्राइवेट , कंप्यूटर आपरेटर इस खेल को बड़े आराम से अंजाम देते हैं। लाभार्थी के खाते की जगह किसी दूसरे अपने चहेते व्यक्ति का खाता लगाकर भुगतान निकाल लेते हैं। सूत्रों की मानें तो एपिओ के सह पर एक प्राइवेट कंप्यूटर आपरेटर इस समय ब्लांक में बैठ कर वसूली करता रहता है।जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।और खंड विकास अधिकारी के नाक के नीचे यह बैठकर कार्य कर रहा है खंड विकास अधिकारी के सीधे पन का लाभ उठा रहा है। इस बारे में पूछे जाने पर खंड विकास अधिकारी विनोद मणि त्रिपाठी ने कहा कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच पड़ताल शुरू किया जा रहा है एक हफ्ते के अन्दर निराकरण किया जायेगा ।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का विदाई समारोह हुआ संपन्न

प्रखर वाराणसी। शिक्षक ही समाज का निमार्ता होता है, परंतु वही शिक्षक जब अपनी सेवाएं पूरी कर सेवानिवृत्त हो जाता है तो समाज उसके योगदान को व्यक्त करने हेतु शब्द ही नहीं खोज पाता, ऐसा ही कुछ प्राथमिक विद्यालय रजला, ब्लॉक चोलापुर पर आयोजित शिक्षक सम्मान तथा विदाई समारोह मे हुआ। जब प्राथमिक विद्यालय रजला के शिक्षक राजेन्द्र कुमार के विदाई का कार्यक्रम चल रहा था, लोग उनके योगदान को शब्दों मे नही अपनी अश्रु पूरित भावनाओं मे व्यक्त कर रहे थे। इस कार्यक्रम मे आशुतोष कुमार पांडेय, जिला संयुक्त महामंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, वाराणसी ने अपने विचार रखे, कार्यक्रम मे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के चोलापुर ब्लॉक संरक्षक अरुण कुमार सिंह, चोलापुर ब्लॉक कोषाध्यक्ष सुरेश चतुर्वेदी, विशेष आमंत्रित सदस्य मनीष मणि पांडेय के अलावा सौरभ सिन्हा, अकबर अली, अजय कुमार, राम बिहारी यादव, लोकेश शर्मा, संतोष कुमार भारती, महेंद्र कुमार, पन्ना लाल, बेनी माधव चौबे, उमा शंकर यादव, माधुरी कुमारी, शिक्षा मित्र अरविंद सिंह, निहोरी राम , मनोज पाठक उपस्थित थे। इनके अलावा शेख शफीक, रीतेश सिंह, भव्या गुप्ता, रेनु सिंह, रितु सिंह, प्रफुल्ल कुमार, संजय शुक्ल आदि अनेक नियार संकुल के अध्यापक, अनुदेशक,शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकताओं को सम्मान देने वाली पार्टी- राज्यमंत्री

प्रखर पिंडरा वाराणसी। भाजपा की दूसरी बार सरकार बनने और मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री बनाये जाने के बाद प्रथम गृह जनपद आगमन पर जनपद सीमा पर दिघगी पर भाजपा विधि विभाग काशी क्षेत्र के सयोंजक कौशल मिश्रा, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष राजेश पांडेय, उपेंद्र मिश्र समेत अनेक कार्यकर्ता रहे। वही एग्रो पार्क वेलफेयर सोसायटी के बैनर उद्यमियों ने करखियाव में ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहाकि एक सामान्य से कार्यकर्ता को मंत्री बनना भाजपा में ही सम्भव है। जो जिम्मेदारी मिली है उसका बखूबी निर्वहन करूँगा। इस दौरान कमल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनोज मद्धेशिया, शुभम अग्रवाल, गोपाल गुप्ता, राय अक्षय , संतोष जायसवाल, आनंद जायसवाल, बृजेश गुप्ता समेत अनेक उद्यमी रहे। फूलपुर में डॉ रंगनाथ दुबे, मण्डल अध्यक्ष सरमेश सिंह, शिवा सिंह फूलपुर थाने के समीप लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के डॉ वीरेंद्र विश्वकर्मा, जितेंद्र दुबे व राजकुमार विश्वकर्मा ने स्वागत किया। पिंडरा में ढोल नगाड़ों के साथ भव्य ढंग से भाजपाई ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहाकि यह जीत आपकी जीत है। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष मनीष पाठक, जगदीश सिंह, ओमप्रकाश दुबे, वंशनरायन पाठक, राहुल चौहान, अजय ऊदल, अंशु चौब रहे। रमईपुर में डॉ दिनेश मिश्रा,मनीष चौबे,प्रवेश दुबे, अमन वर्मा, सूरज वर्मा ने स्वागत किया। बाबतपुर में अरविंद मिश्रा व प्रवीण तिवारी के नेतृत्व में भाजपाइयों ने स्वागत किया। पिंडरा विस क्षेत्र में राज्यमंत्री का आधा दर्जन स्थानों पर स्वागत किया गया। इस दौरान वाहनों के लंबे काफिला व पुलिस की कोई व्यवस्था न होने से पिंडरा से लेकर बाबतपुर तक घंटे भर जाम की स्थिति रही। इस दौरान पुलिस की गैरमौजूदगी के कारण अव्यवस्था दिखी।

संक्षिप्त खबरें

राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा शुक्रवार को आएंगे सिधौना

प्रखर खानपुर गाजीपुर। जनपद के सिधौना गांव में आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधीय शासन के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्रा दयालु का शुक्रवार की शाम आगमन हो रहा है। डॉ दयाशंकर मिश्रा उर्फ दयालु गुरु अपने जन्मभूमि सिधौना गांव में शुक्रवार को पांच बजे पहुंचेंगे। जहां गांव के सिधेश्वर महादेव धाम पर भव्य दिव्य श्रृंगारोत्सव के साथ पूजापाट करेंगे। अपने पैतृक गांव में अपने परिजनों सहित गांववालों का आशीर्वाद लेंगे। कार्यक्रम के संयोजक कृष्णानंद सिंह ने बताया कि शुक्रवार की शाम पांच बजे राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा का जनपद में प्रवेश करते ही गोमती पुल से युवा भाजपा नेता राजीव सिंह के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में युवक ढोल नगाड़े के साथ स्वागत करेंगे। शिवाजी मिश्रा के अगुआई में डॉ दयालु रोडशो करते हुए सिधौना गांव पहुचेंगे। गांव के लोगों द्वारा रामलीला मैदान में आयोजित होली मिलन समारोह में राज्यमंत्री डॉ दयालु का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। इस अभिनंदन कार्यक्रम में देश के ख्यातिनाम कलाकारों द्वारा संगीतमय होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है।

मोदनवाल समाज का होली मिलन समारोह

प्रखर पिंडरा वाराणसी। मोदनवाल समाज सिंधोरा का होली समारोह मंगलवार को सायंकाल में सिंधोरा स्थित एक मैरिज हाल में हुआ। जिसमे समाज के लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली का शुभकामनाएं दी और कहाकि समाज को एकजुटता दिखाते हुए गरीब तबके के लोगो के शिक्षा व विवाह कराने में योगदान देने की जरूरत है। इस दौरान चलाकू मोदनवाल, दीनदयाल मोदनवाल, रामजनम , बबलू , महेश , दिनेश आर्य, सुरेंदर, सोनू मोदनवाल समेत दर्जनो की संख्या में मोदनवाल समाज के लोग उपस्थित रहे।

पुलिस के सामने ही दबंगो ने पड़ोसी को पीटा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के कथौली गांव में नाली के विवाद को लेकर बाबतपुर चौकी पर पहुचे दबंग लोगों ने पुलिस के सामने ही पिट दिया। पुलिसकर्मियों के बीच बचाव करने पर किस तरह दबंग शांत हुए। घटना मंगलवार की सायंकाल की है। बताया जाता है कि कथौली निवासी विनीत कुमार तिवारी की गांव के पड़ोसी से नाली के निमार्ण को लेकर विवाद था। जिसपर चौकी इंचार्ज बाबतपुर द्वारा दोनों पक्षो को बुलाया गया था। पुलिस के सामने ही विपक्षी गण एडवोकेट विनीत कुमार तिवारी व अनिल कुमार तिवारी को दौड़ा कर मारने पीटने लगे। जिसपर पुलिसकर्मियों ने किसी तरह दबंगो के चुंगल से उन्हें बचाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 7 लोगों के खिलाफ एनसीआर दर्ज किया। वही इस बाबत चौंकी इंचार्ज अरविंद यादव ने बताया कि चौकी पर इस तरह की कोई मारपीट नही हुई थी। दोनों पक्षों को बुलाकर कर समझा बुझाकर कर हल करा दिया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर के वार्ड ब्वॉय 'शशांक पाण्डेय' की बाइक ऑक्सीजन प्लांट से चोरी

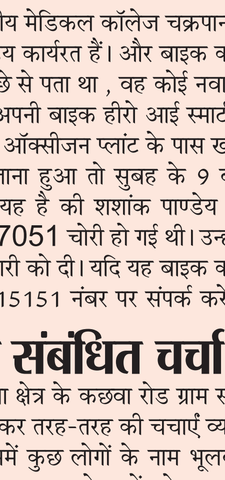

प्रखर आजमगढ़। आजकल जितना ही सरकार अपराधियों पर नकेल कस रही है, कहीं न कहीं उतने अपराधी पनफ भी रहे हैं।जी हां आजकल चोरी रुकने का नाम नहीं ले रही है।कुछ चोर इतने शातिर हो गए हैं की स्थानीय लोगों की या विभागीय लोगों की सामानों पर भी हाथ फेर दे रहे हैं। बता दें की आजमगढ़ जिले के राजकीय मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर में वार्ड ब्वाय के रूप में शशांक पाण्डेय कार्यरत हैं। और बाइक कहां खड़ी करनी है कहां नहीं यह भी अच्छे से पता था , वह कोई नवागत नहीं थे।रोज की भांति आज भी वह अपनी बाइक हीरो आई स्मार्ट से ड्यूटी के लिए आए ,और आकार के ऑक्सीजन प्लांट के पास खड़ा कर दिए।और फिर किसी काम से जाना हुआ तो सुबह के 9 बजे बाइक गायब थी।कहने का मतलब यह है की शशांक पाण्डेय की बाइक हीरो आई स्मार्ट UP50 AJ7051 चोरी हो गई थी। उन्होंने तुरंत इसकी लिखित सूचना चौकी प्रभारी को दी। यदि यह बाइक कहीं भी दिखाई दे तो कृपया इस 9792115151 नंबर पर संपर्क करें।

ग्राम सभा में पट्टे संबंधित चर्चा

प्रखर वाराणसी । मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के कछवा रोड ग्राम सभा ठटरा में बीते दिनों पट्टे आवंटन को लेकर तरह-तरह की चचाएं व्याप्त है तथा अखबार में खबरें चली जिसमें कुछ लोगों के नाम भूलवश अंकित हो गये । जिसको लेकर आज कछवारोड में पट्टे पर चर्चा हुआ जिसमें ठटरा ग्राम वासी पप्पू सोनकर, रवि वर्मा, रणजीत बिंद, ने पट्टे संबंधित पूछे जाने पर कहा कि हम लोगों का इस ग्रामसभा पट्टे आवंटन से कोई तालुकात नहीं है । तथा ग्राम प्रधान ने भी पट्टे पर अपनी राय दी ।

एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी उमेश यादव के समर्थन में पार्षदों , ग्राम प्रधानों की हुई बैठक

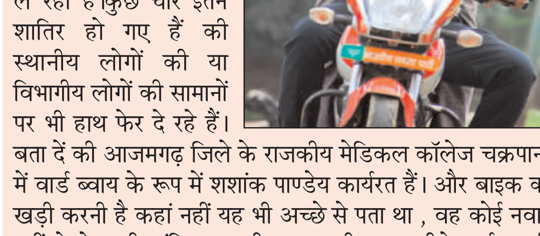

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चंदौली-भदोही स्थानीय निकाय (प्राधिकरण) एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी श्री उमेश यादव के समर्थन हेतु रामनगर पालिका क्षेत्र के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र मल्लिक की अध्यक्षता एवं आवास पर रामनगर क्षेत्र के सम्मानित पार्षदगण, ग्राम प्रधान की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से वाराणसी समाजवादी पार्टी महिला सभा महानगर अध्यक्ष पूजा यादव, महानगर सचिव श्री जगदीश यादव , प्रदेश सचिव विवेक कंहार , राजु सोनकर, मणिशंकर शर्मा , संजय यादव ,श्री रघुनाथ सोनकर , सूरज सोनकर, महानगर सचिव म.स डाक्टर पुष्पा चौहान, युवा नेता अभिजीत यादव आदि शामिल थे।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, कार बैठे दो युवक बाल बाल बच्चे

प्रखर अहरौरा मिर्जापुर। थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित खप्पर बाबा मोड़ के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार में दो युवक सवार होकर सोनभद्र से वाराणसी को जा रहे थे तभी खप्पर बाबा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने कार को सीधा करवाकर दोनो युवक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार दोनो युवक बाल बाल बचे सुरक्षित है।

सब जूनियर जिला कुश्ती चैंपियनशिप का संकट मोचन मंदिर के महंत डॉ. वीरभद्र मिश्र ने किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सब जूनियर जिला कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन अस्सी घाट वाराणसी में किया गया जिसका उद्घाटन संकट मोचन मंदिर के महंत डॉ वीरभद्र मिश्र के द्वारा किया गया समापन के मुख्य अतिथि श्रीमती पूजा यादव महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी पूर्व प्रत्याशी कैंट वाराणसी एवं विशिष्ट अतिथि श्री अर्जुन सरदार जी गोवर्धन पूजा समिति उपाध्यक्ष के द्वारा किया गया पूजा यादव जी के तरफ से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को किट लिए 21000 नगद दिया गया और उन्होंने कहा जो भी खिलाड़ियों को जो भी मदद होगी वह हम सदैव करने के लिए तैयार रहेंगे इस मौके पर उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के महासचिव प्रेम कुमार मिश्रा पूर्व उत्तर प्रदेश केसरी कल्लू पहलवान रामलाल पहलवान पारस पहलवान अर्जुन यादव पूर्व उत्तर प्रदेश केसरी मुकेश यादव उमेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान 5 अप्रैल 2022 को आगरा राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए जाएंगे और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों की सूची - बालक फ्री-इस्टाइल भार वर्ग" 45- पवन यादव ,गया सेठ

48 - अभिषेक यादव, कपिषा
51- मोहित यादव, गया सेठ
55 -धर्मवीर यादव, गया सेठ
60 -मुकेश यादव, चमावां
65- प्रियांशु यादव, कपिषा
71 -शिवधनी यादव, नैंपुरा
80 -यशवंत गिरी, डीएलडब्ल्यू
92 -अजीत यादव, स्वामीनाथ
110- ऋषभ सिंह डीएलडब्ल्यू किग्रा।

बालक ग्रीको रोमन भार वर्ग
54-अरुण कुमार, गया सेठ
48-आकाश कुमार, गया सेठ
51-साहिल यादव, सिगरा स्टेडियम
55-शिवनाथ, सिगरा स्टेडियम
60-गोलू यादव, गया सेठ
65-मनीष यादव, सिगरा स्टेडियम
71-रोहन यादव, नैंपुरा
80-चैतन्य राज सिंह गया सेठ
92-आर्यन यादव, बीएचयू
110- निशांत पाल, सारनाथ, किग्रा।

बालिका भार वर्ग -
43- कोमल सोनकर चिलबिला
46- रेशमा यादव गया सेठ
49- माला यादव निवेदिता
53-साक्षी त्रिपाठी बीएचयू
57-खुशी यादव बीएचयू
61-कशिश यादव स्वामीनाथ
65-ज्योति यादव निवेदिता किग्रा

निर्णायक की भूमिका में जावेद अंसारी ,अशोक यादव ,राम नरेश यादव ,सुरेंद्र यादव ,सुभाष यादव, मुकेश यादव ,दीपक सिंह ,बबली कनौजिया आदि लोगों ने किया।

मुम्बई की ड्रोन करेगी नवरात्र मेला की निगरानी, एसपीसीटी ने लिया ट्रायल

प्रखर विन्ध्याचल , मीरजापुर । आगामी नवरात्र में मुम्बई से मंगाई गई हाई प्रोफाइल ड्रोन कैमरे से मेलाक्षेत्र की निगरानी की जाएगी । रोडवेज परिसर में एसपीसीटी संजय वर्मा ने ड्रोन का ट्रायल लिया । ट्रायल के पश्चात इसकी खूबियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह वेहद हाई प्रोफाइल ड्रोन कैमरा है । इसकी मदद से मेलाक्षेत्र में छोटी छोटी गतिविधियों को भी आसानी से देखा जा सकता है । मुम्बई से बड़ी मेहनत के पश्चात दो ड्रोन उपलब्ध कराए गए है । इस दौरान सिओसिटी प्रभात राय , थाना प्रभारी नीरज पाठक व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे ।

चार माह में दूसरी बार चोरी, लेकिन पुलिस के हाथ अब भी खाली

प्रखर खानपुर गाजीपुर। थानाक्षेत्र में हो रही लगातार चोरियों से क्षेत्रीय लोग जहा भयभीत हैं वही खानपुर पुलिस के हाथ अब भी खाली हैं। वही बीतीरात खानपुर थानाक्षेत्र के खानपुर स्थित कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय में चोरो ने एक बार फिर हाथ साथ कर दिया।वही सुबह विद्यालय प्रधानाध्यापक जब विद्यालय पहुँचे तो स्कूल की चहारदीवारी टूटा देख हलकान रह गए और जैसे ही विद्यालय अंदर पहुँचे तो देखा कि रसोईघर का ताला टूटा हुआ है औरं अंदर पड़े सभी सामान बिखरे हुए हैं।जानकारी के अनुसार बीतीरात क्षेत्र के कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय खानपुर में चोरो द्वारा चहारदीवारी तोड़कर पीछे के रास्ते से विद्यालय में घुसकर अंदर बने रसोईघर का ताला तोड़ गैस सिलेंडर चूल्हा समेत हजारो के सामान पर अपना हाथ साफ कर दिया।वही जब विद्यालय प्रधानाध्यापक सत्यनारायण कुशवाहा विद्यालय पहुँचे तो रसोईघर की स्थिति देख हलकान रह गए।वही प्रधानाध्यापक ने इसकी सूचना तत्काल खानपुर पुलिस को दी मौके पर पहुची पुलिस ने खानापूर्ति पूर्ण करते हुए वापस चली गई।प्रधानाध्यापक के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।वही प्रधानाध्यापक ने बताया कि पिछले चार माह के अंदर ये विद्यालय में दूसरी बार चोरी है पिछले बार भी चोरो द्वारा पानी की टंकी,टोटी समेत हजारों के सामान पर हाथ साफ कर दिया गया था।लेकिन खानपुर पुलिस के हाथ अब भी खाली है।

रुद्र जप अनुष्ठान के साथ काशी कांची महोत्सव का भव्य समापन

प्रखर वाराणसी। संस्कार निर्माण के लिए कांचीपीठ द्वारा जारी रहेगी ऐसे आयोजनों की श्रंखला काशी कांची महोत्सव का पूणार्हुति श्री काशी कामकोठीश्वर मंदिर में कांची से पधारे 108 वैदिक बटुकों द्वारा माहरुद्र जप एवं अभिषेक के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। महोत्सव के समापन अवसर पर नवदुर्गा तथा नवगौरी का पूजन सुहागिन एवं कन्यापूजन के साथ संपन्न हुआ। गिरिजा-पार्वती के रूप में नवविवाहित जोड़ो का पूजन कर आने वाले नव संवत्सर के स्वागत एवं नवसंवत्सर में सुख शांति समृद्धि और ऐश्वर्य का कारक बने, ऐसी कामना की गई। महारुद्र के अवसर पर संयोजक वी.एस. सुब्रमण्यम मणि ने पूरे कार्यक्रम का विस्तृत विवरण बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे सनातन संस्कृति संस्कार को अक्षुण्ण बनाये रखने का एक शुभ प्रयास है। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि अपने बच्चों को संस्कारित करते हुए हमारे प्राचीन परंपराओं का बोध कराना परम् आवश्यक है। इसीलिए परम् पूज्य शंकराचार्य श्री शंकर विजेंद्र सरस्वती जी द्वारा देश के अनेक भागों में संस्कृति धाम के माध्यम से बच्चों में संस्कार, संस्कृति का बोध कराया जा रहा है। पूरे देश में इस प्रकार के संस्कार शाला 150 से अधिक है। पूज्य शंकराचार्य जी के निर्देशन में वेद पाठशालाओं तथा नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में तथा पराविद्या अपराविद्या दोनों के लिए अनेक कार्य किये जा रहे हैं। आने वाले नव संवत्सर में काशी में शंकरा आई हॉस्पिटल प्रारंभ किया जा रहा है। इस समय देश के 18 राज्यों में पीठ द्वारा नेत्र चिकित्सालय के माध्यम से हजारों लोग लाभान्वित हो रहे है। कार्यक्रम का संचालन वी.एस. चंद्रशेखर ने किया। तथा धन्यवाद एवं आभार ज्ञापन श्री संपत गुरु जी ने किया। कार्यक्रम के अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम को अगले वर्ष के लिए पुनः आयोजित करने की कामना के साथ समाप्त किया।

हनुमान चालीसा शूटिंग विवाद सुखविंदर सिंह ने बताई पूरी बात

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय गायक सुखविंदर सिंह ने बनारस के चैत सिंह घाट पर चल रही टाइम ऑडियो की हनुमान चालीसा की शूटिंग के दौरान जूते पहन कर शूटिंग करने के मामले पर उठे विवाद पर हकीकत बयां की है । सुखविंदर सिंह ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से विवाद की पूरी बात रखी है वीडियो संदेश में सुखविंदर सिंह ने कहा है कि शूटिंग के दौरान हर सीन की रिहल्सल यानी प्रैक्टिस होती है और यह दो तीन बार होती है ताकि शूट अच्छे से हो सके । सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया में जो खबरे चल रही है वो अधूरी है । मंगलवार को शूटिंग चेत सिंह घाट पर हो रही थी जहां लोग चप्पल जूते पहन कर ही घूमते हैं और चूंकि गर्मी बहुत थी और फर्श बहुत गरम था इसीलिए बिना चप्पल जूते के वहां खड़े रहना काफी मुश्किल था इसीलिए प्रैक्टिस के वक़्त वे जूते पहन लेते थे और शूटिंग के वक़्त उतार देते थे जो कि सामान्य प्रक्रिया है । सुखविंदर सिंह ने आगे कहा कि वे खुद हनुमान भक्त हैं और बनारस आते ही उन्होंने संकट मोचन मंदिर जाकर पूजा अर्चना की है और आध्यत्मिक राजधानी काशी में वे सुकून महसूस करते हैं ऐसे में मामूली बात को लेकर विवाद खड़ा करना उचित नहीं है। नकारात्मक पहलू से अच्छा होता वे सकारात्मक बाते करते ।

ट्रक की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल

प्रखर चन्दवक जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के बजरंग नगर चौकी के पास सोमवार की दोपहर ट्रक की चपेट में आने से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नितेश उर्फ चंदू प्रजापति पुत्र छोटेलाल प्रजापति साइकिल से अपने घर बिशुनपुर लेवरुआ से कोचिंग करने बजरंग नगर जा रहा था कि जैसे ही बजरंगनगर पुलिस चौकी के सामने पहुंचा तभी वाराणसी से आजमगढ़ की तरफ से तेजी से आ रही ट्रक की चपेट आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे में नितेश उर्फ चंदू साइकिल समेत ट्रक के पहिये के नीचे आ जाने से दोनो पैर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जोरदार टक्कर की आवाज सुन मौके पर पहुंची पुलिस घायल को उपचार के लिए सामुदायिक केंद्र बीरीबारी भेजा हालत गंभीर देख डाक्टरों ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया।पुलिस ट्रक व चालक को हिरासत लेकर जांच पड़ताल में जुट गई।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ काशी विद्यापीठ वाराणसी की बैठक संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ काशी विद्यापीठ वाराणसी की बैठक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष/अध्यक्ष सनत कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वक्ताओं द्वारा शिक्षकों के चयन वेतनमान, चिकित्सकीय अवकाश एवं निलंबन अवधि के बकाया वेतन के भुगतान न होने पर नाराजगी जाहिर की गई। वक्ताओं ने बताया कि वाराणसी में लगभग 1500 से अधिक शिक्षकों के बकाया भुगतान लंबित है जिस पर अधिकारियों द्वारा उदासीनता अपनाया जाना ठीक नहीं है। समस्याओं को निदान न होने पर संगठन द्वारा रूप रेखा तैयार कर धरना प्रदर्शन किया जाना ही मुनासिब होगा। सनत कुमार सिंह ने कहा कि कि वाराणसी में प्रति 5 अध्यापक में से एक अध्यापक समस्याओं के निराकरण न होने से परेशान है। शिक्षकों के समस्याओं के निदान हेतु संघ की मांग पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 15 मार्च 2021 को सभी खंड शिक्षा अधिकारियों व वित्त एवं लेखाधिकारी को समस्याओं के निराकरण हेतु निर्देश जारी किए गए। खेदजनक स्थिति यह है कि खंड शिक्षा अधिकारियों के स्तर से बकाया बिलों का प्रेषण नहीं किया जा रहा, ज्ञात करने पर बताया जा रहा है कि लेखा कार्यालय का कहना है कि ग्रांट ही नहीं है शिक्षकों के रोष को देखते हुए सनत कुमार सिंह ने मांग की है कि हर हाल में शिक्षकों के समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य रूप से अनूप सिंह, राजेश कुमार, डॉ. सिद्धनाथ पांडेय, संजय राय, श्रीपादबल्लभ वक्षी, संतोष शर्मा, मनोज कुमार, कौशल सिंह, राजेंद्र राय, राजकुमार, प्रेमलता यादव, पुष्पा देवी, चंद्रावती शर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए।

संकट मोचन और नंदेश्वर घाट पर चार भाषा में शूट हो रही है जोगी रे जोगी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। देश की जानी मानी कंपनी टाइम ऑडियो द्वारा इन दिनों बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी के खूबसूरत स्थान संकट मोचन मंदिर , नंदेश्वर घाट , राजघाट पर भक्तिमय गीतों की शूटिंग की जा रही है । प्रख्यात गायक सुखविंदर सिंह के हनुमान चालीसा के बाद अब हिंदी , भोजपुरी , मराठी और बंगला भाषा मे जोगी रे जोगी नाम के भजन की शूटिंग हो रही है । टाइम ऑडियो के प्रवीण शाह , सगुन बाघ , विरल शाह और जीत बाघ द्वारा निर्मित इस भक्तिमय गीत के निर्देशक हैं दक्षिण भारत के मशहूर कोरियोग्राफर शंकर मास्टर जिन्होंने बाहुबली , हालिया रिलीज आर आर आर के गानो को कोरियोग्राफ किया है । जोगी रे जोगी के संगीतकार है कुमारजीत सरकार हिंदी में इसे लिखा और गाया है खुद उन्होंने ही जबकि इस गीत को फिल्माया जा रहा है जाने माने अभिनेता रजत बेदी पर जिन्होंने कोई मिल गया सहित 50 से भी अधिक हिंदी और तेलगु फिल्मों में काम किया है । जोगी रे जोगी के भोजपुरी संस्करण को लिखा है प्यारेलाल कवि ने और इस पर परफॉर्म कर रहे हैं बताशा चाचा के नाम से मशहूर मनोज सिंह टाइगर । बंगला संस्करण को लिखा गाया और उस पर परफॉर्म भी वे खुद कर रहे हैं । मराठी संस्करण को लिखा है मुराद तम्बोली ने जबकि गाया है प्रसिद्ध गायक अमित काले ने और इस वीडियो में वे खुद नजर आ रहे हैं । आपको बता दें कि 1982 में स्थापित टाइम ग्रुप मनोरंजन उत्कृष्टता की एक समृद्ध विरासत है जिनके पास हीरो, जोड़ी नंबर 1, कुरुक्षेत्र, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, विजयपथ जुआरी, खिलाड़ी 420, कृष्णा जैसी काफी फिल्मों का एक बड़ी लाइब्रेरी है । टाइम ग्रुप वर्तमान में फिल्मों और संगीत के अधिग्रहण, उत्पादन, वितरण और प्रदर्शनी के कारोबार में शामिल है। 2022 में टाइम ग्रुप 3 वेबसीरीज के साथ 10 फीचर फिल्मों का निर्माण कर रहा है और अपने स्वयं के कलाकार और कास्टिंग नेटवर्क विकसित करने के साथ-साथ भारत में सबसे बड़े वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो में से एक खोल रहा है।

प्रभारी निरीक्षक ने विभिन्न बैंक शाखाओं का किया निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी शुभम तोदी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत ने बुधवार को क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक, हचडीएफसी बैंक,यूनियन बैंक कुसरना आदि के साथ सभी बैंकों के बाहर नो पार्किंग मे खड़ी वाहन व बैंक के बाहर खड़े हुए लोगों से पूछ आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने बैंक शाखाओं की सुरक्षा उपकरणों की भी जांच पड़ताल की। शाखा में मौजूद लोगों से बात कर शाखा परिसर में बिना काम के रहने वालो को बैंक से बाहर जाने की सख्त निर्देश दिये। उन्होंने बैंक मैनेजर से शाखा परिसर में किसी संदिग्ध को देखने पर पुलिस को सूचित करने की सलाह दी। जांच पड़ताल से बैंक शाखाओं में कुछ देर के लिए अफरा तफरी मच गई थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि यह रूटीन जांच है। खाता धारकों और बैंको की सुरक्षा के लिए इस तरह की जांच समय समय पर किया जाता रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

ये जनता की जीत है - रीता नीलेश सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों में सरकार बनने के बाद प्रथम काशी आगमन पर भाजपा प्रवक्ता रीता सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि ये जनता की जीत है, उत्तर प्रदेश की जनता अब बहकावे में नही आएगी झूठ और प्रलोभन का दौर अब समाप्त हो गया है, जनता को अब शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार एवम विकाश चाहिए, विपक्ष अब दोयम दजे की राजनीति न करें आगामी 2024 में लोकसभा चुनाव में केंद्र में पुनः प्रचंड बहुमत की मोदी सरकार बनेगी भाजपा प्रवक्ता ने वाराणसी के सभी 8 सीटों के विधायकों को बधाई भी दिया। वाराणसी आगमन से पूर्व भाजपा प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर बधाई एवम शुभकामनाएं दी। काशी आगमन उपरांत बाबा काल भैरव के एवम काशी विश्वनाथ में शीश नवाने के बाद गंगा आरती में शामिल हुई एवम माँ गंगा से मुख्यमंत्री एवम प्रधानमंत्री की स्वास्थ्य की कामना की, गंगा सेवा निधि की ओर से भाजपा प्रवक्ता का स्वागत किया गया।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस के 34वें स्थापना दिवस पर मुख्यालय में मेले का किया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस के 34 वे स्थापना दिवस के अवसर पर पहड़िया स्थित मुख्यालय में एक मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राकेश कुमार पुलिस उपमहानिरीक्षक समूह केंद्र चन्दौली थे उन्होंने मेले का फीता काटकर सुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 34 वें स्थापना दिवस पर वाहिनी के साहसी कर्मियों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की बधाई दी उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ अपनी वीरता और पेशेवराना अंदाज के लिए जानी जाती है। भारत के सुरक्षा तंत्र में इसकी अहम भूमिका है। वाहिनी के कमांडेंट श्री अनिल कुमार वृक्ष ने अपने जवानों की सराहना की और उन्हें और उनके परिवारजनों को वाहिनी के 34 वे स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ का गौरवशाली इतिहास के साथ, बल पूरी ताकत से देश की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश को सीआरपीएफ की वीरता और बलिदान पर गर्व है। मेले में द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश मिश्रा, उप कमांडेंट महेंद्र कुमार मिश्रा के साथ बटालियन के राजपत्रित अधिकारी व जवान उनके परिवार मौजूद रहे। इस अवसर पर मेले में जवानों के मनोरंजन के लिए तंबोला, ग्लास-वाल, मटका डंडा, फुटबाल टायर आदि खेल का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न राज्यों के मशहूर व्यंजनों और पेय पदार्थो को स्टाल लगाकर उपलब्ध कराया गया गया ।

योगेन्द्र गंगवार बने उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भाजपा के अनुशांगिक संगठन-भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ का लखनऊ में कार्यकर्त्ता सम्मलेन, भाजपा को मिली प्रचण्ड बहुमत की जीत के उपलक्ष्य में एक सम्मलेन का आयोजन लखनऊ में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक का आगमन हुआ सम्मलेन का नेतृत्व प्रदेश मंत्री रंजीत कुमार वर्मा एवं प्रदेश मंत्री प्रदीप कुमार सिंह नें किया। जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिभुवन धुरिया के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक द्वारा नाथ नगरी बरेली के प्रदेश संगठन महामंत्री योगेन्द्र गंगवार को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। जिसमें राष्ट्रीय सचिव डॉ.राम मनोहर पाठक , राष्ट्रीय संरक्षक अनुशासन समिति अशोक सिंह प्रदेश संरक्षक प्रमोद सिंह परिहार प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर सिंह प्रदेश महामंत्री मनीष मिश्र प्रदेश महामंत्री जयजीत कुशवाहा प्रदेश मंत्री सतीश वर्मा प्रदेश मंत्री प्रदीप गुप्ता एवं प्रदेश मंत्री जगदीश सिंह पाटनी ने श्री योगेन्द्र गंगवार जी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं योगेन्द्र गंगवार ने अपने सम्बोधन में कहा,कि वे सदैव श्रमिकों, कामगारों, कर्मचारियों के हित के लिए हर संभव कार्य करेंगे, वे अपने कार्यकताओं के सहयोग से प्रदेश में ग्राउंड लेविल तक संगठन को बहुत मजबूत करेंगे।

अपनी प्रसिंद्ध इमरती की तरह मशहूर हुई मिस जौनपुर श्रेष्ठा मोदनवाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 27 मार्च को वाराणसी के होटल रीजेंसी में आयोजित अवार्ड शो में अपनी प्रसिद्ध इमरती के लिए ओलंदगंज स्थित मशहूर बेनीराम प्यारेलाल की सातवीं पीढ़ी में जन्मी मनोज मोदनवाल की 21 वर्षीय पुत्री श्रेष्ठा मोदनवाल ने अवार्ड शो के 3 राउंड प्रतियोगिता जिसमे इंट्रोडक्शन राउंड टैलेंट राउंड और साक्षात्कार में अपने 26 प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए मिस जौनपुर का ताज अपने नाम कर लिया पूरी दुनियां में मशहूर जौनपुर मे बेनीराम की इमरती की मिठास देश के प्रधानमंत्री तक कर चुके है। श्रेष्ठा मोदनवाल ने बताया कि अवॉर्ड शो आए हुए जजेज ने फूल मार्क्स के साथ हमने मिस जौनपुर का खिताब अपने नाम किया` एक्टर्स श्रुति शर्मा ने अपने हाथों मिस जौनपुर का क्राउन पहनाया गया अपनी प्रसिद्ध इमरती की तरह प्रसिद्ध हुई मिस जौनपुर श्रेष्ठा मोदनवाल ने अपने परिवार के साथ साथ जनपद का भी नाम रोशन किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं